



२
८५

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३३] नई विल्ली, शनिवार, अगस्त १५, १९८१ (श्रावण २४, १९०३)
No 33] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 15, 1981 (SRAVANA 24, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियमदार और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय
का० एवं प्र० सु० विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण

नई विल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1981

सं० ए०-२२०२०/१/८१-प्रशा० ५—श्री एस० रामार्पित, अपराध सहायक केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो को दिनांक 13-7-1981 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो (मुख्यालय) जॉन-॥ में श्री तिलक राज, कार्यालय अधीक्षक, जो छुट्टी पर चले गए, के स्थान पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में प्रोफ्रेशन किया जाता है।

की० ला० गोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई विल्ली-११००२२, दिनांक 21 जुलाई 1981

सं० ओ० दो १४४४/७९-एस्ट० (स्थापना)—राष्ट्रपति जी, डाक्टर (कुमारी) इफ्सोखार्लनिसा बेगम को अस्थाई १-१९६८/८१

रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाए जाने की शर्त पर 10-7-1981 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो १५७५/८१-एस्ट० —महानिवेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) साधना गुप्ता को 2-7-1981 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के सिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 22 जुलाई 1981

सं० ओ० दो १५८८/८१-स्थापना—राष्ट्रपति जी, डाक्टर एस० ए० पंडित को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 15-7-1981 के पूर्वाह्न से, डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाए जाने की शर्त पर, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 जुलाई 1981

सं० ओ० दो 1589/81—स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० रनबीर सिंह को 13-7-1981 पूर्वाह्न 'से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ स्वप में नियुक्त किया है।

ए० के० सूरी,
सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 जुलाई 1981

सं० 11/8/81—प्रशा०-1—राष्ट्रपति, कर्णटक, बंगलौर में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरस्त श्री जी० नानजुंडा गाउडा को उसी कार्यालय में तारीख 1 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पदोन्नति हारा पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री गाउडा का मुख्यालय बंगलौर में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री गाउडा को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति, नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिसाए कोई कारण बसाए रह की जा सकती हैं।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार
भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़
शिमला, दिनांक 22 जुलाई 1981

सं० वेलफेर/81-82/मिश्रित/112—श्री राज कुमार थई, लेखा अधिकारी कार्यालय महालेखाकार हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़, शिमला (जन्म: 5 अगस्त 1926) तीन जून, 1981 को स्वर्ग सिधार गए।

धीरेन्द्र कृष्ण,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय कोलं
तिस्वन्तपुरम, दिनांक 20 जुलाई 1981

सं० प्र० स्थापना/प्र०/7/9-86/खण्ड 2/127—श्री पी० भास्करन (सं० 1) अनुभाग अधिकारी (लेखा और लेखा-

परीक्षा) को 16-7-1981 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक लेखा अधिकारी के पद में स्थानापन्न होने हेतु नियुक्त करने के लिए महालेखाकार, केरल संतुष्ट हुए हैं।

डॉ शिवरामकृष्ण,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1981

सं० 225/ए०-प्रशासन/130/79-81—वार्षिक नियूति आयु प्राप्त करने पर सर्वश्री ए० एन० गोपालाकृष्णन और एम० कल्याण सुन्दरम्, लेखा परीक्षा अधिकारी, कमशः दिनांक, 3-4-1981 और 30-6-1981 से लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

इन्द्र पाल सिंह,
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेन्स फैक्टरिया सेवा

आईनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 15 जुलाई, 1981

सं० 26/जी०/81—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अफसरों को डॉ ए० डी० जी० ओ० एफ०/जी० एम० की श्रेणी में उनके सामने दर्शाई गई तारीख से, पुष्ट करते हैं:—

सर्वश्री

1. एम० एम० अग्रवाल,	12-9-1970
स्थानापन्न सहायक निदेशक	
2. एस० पी० पाल,	1-8-1975
स्थानापन्न प्रबन्धक	
3. प्रेम नारायण, स्थानापन्न प्रबन्धक	—वही—
4. बी० के० राव, स्थानापन्न प्रबन्धक	—वही—
5. पी० के० गुप्ता,	—वही—
स्थानापन्न प्रबन्धक	
6. एन० एल० दुबे,	1-9-1975
स्थानापन्न प्रबन्धक	
7. एम० एल० खन्ना,	—वही—
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
(अब अवकाश प्राप्त)	
8. यू० के० श्रीवास्तव,	18-9-1975
स्थानापन्न प्रबन्धक	
9. ओ० पी० कालरा,	14-10-1975
स्थानापन्न प्रबन्धक	
10. एस० बी० पाल,	1-12-1975
स्थानापन्न प्रबन्धक	

संवंशी	संवंशी		
11. एस० एन० सिंह, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-12-1975	30. श्री० एस० पश्चीराज, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-10-1976
12. एस० सी० जिन्दल, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-1-1976	31. एस० पी० जैन, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-1-1977
13. सी० मोर्झु, स्थानापश्च प्रबन्धक	—वही—	32. के० शन्मुगम्, स्थानापश्च प्रबन्धक	—वही—
14. ए० के० मजुमदार, स्थानापश्च उप-प्रबन्धक	—वही—	33. एस० एस० गाहगला, स्थानापश्च प्रबन्धक	—वही—
15. पी० एन० शिंगरल, स्थानापश्च उप-प्रबन्धक (दिवंगत)	—वही—	34. श्री० शाहदादपुरी, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-3-1977
16. ए० आर० बसु, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-2-1976	35. के० के० भागती, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-4-1977
17. ए० सी० वास, स्थानापश्च सीनियर श्री० ए० श्री० जी०/प्रो० एफ०	—वही—	36. सी० श्री० एस० राष्ट्र, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-5-1977
18. जी० आर० आनन्द, स्थानापश्च प्रबन्धक	—वही—	37. डी० के० भगत, स्थानापश्च प्रबन्धक	—वही—
19. पी० सी० ठाकुर, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-2-1976	38. के० एल० सपरा, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-6-1977
20. एम० एल० गुप्ता, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-3-1976	39. ए० नागपाल, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-11-1977
21. सी० रामचन्द्रन, स्थानापश्च प्रबन्धक	—वही—	40. श्री० एल० शर्मा, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-2-1978
22. के० आर० शंकरण, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-5-1976	41. आर० एम० के० पिलाय, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-5-1978
23. एस० पी० अग्रवाल, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-6-1976	42. एस० एम० असमायुला स्थानापश्च प्रबन्धक	—वही—
24. एस० मुखर्जी, स्थानापश्च सीनियर श्री० ए० श्री० जी०/प्रो० एफ०	1-7-1976	43. श्री० आर० राव, स्थानापश्च प्रबन्धक	15-6-1978
25. आर० के० वार्ष्णेय, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-7-1976	44. जे० एस० रस्तोगी, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-7-1978
26. ए० के० राजपाल, स्थानापश्च प्रबन्धक	1-8-1976	45. श्री० सिंह, स्थानापश्च प्रबन्धक	8-7-1978
27. एस० बालचन्द्रन्, स्थानापश्च प्रबन्धक	—वही—	46. एम० चन्द्रन्, स्थानापश्च उप-प्रबन्धक	1-8-1978
28. एस० एन० हलवर, स्थानापश्च सीनियर श्री० ए० श्री० जी०/प्रो० एफ०	1-10-1976	47. एल० सी० चौधरी, स्थानापश्च उप-प्रबन्धक	1-10-1978
29. एस० जयपाल, स्थानापश्च सीनियर श्री० ए० श्री० जी०/प्रो० एफ०	1-10-1976	48. एस० एच० खान, स्थानापश्च उप-प्रबन्धक	—वही—
		49. श्री० पी० चान्दना स्थानापश्च उप-प्रबन्धक	1-11-1978

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1981
आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 1/2/81—प्रशासन (राज) /4398—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग-1 में स्थानापन्थ रूप से कार्य कर रहे अधिकारी श्री शंकर चन्द्र को अगला आदेश होने तक, 9 जून 1981 के पूर्वाह्न से मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के रूप में स्थानापन्थ रूप से अब रहने के लिए नियुक्त करते हैं।

ए० एस० कौल,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1981

सं० ऐ-12025(1)/9/80—व्यवस्था-II (क) —राष्ट्रपति, श्री राम भहेश गौतम को 21 मई 1981 के पूर्वाह्न से आणांभी आदेशों तक के लिए भारतीय हथकरघा प्रीबोगिकी संस्थान, वाराणसी में वस्त्र रसायन में वरिष्ठ प्रबन्धका के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० शंकर,
प्रतिरिक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय

(श्रीद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
नई विल्ली-110 011, दिनांक 24 जुलाई 1981

सं० 12/363/62—प्रशासन (राजपत्रित) —दादर एवं नागर हवेली प्रशासन के अधीन जिला उद्योग केन्द्र, सिलवासा में प्रतिनियुक्ति से वापस होने पर श्री जे० के० स्याल ने दिनांक 13 जुलाई, 1981 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में सहायक नियंत्रक, ग्रेड-1 (यांत्रिक) पद का कार्यभार संभाल लिया।

सी० सी० राय,
उप नियंत्रक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानियंत्रणालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई विल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1981

सं० प्र० 6/277(376) —उत्तरी नियंत्रण मंडल के अधीन उप नियंत्रक नियंत्रण, कानपुर के कार्यालय में

स्थायी सहायक नियंत्रण अधिकारी (इंजीनियरी) श्री एस० एस० सेठ दिनांक 23-4-1981 के अपराह्न से अनिवार्य रूप से सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिए गए हैं।

पी० डी० सेठ,
उप नियंत्रक (प्रशासन)
कृते महानियंत्रण, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1981

सं० ए०-32013/10/80-प्र० 6—राष्ट्रपति, नियंत्रण नियंत्रक बर्नपुर के कार्यालय में स्थानापन्थ उप नियंत्रक, नियंत्रण (धातु रसायन शाखा) (भारतीय नियंत्रण सेवा, शुपूर ए, धातु-रसायन शाखा के ग्रेड-II) श्री एम० प०० चौधरी को दिनांक 10-6-1981 के पूर्वाह्न में उसी पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री चौधरी दिनांक 10-6-1981 से 2 वर्ष की प्रबन्धि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

पी० डी० सेठ,
उप नियंत्रक (प्रशासन)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक भनचित्रण संगठन

कलकत्ता-700 019, दिनांक 25 जुलाई 1981

सं० 35-2/81 स्था०—श्री सुकुमार मुखर्जी एवं श्री लंगा धर वरिष्ठ अनुसंधान सहायक, राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन में वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर पूर्ण रूपेण अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त किए जाते हैं। उपरोक्त नियुक्तियां अन्य आदेश न मिलने तक 20 जुलाई, 1981, पूर्वाह्न से लागू होंगी।

एस० प०० दासगुप्ता,
नियंत्रक

आकाशवाणी महानियंत्रणालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1981

सं० 10/4/78-एस-तीन—श्री एस० के० तनेजा, सहायक द्वंजीनियर, आकाशवाणी, अहमदाबाद को उनके त्यागपद के परिणामस्वरूप, दिनांक 11-7-1981 (अपराह्न) से, कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

ह० ना० विश्वास,
प्रशासन उपनियंत्रक
कृते महानियंत्रण

नई विल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1981

सं० 6(64)/63-एम-I—निवर्तन आयु प्राप्त होने पर श्री प०० एन० मरीन, कार्यक्रम निष्पादक, रेडियो कश्मीर,

जम्मू 30-6-1981 का अपराह्न से सरकारी भवा में निवृत्त हो गए हैं।

सं० 6/120/63-एम०-1—निवर्तन आयु प्राप्त होने पर श्री ए० बी० कार, कार्यक्रम निष्पादक, आगांश्वाणी, गोहाटी 30 जून, 1981 को अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 25 जुलाई 1981

सं० 7(128)/58-एम०-ए०—निवर्तन का आयु प्राप्त होने पर श्री बी० ए० भट्टाचार्य, कार्यक्रम निष्पादक, आकाश्वाणी, नवनऊ 30 जून, 1981 के अपराह्न से भवा निवृत्त हो गए हैं।

सं० 6(154)/62-एम०-एक—निवर्तन का आयु प्राप्त होने पर श्री बी० गणेश राव, कार्यक्रम निष्पादक, आकाश्वाणी, मद्रास 30 जून, 1981 को अपराह्न से भवा निवृत्त हो गए हैं।

ह० च० जयाल,
प्रशासन उपनिदेशक (कार्यक्रम)
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य भवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1981

सं० ए० 19012/2/80-स्टोर-1—भवा निवर्तन आयु के हो जाने पर सरकारी चिकित्सा सामग्री-भंडार डिपो बम्बई में स्थायक डिपो मैनेजर, श्री पी० ए० पथारे 30 जून, 1981 अपराह्न को सरकारी भवा से रिटायर हो गए हैं।

पिंव दयाल,
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1981

सं० ए० 12026/3/81 (अ० भा०-खा० श्रीर ज० स्वा० सं०) प्रशा०-1—राष्ट्रपति ने भारतीय सांखियकी सेवा के ग्रेड-3 के अधिकारी, श्री के० के० अग्रवाल को अधिक भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जैन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में 30 अग्रैत, 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अस्थाई रूप से सांखियकी के स्थायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 24 जुलाई 1981

सं० ए० 12026/6/78 (के०अ०सं०) प्रशा०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री आर० ए० सरकार को 8 जून, 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में लेखा अधिकारी के पद पर अस्थाई अधिकार पर नियुक्त है।

त्रिलोक चन्द्र जैन,
उप निदेशक प्रशासन (सं० व प०)

ग्रामीण पुर्ननिर्माण मंत्रालय

विभाग एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1981

सं० ए०-19025/8/81-प्र० त०—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री राजाराम विष्णलग्न जीवी को इस निदेशालय के अधीन नागरुर में 2 जून 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न स्थायक विष्णन अधिकार (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-19025/23/81-प्र० त०—श्री वेद प्रकाश जर्मा०, वर्णिठ निरीक्षण को इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में दिनांक 10-7-1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक तदर्थ अधिकार पर स्थानापन्न स्थायक विष्णन अधिकार (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 25 जुलाई 1981

सं० ए०-19025/6/81-प्र० त०—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री रत्नाकर माधव राव देवीकर को इस निदेशालय के अधीन मद्रास में दिनांक 30 जून, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न स्थायक विष्णन अधिकार (वर्ग-II) के रूप में नियुक्त किया गया है।

बी० ए०ल० मनिहार,
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विष्णन सलाहकार

भारतीय बन सर्वेक्षण

देहरादून-248001, दिनांक 24 जुलाई 1981

सं० 4-9/73-प्र० (भा०-III)—वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण, भूटान परियोजना के बन्द होने के फलस्वरूप, श्री जी० ए० ग्रोवर जो कि वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण भूटान परियोजना में प्रशासन अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, को दिनांक 31-5-1981 (अपराह्न) को कार्यमुक्त कर दिया गया है और उनका सेवाएं वित्त मंत्रालय, व्यवस्था विभाग (केंद्रीय एडमिनिस्ट्रेशन अनुभाग) नई दिल्ली की सौंप दा गई है।

ए० बा० चौधरी,
निदेशक

भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 22 मई 1981

सं० डे० 769/स्थापना 11/2288—दस अनुसंधान नेटवर्क के स्थायी स्थायक लेखा अधिकारी तथा स्थानापन्न लेखा अधिकारी-II श्री गोविंद माधव दावेके को स्वैच्छिक रूप से

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1981

पूर्ति एवं पुनर्वास मंत्रालय

सं० ए०—32013/3/79-ई० एस०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित दो अधिकारियों की प्रत्येक के सामने दी गई अवधि के लिए उपनिदेशक/नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की मंजूरी दी है :—

1. श्री टी० सी० आहलन-वालिया दिनांक 20-11-80 से 9-5-81 तक श्री एस० एन० शर्मा की पदोन्नति के कारण खाली हुई रिक्षित के स्थान पर।

2. श्री सी० वी० स्वामी-नाथन (1) दिनांक 27-10-80 से दिनांक 26-11-80 तक श्री एम० एम० चावला, नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण के छुट्टी पर जाने के कारण खाली हुए स्थान पर।

(2) श्री एम० एम० चावला के मुख्यालय में स्थानान्तरण हो जाने पर दिनांक 24-1-81 से 9-5-81 तक तदर्थ नियुक्ति।

सं० ए० 32013/3/79-ई० एस०—इस कार्यालय की दिनांक 11-9-1980 की समसंबंधिक अधिसूचना के अन्में राष्ट्रपति ने सर्वथी एस० रंजन और वी० डी० सेठी की उपनिदेशक/नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 15-5-1981 तक सामान्य शर्तों के आधार पर जारी रखने की मंजूरी प्रदान की है।

दिनांक 22 जुलाई 1981

सं० ए० 38015/3/80-ई० एस०—धेनीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास के कार्यालय के श्री वी० एच० मेनन, प्रशासनिक अधिकारी (समूह “ख” पद) ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31 मई, 1981 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 38015/3/80-ई० एस०—धेनीय निदेशक, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता के कार्यालय के श्री आर० जी० सरकार, प्रशासनिक अधिकारी (समूह “ख” पद) ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने में सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31 मई, 1981 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

जगदीश चन्द्र गर्ग,
सहायक निदेशक प्रशासन

पुनर्वास मिभाग
मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय
पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन

गयपुर, दिनांक 15 जुलाई 1981

सं० पी० एफ०/जी०/59/17601—भारत मरकार, कृषि मंत्रालय के कृषि एवं भव्योग विभाग की नहत, पौधा संरक्षण, कुरैन्टाइन एवं एकत्रीकरण संचालनालय, राष्ट्रीय मार्ग VI फरीदाबाद (हरियाणा) में विदेश सेवा शर्त पर कृषि अभियंता के पद के लिए अपना चयन हो जाने पर, उपरोक्त संचालनालय के परियोजना मंचालक, केन्द्रीय पौधा संरक्षण शिक्षण संस्था राजेन्द्र नगर हैदराबाद में उक्त पद ग्रहण करने के लिए श्री सत्यनारायण पाठक ने सहायक अभियंता यूनिट 11, भूमि उद्धार संगठन, एम० वी० 17, मलकानगिरी, जिला कोरापुट (उड़ीसा) के कार्यालय का कार्यभार दिनांक 30-6-1981 की अपराह्न में त्याग दिया।

ब० प्र० सम्प्रेसना,
प्रशासन अधिकारी

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी ला० बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और “राम मोहन फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड” के विषय में :—

पांडिचेरी, दिनांक 23 जुलाई 1981

सं० 95/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर “राम मोहन फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड” का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बी० कोटेस्वर राव;
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
पांडिचेरी

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैमर्स प्राईमा ट्ल्स पृ० ४
डाइज़ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1981

सं० 560/1299—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि, मैसर्स प्राइमा ट्रस्स एंड डाइज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

वी० वाई० गों
सहायक प्रमंडल पंजीयक,
गुजरात राज्य, अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम 1956 और मीना फाइनेन्स एंड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 25 जुलाई 1981

सं० जी०/११/स्टेट०/५६०/२८०१/३०२३—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मीना फाइनेन्स एंड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जिदल ड्रग एंड कैमिकल्स प्रा० लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 25 जुलाई 1981

सं० जी०/स्टेट०/५६०/३६५९/३०२०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जिदल ड्रग एंड कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित हो जाएगी।

एन० एन० मौलिक,
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बसन्त टी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई 1981

सं० 7455/10334—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बसन्त टी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

जी० बी० सक्सेना,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1981

आयकर

सं० सी० शाई० टी०-६/ज्यूरि/१९८१-८२/६८९३—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 का उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा अधिसूचना सं० फा० नं० ज्यूरि/दिल्ली/६/७८-७९/५०४७ दिनांक ८-५-१९८० में प्रांशिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-६, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे वी गई अनुसूची के कालम 2 में उल्लिखित आयकर अधिकारियों का इसी अनुसूची के कालम 3 में निर्विष्ट आयकर अधिकारियों के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों अथवा व्यक्तियों के बगैं, आय अथवा आय के बगैं अथवा मामलों अथवा मामलों के बगैं के संबंध में समर्थी अधिकार क्षेत्र होगा। किन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो आयकर अधिनियम 1961 की धारा 127 के अंतर्गत सौंपे गए हों अथवा जो इसके बाद सौंपे जाएं।

कार्य निष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयुक्त दिल्ली-६ आयकर अधिनियम 1961 की 124 की उपधारा (2) में अपेक्षित आदेशों को पास करते के लिए निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, सर्वे रेज को भी प्राधिकृत करते हैं।

अनुसूची

क्र० आयकर अधिकारी का सं० पदनाम	आयकर अधिकारियों के साथ संगामी क्षेत्राधिकार
1. आयकर अधिकारी, सर्वे वाई० १(१), नई दिल्ली	आयकर अधिकारी, सर्वे वाई० १(४) नई दिल्ली
2. आयकर अधिकारी, ट्रस्ट संकिल-१, नई दिल्ली	आयकर अधिकारी, सर्वे वाई० १(५) नई दिल्ली
3. आयकर अधिकारी, ट्रस्ट संकिल १ और ३, नई दिल्ली	आयकर अधिकारी, सर्वे वाई० १(५) नई दिल्ली
4. आयकर अधिकारी, ट्रस्ट संकिल ४, नई दिल्ली	आयकर अधिकारी, सर्वे वाई० १(५) नई दिल्ली
5. आयकर अधिकारी, ट्रस्ट संकिल ५, नई दिल्ली	आयकर अधिकारी, सर्वे वाई० १(५), नई दिल्ली

यह अधिसूचना दिनांक १५-७-८१ से लागू होगी।

फा० सं० ज्यूरि/दिल्ली-६/८१-८२/६९७९—आयकर अधिनियम 1961 की धारा 123 (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर जारी की गई पूर्ववर्ती अधिसूचना में प्रांशिक समोधन करते हुए आयकर

आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली यह निदेश देते हैं कि निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त सर्वे रेंज को किसी भी क्षेत्र या व्यक्तियों अथवा व्यक्तियों के वर्गों अथवा आय अथवा आय के वर्गों अथवा मामलों या मामलों के वर्गों के संबंध में प्रवत्त या सौंपी गई किसी एक या सभी शक्तियों या कार्यों का प्रयोग या निष्पादन निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-6 ए, नई दिल्ली द्वारा समवर्ती रूप से किया जायेगा।

2. कार्यों के निष्पादन को सरल बनाने के उद्देश्य से आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 123 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-6, नई दिल्ली यह निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी सर्वे वार्ड 1 (5), नई दिल्ली के क्षेत्राधिकार में आने वाले किसी भी क्षेत्र या व्यक्तियों अथवा व्यक्तियों के वर्गों अथवा आय या आय के वर्गों अथवा मामलों या मामलों के वर्गों तथा प्रांग्रेजी अधिकार एल से लेकर जेड (जिसमें ये दोनों वर्ग भी सम्मिलित हैं) तक जिनके नाम का प्रथमाधिकार प्रारंभ होता है एवं जिनमें 31-3-1981 तक अथवा उससे पूर्व किसी भी कर निर्धारण वर्ष हेतु आय विवरणी प्राप्त हुई है और/अथवा 31-3-1981 से पूर्व आयकर अधिनियम 1961 की धारा 139(2)/148 के अन्तर्गत एक अथवा एक से अधिक वर्षों के लिए नोटिस आरी किया गया हो इत्यादि मामलों में निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-6 ए, उन सभी दायित्वों को पूरा करेंगे जो निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त सर्वे रेंज द्वारा किए जा रहे थे।

3. यह अधिसूचना दिनांक 15-7-1981 से लागू होगी।

चौ० एन० चौधरी,
आयकर आयुक्त दिल्ली-6,

कार्यालय, आयकर आयुक्त 'दिल्ली-1
नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1981

फा० सं० जुरि/दिल्ली 1/81-82/7341—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 125 ए की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस विषय पर जारी की गई पूर्ववर्ती अधिसूचनाओं में आंशिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, निदेश देते हैं कि अनुबंध "क" में दिए गए किसी भी मामले के संबंध में आयकर अधिकारी कंपनी सर्किल-16, नई दिल्ली को प्रदत्त या सौंपी गई सभी या किसी भी शक्ति या कार्य का प्रयोग अथवा निष्पादन निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-II (निर्धारण) नई दिल्ली द्वारा समवर्ती रूप से किया जाएगा।

2. कार्य निष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयुक्त दिल्ली-1 आयकर अधिनियम 1961 की धारा 125 "ए" की उपधारा II में अवैधित आदेशों को पास करने के लिए निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-II नई दिल्ली को भी प्राप्तिकृत करते हैं।

3. यह अधिसूचना 15-7-1981 से लागू होगी।

एन० एस० राष्ट्रवन
आयकर आयुक्त दिल्ली-

प्रूल्प आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री राजीव कमार गुप्त

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना(2) दि वाराणसी उप निवेशन आवास एवं निमणि
सहकारी समितिलि० सचिव श्री रामानुज उपाध्याय
(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) उपरोक्त विक्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रहणमें सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जुलाई, 1981

सं० जी० आई० आर० टी०-२८—अतः मुझे, अमर सिंह,
विसेन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि चार एकड़ है तथा जो तुलसीपुर
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी प्राधिकारी के कार्यालय
वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 14 नवम्बर, 1980।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याद्विधा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक खुली भूमि क्षेत्रफल चार एकड़ स्थित : तुलसीपुर
वाराणसी व वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलड्डी तथा फार्म
37-जी संख्या 12038/581 में वर्णित है जिनका पंजीकरण
मध्य रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 14-11-
1980 को किया जा चुका है।अमर सिंह विसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 10-7-1981

मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.ए.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-प (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (प्रिवेट)
 अर्जन रेज, लखनऊ
 लखनऊ, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० जी० आई० आर० के०-१०१/अर्जन—अतः मंज्जे, अमर
 सिंह विसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पदचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी लं० एक मकान है तथा जो मो० पुरादिलपुर
 गोरखपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
 गोरखपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
 एन्ड्रू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक
 रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की वाला, उक्त
 अधिनियम के अधीन कटू बने के बलाक के
 बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 है लिए आड़िया

(ख) एसी किसी भाग या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 शुद्धिभावी निए।

लक्ष्य बदल, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के, अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभाषा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पण:—

- (1) श्री विश्वनाथ प्रसाद
- (2) राजकुमार
- (3) श्री विजय कुमार
- (4) श्री अजय कुमार
- (5) श्री कृष्ण मुरारी लाल
- (6) पदम प्रकाश नागलिंगपुर श्रीकृष्ण मुरारीलाल
- (7) दारिकादास
- (8) श्रीमती कमलादेवी

(अन्तरक)

- (1) श्री कृष्ण बिहारी लाल
- (2) श्री सुरेश कुमार
- (3) रमन कुमार
- (4) जय प्रकाश नारायण सिंह
- (5) नगेन्द्र प्रताप सिंह
- (6) श्रीमती इन्दु देवी

(अन्तरिती)

- (3) उपरोक्त क्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए
 कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
 मद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

अनुच्छेदी

एक मकान मय भवन व भूमि इत्यादि स्थित मोहल्ला-
 पुरादिल पुर गोरखपुर तथा वह सकृपूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड
 और फार्म 37-जो संख्या 8803/5/81 में वर्णित है जिनको
 पंजीकरण सम्बन्धित गोरखपुर के कार्यालय में दिनांक
 नवम्बर 1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह विसेन,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयकर (निरोक्त),
 अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक: 10-7-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं. आई० आर० के०-१०२, अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान है तथा जो मोहल्ला पुरदिलपुर
गोरखपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गोरखपुर में रजिस्ट्रेकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1980

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

(1) श्री अरुण प्रकाश, उदय प्रकाश, जोती प्रकाश, अनन्त-
प्रकाश और श्रीमती श्यामबती

(अन्तरक)

- (2) 1. कृष्ण बिहारी लाल
2. सुरेश कुमार
3. रमन कुमार
4. जय प्रकाश नरायण
5. नरेन्द्र प्रताप सिंह
6. श्रीमती इन्दु देवी

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त क्षेत्रागण

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की वधिया, जो भी
वधिया बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभरित है, वही
बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मदूरस्ती

एक मकान मय जमीन, सहन आदि स्थित मोहल्ला—
पुरदिलपुर गोरखपुर वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडिड और
फार्म 37-जो संख्या 8804 में वर्णित है जिनका पंजीकरण
सब-रजिस्ट्रार गोरखपुर के कार्यालय में दिनांक नवम्बर
1980 को किया जा चुका है (आयकर निरीक्षक की रिपोर्ट
दिनांक 9-7-1981 के अनुसार)

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

दिनांक: 10-7-1981

मोहर :

प्रधान आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ दिनांक 13 जुलाई 1981

सं० जी० आई० आर० एन०-३३/अर्जन—अतः मुझे, अमर
सिंह विसेन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के
अधीन सकाम प्राधिकारी को वह विवाद करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक हैऔर जिसकी सं० 933/1068 है तथा जो पुराना कटरा,
इलाहाबाद में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5 दिसम्बर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकूल के लिए प्रत्यारूप नहीं है और मुझे वह विवाद करने का
कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे इशारान अंतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्ननिचित डैश्य के उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अंतरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
प्राधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में छोड़ करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, प्रौर/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अंतियों
को जिस भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन
कर प्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (11)
के अन्तर्गत निम्नलिखित अंतियों, अंतरि ८—

(1) श्रीमती शांति देवी

(अन्तरक)

(2) निम्न एवं मध्यम वर्गीय सहकारी आवास समिति
मालवीयनगर इलाहाबाद द्वारा सचिव, श्री श्याम
लाल।

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती शांति देवी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के निप
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रबंधिता तथा संबंधित व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रबंधिता, जो भी प्रबंधित व्यक्ति में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा; या(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रथम अंतरण के द्वारा प्रधोष्टस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्याय 20-ए में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

ग्रन्तीकारी

मकान नं० 933/1068, स्थिम मोहल्ला पुराना कटरा
इलाहाबाद व वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेल-डीड और फार्म
37-जो संख्या 6039 में वर्णित है जिनका पजीकरण (37
जो फार्म के अनुसार) सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय
में 5-12-1980 को किया जा चुका है।अमर सिंह विसेन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक: 13-7-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०

(1) डॉ रवीन्द्र नाथ वर्मा, गिरधारी लाल ।

(अन्तरक)

(2) 1. पारे लाल

2. धीरज लाल

3. धनपतलाल

(अन्तरित)

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जुलाई 1981

सं० जी० आई० आर० पी०-८६/अर्जन—अतः मुझे, अमर मिह
विसेन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दृष्टके प्रश्नात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० डी०-४७/१७४-ए है तथा जो लक्ष्मारोड़,
रामापुरा वाराणसी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 4 नवम्बर, 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दृश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया था है :—(म) अन्तरण है तुझे किसी आय की वावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा हो लिए;
नीहा/वा(म) ऐसी किसी आय या किसी भन मा अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित प्रवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था। इनमें भी वायित्य
के लिए;बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्त्रमें कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यावक्त व्यावारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यावारा अधोहस्ताकरी के पाय लिखित में किए जा सकें।

स्थानोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-के में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रानुसूची

दो मंजिला मकान नं० डी०-४७/१७४-ए का भाग
ओवरफल 291.80 वर्गमीटर स्थित लक्ष्मा रोड रामापुरा
वाराणसी तथा वह सम्पत्ति जो सेलझीड और फार्म 37 जो
मंड्या 10526 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार
वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 4-11-1980 को किया
जा चुका है।

अमर मिह विसेन,
सक्रम प्राधिकरी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 13-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जुलाई, 1981

सं० आई० आर० एच०-39/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह
बिसेन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० निल है तथा जो मोहल्ला मोहददोपुर
शहर गोरखपुर, में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नर्स अधिकारी के
कार्यालय गोरखपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 17 नवम्बर, 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
भूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
अस्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कौथत नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट या लिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पटेश्वरी प्रमाद गुप्ता

(अन्तरक)

(2) श्री हरीश कुमार सिंह, जीनेन्द्र वहासुर सिंह

(अन्तरिती)

(3) श्रो पटेश्वरी प्रमाद गुप्ता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।लक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान पोखरा एक मंजिला मय जमीन वाले
मोहल्ला मोहददोपुर-शहर गोरखपुर व वह सम्पूर्ण सम्पत्ति
जो सेल होड और कार्म 37 जो संख्या 7504 में वर्णित है
जिसका वंजीकरण सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में दिनांक 17-11-
1980 को गोरखपुर में किया जा चुका है।अमर सिंह बिसेन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 10-7-1981

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एच० एस०---

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० डी० एच० आर०/11/80-81—अस: मुझे,
सुखदेव चन्द,आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 10 कनाल 9 मरले गांव
बेनडा तह० धुरी. में स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के
कार्यालय, धुरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1980।को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृदृ किसी आद की बाबत उक्त अन्तरित
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आद या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;अस: अ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

3—196GI/81

(1) श्री रामेश्वन्द्र सिंह सुपुत्र श्री जोगिन्द्र मिह, निवासी
अमरगढ़ खवत बेनडा साध्यम श्री गुरद्वारा सिंह
मुकुत श्री दसौंधा मिह निवासी शेरवानी कोट।

(अन्तरक)

(2) श्री नसीब चन्द सुपुत्र श्री बाबू राम, सदर बाजार,
नजदीक रवा टैक्सटाइल धुरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यदातियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेह भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के
फास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 10 कनाल 9 मरले गांव बेनडा तहसील
धुरी में स्थित है। (जमीदाद जो रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी धुरी
के कार्यालय के उल्लेख सं० 3513 नवम्बर, 1980 में दर्ज
है)।सुखदेव चन्द,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15-7-1981

मोहर:

प्रकृष्ट आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1981

निवेश सं० ३० डॉ० एच० आर०/१२/८०-८१/—मत: मृझे,
सुखदेव अन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो भूमि खतफल 10
कनाल 8 मरले, गांव बेनड़ा, तहसील धुरी में स्थित है (और
इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, धुरी में, रजिस्ट्रीकर
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर,
1980

को पूर्णत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विवास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के बन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित दृवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् 1—

(1) श्री रामेश्वीन्द्र सिंह सुनुल सं० जोगिन्द्र सिंह निवार्स
गांव अमरगढ़ खेतदार बेनड़ा मार्कंत स्पेशल
ट्रायोरनी श्री गुरवण्ण सिंह सुनुल श्री दसीद्या सिंह,
गांव शेरवानी कोटा।

(अन्तरक)

(2) श्री सोमनाथ सुनुल श्री कस्तुरी चन्द्र मार्कंत मैं०
कस्तुरी चन्द्र सीमनाथ सीमेट स्टाकिस्ट, हास्पीटल
रोड़, सैकिडा गरेन मार्कंठ, मानसा, जिला भटिडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ० भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मृझे

भूमि खतफल 10 कनाल 8 मरले गांव बेनड़ा तहसील
धुरी में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
धुरी के उल्लेख सं० 3514 नवम्बर, 1980 में वर्ज है)।

सुखदेव अन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लूधियाना

दिनांक: 15-7-1981

मोहर:

क्रप बाई० टी० एन० एस०—

व्यायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की बारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक व्यायकर व्यायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० ३० डी० एच० आर०/१४/८०-८१—प्रतः मुझे,
सुखदेव चन्द्र,

व्यायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो भूमि क्षेत्रफल 20 कनाल 15 मरले, गांव बैनड़ा तहसील धुरी जिला संगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्सी अधिकारी के कार्यालय, धुरी में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, दिसम्बर, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के पश्चात उक्त वायिष्य में कमी करने या उससे उच्चने में सुधिका के लिए; घोटाला

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिसमें मैं सूचिता के लिए;

बतः यदि, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ८—

(1) श्री हरिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री नरिन्द्र सिंह, निवासी गांव धमरगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री मुमाल चन्द्र सुपुत्र श्री प्यारे लाल मार्फत मैं बाबू राम प्यारे लाल, गरेत मार्किट नजदीक पुलिस स्टेशन धुरी। श्री नसोब चन्द्र सिंगला सुपुत्र श्री बाबू राम, सदुर बाजार नजदीक रवी टैक्सिटाइल, धुरी।

(प्रन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रबंधन के कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस प्रवदा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

प्रकृत्या

भूमि क्षेत्रफल 20 कनाल 15 मरले गांव बैनड़ा तहसील धुरी में स्थित है। (आवाद जो कि रजिस्ट्रोकर्सी अधिकारी धुरी के कार्यालय के उल्लेख सं० 3656, दिसम्बर 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र,
सकाम प्राधिकारी;
सहायक व्यायकर व्यायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15-7-1981

मोहरः

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० डी० एच० आर०/14/80-81/—अतः मुझे
सुखदेव चन्द,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जमका सं० है तथा जो भूमि क्षेत्रफल 20
कनाल 18 मरले, गांव बेनड़ा तहसील धुरा, जिला संग्रहर
में स्थित है (और इसे उपावद अनुसूचा में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, धुरा में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिसम्बर, 1980 ।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
स्पृष्टि से कठित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से है किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन निम्नसिद्धि व्यक्तियों प्रभावितः—(1) श्री गुरबस्था सिंह सुपुत्र श्री वसीष्ठा सिंह माध्यम
जनरल अटोरनो श्री रमेश इन्वर सिंह सुपुत्र श्री
जोगिन्दर सिंह निवासी अमरगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री नवीन चन्द सुपुत्र श्री बाबू राम सदर बाजार
नजदीक रावी टैक्स टाइल धुरी, श्री सोम नाथ सुपुत्र
श्री कस्तुर चन्द माफेंत मै० कस्तुर चन्द सोमनाथ,
सीमेन्ट स्टाकिस्ट होस्टिल रोड, सैकिंड गरेन
मार्केट बाजार जिला भटिडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आशेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तहसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं,
वही वर्त होगा, जो उस अध्याय में विया गया
है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 20 कनाल 18 मरले गांव बेनड़ा तहसील
धुरी में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
धुरी के कार्यालय के उल्लेख सं० 3859, दिसम्बर, 1980 में
दर्ज है) ।सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक: 15-7-1981

मोहर:

प्रूप आइ०.टी०.एन०.एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० धूरी/15/80-81/—यतः मुझे, सुखदेव चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० है तथा जो भूमि क्षेत्रफल 20
कनाल 18 मरले गांव बेनड़ा तहसील धूरी, डिला पटियाला
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय, धूरी में,
रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर, 1980।

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके अधिमान प्रतिफल से, एसे अधिमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्त्रियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्क० कर्नल जोगिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री नरमीनद्र सिंह
निवासी अमरगढ़ माध्यम जनरल पावर आफ प्रटोरना
श्री हरिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री नरपान्द्र सिंह।

(प्रन्तरक)

(2) श्री नसीब चन्द्र सिंगला सुपुत्र श्री बाबू राम सदर
बाजार नजदीक रवी टैक्सटाइल धुरी।
श्री सुभाष चन्द्र सुपुत्र श्री प्यारे लाल मार्केट मै०
बाबू राम प्यारे लाल, गरेन मार्केट, नजदीक मुलिस
स्टेशन, धुरी।

(प्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 20 कनाल 18 मरले गांव बेनड़ा तहसील धुरी
में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार धूरी के
कार्यालय के उल्लेख सं० 3476 नवम्बर 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सुविधाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1981

निर्देश सं० ए० एम० एल०/९८/८०-८१/—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सभी प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो भूमि क्षेत्रफल 10 कनाल 14
मरले गांव मुगल माजरा, एस० तहसील अमलोह जिला पटियाला में
स्थित है (और इससे उपावच्च अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
नवम्बर 1980

पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बोच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण सहुद्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्र
में कभी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः आद, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के पूर्वावण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा(1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी, अधीकृत:—

(1) श्री मोहिनी सिंह सुपुत्र श्री कपूर सिंह, निवासी
गांव मुगल माजरा एस० तहसील अमलोह, जिला
पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मै० विवेक स्टील इंडस्ट्रीज, गोविंदगढ़ माध्यम
श्री मनोहर लाल, पार्टनर।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यालयियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त व्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलूक्ताकारी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमिक्षेत्र 10 कनाल 14 मरले गांव मुगल माजरा,
एस० तहसील अमलोह जिला पटियाला में स्थित है।
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के
कार्यालय के उल्लेख सं० 1625 नवम्बर, 1980 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द्र,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, सुविधाना

दिनांक: 15-7-1981

मोहर:

मुख्य नाइ. टॉ. एन. एस. ——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-म] (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1981

निर्देश सं० के० एच० आर०/29/80-81—अतः मुझे,
मुख्यवेद चन्द्र,प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-म
के अधीन सकाम प्राविकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो फैक्टरी बिल्डिंग का
भूमिक्षेत्रफल 17 कमाल 5 मरले गांव छज्जू माजरा, तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
खरड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, नवम्बर, 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृश्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक] (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से दुर्ई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय जो किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को छिन्ने भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिन्नने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-म के बनस्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षि- ३—(1) मैं गुरु नानक राहस एं जनरल मिल्स, छज्जू
माजरा, तहसील खरड़, जिला रोपड़।

(अन्तरक)

(2) मैं महालक्ष्मी राहस फैक्टरी, छज्जू माजरा, तहसील
खरड़, जिला रोपड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्व व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

फैक्टरी बिल्डिंग का भूमि क्षेत्रफल 17 कमाल 5 मरले,
छज्जू माजरा, तहसील खरड़, जिला रोपड़ में स्थित है ।(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के कार्या-
लय के उल्लेख सं० 39 नवम्बर, 1980 में दर्ज है)।सुखवेद चन्द्र,
सकाम प्राविकारी,
सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण),
प्रर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी टॉलॉनॉ एवं प्रत्येक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1981

निर्देश सं० के० एव० आर०/३०/८०-८१—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
को धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 145, फेज-1 है तथा जो मोहाली,
जिला रोपड़ में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, नवम्बर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अस्वरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्वरण के लिये उच्च वाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया यथा वा या किया
जान चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की संपादना (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति ।—

(1) श्री गुरवरण सिंह सुपुत्र श्री जयमल सिंह, निवासी
मकान नं० 127, फेज-1, एस० ए० एस० नगर, जिला
रोपड़, स्पैशल अटोरनी होल्डर आफ श्री जीवा
सिंह सुपुत्र श्री मोती सिंह, निवासी एफ० सी०
एफ० नं० 18, सेक्टर 21-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरमीत कौर पत्नी श्री सरमुख सिंह,
निवासी गांव राकोली, तहसील खरड़ नाऊ ऐ०
मकान नं० 2459, सेक्टर 19-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन
के लिए कार्यालयों बताता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवास बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

मनुसूची

मकान नं० 145, फेज-1, मोहाली, जिला रोपड़ में स्थित
है। (आयवाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के कार्यालय
के उल्लेख सं० 4067 नवम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई० ई० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जलाई 1981

निर्देश सं० चण्डी०/274/80-81/—अतः मन्त्री, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, ये विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिवाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी म० प्लाट नं० 136, है तथा जो सेक्टर 35-ए
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और सूत्रे पहुँच विश्वास करने का
कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तिवाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फूटहूँ प्रतिशत से
अधिक है और प्रस्ताव (प्रन्तरांकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्तर से उक्त प्रस्ताव विविध में वास्तविक हूँ से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उम्मे बचन में यविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रमतरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना माफिल था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

4—I96GT/81

(1) मेजर महल सिंह चीमा मुपुल श्री आत्मा सिंह
चीमा मार्फत मेजर जी० ईम० चीमा 75, मिडियम
रेजिमेंट मार्फत 56 ए० पी० ओ० चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) डा० उग्रेसेन बंसन मुपुल बचना राम, डा० (मिट्टा)
विमला बंसन पत्नी डा० य० एस० बंसल, निवासी
एस० सी० ओ० 72, सेक्टर-35 डी०, चण्डीगढ़।
(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त प्राच्छों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 136, सेक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है।
(जापदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय के उल्लेख सं० 1620 नवम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लघियाना

लघियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1981

निर्देश सं० चण्डी०/23/81-82/—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० सी० ओ० नं० 317-318 है तथा जो
सैक्टर 35-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अन्तसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उत्तरवेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) स/श्री रमेश कुमार, भारत भूषण एंड कपल देव,
निवासी 145, सेक्टर 16ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) स/श्री यदवीन्द्र पाल सिंह गिल, वरीन्द्र सिंह गिल, दलीप
सिंह, श्रीमती हरपरीत कौर, गुरचरन कौर, जनक
कौर, आल माल्यम अटोरनी स० करनैल सिंह गिल
निवासी 749, ललाक, 22, दशमेश नगर, गिल रोड
लुधियाना।

(अन्तरिती)

क्वां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० 317-318, सैक्टर 35-बी, चण्डीगढ़
में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय के उत्तेक सं० 173 अप्रैल, 1981 में दर्ज है)।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

मुख्य चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लघियाना

दिनांक: 15-7-1981

मोहर:

प्रकाप वाई० दी० एम० एड०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० चण्डी०/333/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी भारा 269व के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3141, है तथा जो सैक्टर 21-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल हे लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाके में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की भारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवात :—

(1) श्री कुलदीप सिंह गंगावाला सुपुत्र श्री कर्म सिंह, निवासी मकान नं० 3141/सैक्टर 21-डी, चण्डीगढ़ ।

(प्रन्तरक)

(2) कर्नल अमृतपाल सिंह गरेवाल एंड मेजर गजिन्द्र पाल गरेवाल भाष्यम उनके पिता श्री पृथ पाल सिंह, निवासी शेरपुर, खुरद, जिला लुधियाना ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जाये करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अंतर्के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्के संबंध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एवं उक्त अन्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3141/सैक्टर 21-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है । (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के उल्लेख सं० 1886, फरवरी, 1981 में वर्ज है) ।

सुखदेव चन्द्र,
सकाम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रकृष्ट शाई-टी-एन-एस-—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1981

निर्देश सं. चण्डीगढ़/272/80-81—ग्रत: मुझे, सुखदेव
चन्द,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को उक्त विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. है तथा जो प्लाट नं. 1140 सैक्टर 34-
सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, नवम्बर, 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया म, एम् दृश्यमान
प्रतिक्रिया के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष
(प्रत्यक्ष) पांच प्रस्तुरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए कथा पाया यथा प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिक्रिया निश्चित में वास्तविक काप से कथित
नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(छ) ऐसी किसी आय या किसी बन या कानूनास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) श्री टी० एन० शर्मा सुपुत्र सर्व० श्री चन्दू लाल शर्मा,
सैट्रेज बेस, पोस्ट आफिस मार्फत 56 ए० फी०
ओ०

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एन० गोयल सुपुत्र श्री शिवजी राम,
मि० शांति देवी गोयल पत्नी श्री आर० एल०
गोयल एंड मि० भगवन्ती पत्नी श्री शिवजी राम
निवासी 1226 सैक्टर 19-बी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरेषी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हासा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
द्वितीय किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी
के पास लिखित में लिये जा सकेंगेस्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम' के प्रत्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रत्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 1140, सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है।
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय के उल्लेख सं. 1591 नवम्बर, 1980 में दर्ज
है)।सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15-7-1981

मोहर:

प्रूफ आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जलाई 1981

निदश सं० नं० ८०/२६७/८०-८१—अतः ममे, सुखदेव चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 679 है तथा जो सैक्टर 11-बी,
चण्डीगढ़ में स्थित है और इससे उपावद्ध अनचंची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सवित्री देवी पत्नी आर्या मन्नी वर्मा निवासी
679, सैक्टर 11-बी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीन्द्र सिंह चौपड़ा सुपुत्र श्री देवीन्द्र सिंह
एंड श्रीमती पुखराज चौपड़ा पत्नी श्री सतीन्द्र
सिंह चौपड़ा निवासी मकान नं० 679, सैक्टर
11-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20- में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 679, सैक्टर 11-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय वे: उल्लेख सं० 1576 नवम्बर, 1980 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द्र,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15-7-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियोजन)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जूलाई, 1981

निर्देश सं० चण्डीगढ़/278/80-81/—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पृष्ठात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी कर्ते यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमिक्षेत्रफल 21 कलाल 15 मरले, है तथा
जो गांव लुडा अली शेर, य० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर,
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाधिक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का
पञ्चव प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरवेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हूँ दिली आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भाड़ीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था जिनमें
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तियों अनुसार ।

(1) श्री शिवराम सुपुत्र श्री नवीना सिंह, गांव लुडा
अली शेर, य० टी० चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री जोहन माही सपुत्र श्री नथानीयल माही, निवासी
मकान नं० 1582-सैक्टर 34 डी०, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

करो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैश्य के लिए
कार्यवाहियां करसा हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित रूप में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

लुडा

भूमि 21 कलाल 15 मरले गांव लुडा अली शेर, य०
टी० चण्डीगढ़ में स्थित है ।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के
उल्लेख सं० 1636 नवम्बर 1980 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द्र,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (नियोजन),
प्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-7-1981

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० चण्डी०/269/80-81/—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अधीन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि उपायकर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 253 है तथा जो सैक्टर 35-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1980

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपायकर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिभूत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कर्तित बही किया गया है।—

(क) अन्तरण से बहुत किसी व्याय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार्र केने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तातः—

(1) श्री सतनाम सुपुत्र श्री किशन सिंह निवासी खालसा कालेज अमृतसर माध्यम स्कैल पावर आफ अटोरनी श्रीमती बलदीर कौर सुपुत्री श्री जान सिंह गांव व डा० कालागरांपुर तहसील व जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री बरिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री विक्रम सिंह निवासी 253 सैक्टर 35-ए चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस पूर्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

]स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 253, सैक्टर 35-ए चण्डीगढ़ में स्थित है।
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के उल्लेख सं० 1583 नवम्बर, 1980 में दर्ज है)।सुखदेव चन्द्र,
सकार प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15-7-1981

मोहरः

प्रूरुण आइ० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० एम० एल०/102/80-81/—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 9 कनाल 3 मरले, गांव
मुगल ए० तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है
(और इससे उपादान अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर, 1980

के पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ दृष्टि किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृण्ण था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अर्जीत सिंह मुपुत्र श्री कपूर सिंह, निवासी गांव
मुगल माजरा पौ० आ० मंडी गोविन्दगढ़, एम०
तहसील अमलोह जिला पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मै० पवन स्टील कार्पौ० मंडी गोविन्दगढ़ माध्यम
श्री राजा राम, पार्टनर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध या अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित भूमि से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 9 कनाल 3 मरले गांव मुगल माजरा, एस० तह०
अमलोह जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के
कार्यालय के उल्लेख सं० 1845 दिसम्बर, 1980 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द्र,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रख्य आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जलाई 1981

निर्देश सं० अमलोह/101/80-81/—अतः सुमे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 10 कनाल 10 मरले
गांव मुगल माजरा, एस० तहसील अमलोह, जिला पटियाला
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक नवम्बर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्ह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की सुधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अकात्म :—

5—196GI/81

(1) श्री इंजीत सिंह सुपुत्र श्री कपूर सिंह, निवासी गांव
मुगल माजरा पो० श्र० मंडी गोविन्दगढ़, एस०
तहसील अमलोह जिला पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मैं पवन स्टील कार्पोरेशन, मंडी गोविन्दगढ़
माध्यम श्री राजा राम पार्टनर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

भूमि 10 कनाल 10 मरले मुगल माजरा, एस० तहसील
अमलोह जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के
कार्यालय के उल्लेख सं० 1738 नवम्बर, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द,
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना,

दिनांक: 15-7-1981

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सुधियाना

सुधियाना, दिनांक 15 जलाई 1981

निर्देश सं० चण्डी०/280/80-81—आय: भुग्ते, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 20, सैक्टर 10-ए०

चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्यु यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्षमान प्रतिफल से, ऐसे इक्षमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वाचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अन्तराण में, मृत्यु, उक्त अधिनियम की भारा 296-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मरिन्द्र सिंह अटारी सुपुत्र श्री शाम शेर सिंह अटारी निवासी, यू० एस० ए० माध्यम अटोरेल श्री शामशेर सिंह अटारी निवासी 1188 सैक्टर, 7, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री शान चन्द गर्ग एडवोकेट सुपुत्र श्री रोशन लाल, निवासी मकान नं० 20 सैक्टर 10-ए० चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाकी में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बवधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 20 सैक्टर 10-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़, के कार्यालय के उल्लेख सं० 1646 नवम्बर, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, सुधियाना।

दिनांक: 15-7-1981

मोहर:

प्रृष्ठप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० चण्डी०/२८१/८०-८१—अतः मन्त्रे, सुखदेव चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 218 है तथा जो सैक्टर 33-ए,
चण्डीगढ़ में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर दीने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें
सुविधा के लिए;

अतः जब, सक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित:—

(1) मेजर द्वारका माथ शर्मा सुपुत्र पंडित विन्दरा बन माल्यम
उसके प्रटोरनी भिस्ट्री स प्रासामदीप कीर पत्नी श्री सोहन
सिंह, गांव मयोड़ा कला, जिला जालन्धर।
(अन्तरक)

(2) श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री जीवन सिंह 236, सैक्टर
18-ए चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मुख्यदेव चन्द्र,

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयक्त (निरीक्षण),
प्रार्जन रेज, लुधियाना

दिनांक: 15-7-1981

नोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1981निर्देश सं० चण्डी०/290/80-81—अस: मझे, सुखदेव चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 119 (पुराना नं० 28) है तथा जो
सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है और इससे उपावन्द
अनुच्छेद में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980का पूर्णका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिपत्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्त) और अन्तरिरती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कर्ता निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसार
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 1—(1) श्रीमती सुरिन्द्र अमरीक सिंह पत्नी स्व० जन०
अमरीक सिंह, मकान नं० ए-109, न्यू फैरफैज़,
कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री गोपाल कृष्ण पुरी सपुत्र श्री देवी दयाल पुरी,
2. श्रीमती संतोष पुरी पत्नी श्री गोपाल कृष्ण पुरी,
3. मास्टर संदीप पुरी सपुत्र एस० जी० के० पुरी,
आल निवासी आफ हाऊस नं० 18-ए, निहाल बाग,
पटियाला ।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेड़ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर,
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 119 (पुराना नं० 28) सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़
में स्थित है ।— (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय के उल्लेख सं० 1696 दिसम्बर, 1980 में दर्ज
है) ।सुखदेव चन्द्र,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-7-1981

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० डी० एच० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर०ए० सी० नं० 111/81-82—यतः मझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उपचार॑ 'उन्नत अधिनियम कहा गया है), को बारा 269-ख के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० घर नं० 10/35, 36, 37 है जो सौभाग्य-नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, नवम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण से उपावद्ध अनुसूची में प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह दिवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय याता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम को बारा 269-ष के अनुदरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-ष के उचित बारा (1) के अधीन निर्णय के व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री नरसिंग राम पिता गौरी राम 15-6-465 बैगम बाजार, हैदराबाद ।
(अन्तरक)

(2) श्री मति पाटसी देवी पति नरसिंग, 15-6-465, बैगम बाजार, हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यालयिता करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के मंदिर में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की, तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इतिवाद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रदोहस्नाक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वाचिक विवर के अध्याय १०-८ में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय ३ द्विया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 10/35, 10/36 और 10/37, सौभाग्य नगर, कालोनी, आई० डी० पी० एल० कालोनी, नरसापूर रोड, हैदराबाद के सामने 1 विस्तीर्ण 1516 चौ० फूट । रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11785/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-7-1981
मोहरः

प्रस्तु आइ० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकार (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जलाई 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 112/81-82—यतः मझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्री जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो मारेडपली गांव सिकंदरा
बाद में स्थित है (श्री इससे उपायुक्त अनचंची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से की थी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री माचरला जयहिन्द पिता लेट माचरला भुज्या
2. माचरला पोड़ पिता वसेही पूर्व मारेड पल्ली,
सिकंदराबाद कोन्टेनमेन्ट।

(अन्तरक)

(2) दि रवी को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०
टी० ए० बी० 22, 1974, 1-5-559/1 बाकाराम
रोड, हैदराबाद-20। अध्यक्ष श्री के० अशोक कुमार
पिता श्री के० एल० पटेल और सेकेटरी डा० व्ही०
साइबाबु पिता व्ही० व्ही० रमनाराव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

कृषि भूमि का पूरा जिसका सर्वों नं० 42, 43,
44, 45 और 45 ऊपर 3266 चौ० गज तक, मारेडपल्ली
गांव, सिकंदराबाद कोन्टेनमेन्ट, अरबन तालक हैदराबाद में स्थित
है। रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 11899/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 7-7-1981

मोहर।

प्रकृष्ट आई० ई० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-वा० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जलाई 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 113/81-82—यतः महे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा० के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी-110 है, जो सैनिकपुरी आर० आर० जीला में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से अद्वैत प्रतिगत अधिक है और अस्तरक (अन्तरक) और ममतरिती (अन्तरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रभारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त सम्पत्ति अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के कार्यालय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

परीसर का सं० बी-110, आमेंड फोर्सेस को-प्रापरेटिव, हार्डिंग सोसाइटी, सैनिकपुरी कापरा गांव तालुका मेडचल आर० आर० जीला विस्तीर्ण 1641 घो० फुट 1 रजिस्ट्रीक्टुल विलेख नं० 2620/80 रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी मेडचल।

एस० गोविन्द राजन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवितयों, अर्थात्:—

(1) कैप्टन जोर्ज थोमस पिता लेट एम० जे० थोमस के साथ कैप्टन कोचम्पान सेवा निवृत्त, 226, फक्सेस बंगला, तिरुमल गीरी, सिकंदराबाद।
(अन्तरक)

(2) लेफ्टनेंट करनल जी० राघव राव पिता लेट जी० के० नायडु रेस कोर्स क्वार्ट्स, सिकंदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी अवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय द्वारा, किसी अन्य अवित द्वारा, अधोक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रारूप प्राई. टी. एम. एम. —————

प्रायकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 114/81-82—अतः मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रंथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है जो मारेडपल्ली गांव में स्थित
है (और इससे ल्पावद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण ग्रंथिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रंथिता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरक
निम्निति में वास्तविक रूप से निर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को वाकत उचित
ग्रंथिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रंथिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त ग्रंथिनियम, या
प्रत्यन्त-कर ग्रंथिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रंथिनियम की धारा 269-ख के अनुसरण
में, मैं, उक्त ग्रंथिनियम की द्वारा 269-ख की उचित (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) 1. श्री मावरला जहाहिन्द पिता लेट मावरला
डुगैया ।

(2) 2. श्री मरचरला पांडु पिता लेट मावरला डुगैया
पूर्व मारेडपल्ली सिकंदराबाद कॉन्टेनरेन्ट ।

(अन्तरक)

(2) दि रवि को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०
टी० ए० बी० 22, 1974, 1-5-559/1, बाकाराम
रोड़, हैदराबाद-20
अध्यक्ष श्री के० अशोक कुमार पिता श्री के० एस०
पटेल और सेक्रेटरी डा० बी० साहबाबू पिता बी०
बी० रमना राव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो भारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों पुरु रखता हूँ ।

उचित सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन ही तारीख से 45
दिन की अवधि या नेत्रस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
लामी से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन ही तारीख से 45
दिन के भीतर उचित स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
ग्रंथिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

ग्रन्तसूची

कृषि भूमि का पूरा भाग जिसका सर्वों नं० 42, 43, 44,
45 ऊपर, 3553 चौ० गज तक, मारेडपल्ली गांव चिकंदराबाद
कॉन्टेनरेन्ट, अरबन तालुक हैदराबाद में स्थित है। रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 12268/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एस० गोविन्द राजन,

सकार प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जुलाई, 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 115/81-82-यतः मुझे,
एस० गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ऋषि भूमि है, जो मारेडपल्ली गांव सिकंदरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उत्तरदाय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से है फिरी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बदलने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित स्वीकृतियों अर्थात् :--

6-196GI/81

(1) 1. श्री मावरना जगहिन्द पिता लेट माचरला
दुर्गेया ।
2. माचरला पांडु पिता वैसे ही पूर्व मारेडपल्ली,
सिकंदराबाद कॉन्टेनमेन्ट ।

(अन्तरक)

(2) दी रवि को—आपरेटिव हार्डिंग सीसाइटी लि० टी०
ए० बी० 22, 1974, 1-5-559/1, बाकाराम
रोड, हैदराबाद-20। प्रध्यक्ष श्री के० अशोक कुमार
पिता श्री के० एल० पाटील और सेक्रेटरी डा०
बी० साइबाबु पिता बी० बी० रमना राव ।

(अन्तरिती)

करें यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

लालूसूची

ऋषि भूमि का पूरा भाग जिसका संबों नं० 42, 43,
44, 45 और 45 ऊपर, 3043 चौ० गज तक मारेडपल्ली
गांव सिकंदराबाद कॉन्टेनमेन्ट, अरबन तालुक हैदराबाद में स्थित
है। जिसकी रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12251/80 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी हैदराबाद ।

एस० गोविन्द राजन,
संशम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जुलाई, 1981

निर्देश नं. आर० ए० सी० नं० 116/81-82--यतः मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सभीम प्राधिकारों को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है जो मारेडपल्ली गांव सिकंदराबाद में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन, दिनांक, दिसम्बर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्येक वर्ष की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ५, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत :—

(1) 1. श्री माचरला जयहिन्द पिता लेट माचरला द्वार्या ।

2. श्री माचरला पांडु पिता वैसे ही पूर्व पारेडपल्ली, सिकंदराबाद, कॉन्टेनमेन्ट ।

(अन्तरक)

(2) दि रवि को-आपरेटिव हाउसिंग सोमाइटी नि० टी० ए० बी० 22, 1974, 1-5-559/1, बाकाराम रोड, हैदराबाद-20 । अध्यक्ष श्री के० श्रीकांकुमार पिता श्री के० एल० पटेल और सेक्रेटरी डा० वा० साइबाबु पिता बी० बी० रामना राव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त छाती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि का पूरा भाग जिसका सर्वे नं० 42, 43, 44, 45 और 45 ऊपर, 3400 चौ० गज, तक मारेडपल्ली गांव सिकंदराबाद कॉन्टेनमेन्ट, अखन तालुक में स्थित है । जिसका रजिस्ट्री इति विलेख नं० 12240/80 है । रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा बाबत है ।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद
दिनांक: 7-7-1981
मोहर:

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जुलाई, 1981

निर्देश सं. आरा० ए० सी० नं० 117/81-82—यतः मुझे
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इन्हें परवातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा०
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो मारेडपल्ली गांव, सिकंदरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरा-
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक, दिसम्बर, 1980।

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैरू किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एस० किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हॉं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृश्यारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्ति ४—

(1) 1. श्री माचरला जयहिंद पिता लेट माचरला
दुर्गेश्या

2. श्री माचरला पांडु पिता लेट माचरला दुर्गेश्या
पूर्व मारेडपल्ली सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) दीर्घि को आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० टी० ए०
बी० 22, 1974, 1-5-559/1, बाकाराम रोड,
हैदराबाद-20 अध्यक्ष श्री के० अशोक कुमार पिता
श्री के० एल० पटेल और सेक्रेटरी डा० वी० माइक्यु
तथा वी० वी० रमना राव। (अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का पूरा भाग जिसका सर्व० नं० 42, 43,
44, 45, और 45 ऊपर 3410 चौ० गज तक मारेडपल्ली
गांव, सिकंदराबाद कोनटेनरमेंट, अरबन तालुक हैदराबाद में स्थित
है। जिसका रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12121/80 है। रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 7-7-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 118/81-82—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० इमारत और भूमि है, जो दरगामेट्टा नेल्लौर नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1980

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रतिफलों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीमती बंधुकुला जानीकम्मा पिता लेट कृष्णा स्वामी ।
2. श्री बंधुकुला बेंकट कांतीकंया पिता लेट कृष्णा स्वामी
3. बंधुकुला सुब्रा लक्ष्मी पिता लेट कृष्णा स्वामी
4. बंधुकुला आपर्णा पिता लेट कृष्णा स्वामी
5. बंधुकुला श्रीनाथ पिता लेट कृष्णा स्वामी ।
(4 और 5 नाबालीक बाइ पालक माता बंधुकुला जानीकम्मा) दर्गा मिता नेल्लौर ।

(अन्तरक)

- (2) 1. गुनपती श्रीधर रेड्डी पिता रामचन्द्रदा रेड्डी पोगा बोटा, नेल्लौर नगर 2. मेनाकुरु रेंगेश रेड्डी, दर्गा मिता नेल्लौर नगर । 3. रोन्डा बासीवी रेड्डी पिता बेंकटेश्वर रेड्डी, पंडीलापल्ली गांव, बापटला तालुक, जीला प्रकाशम । 4. गुनाचती पदमानाभ रेड्डी पिता रामचन्द्रा रेड्डी, पागबोट्टा, नेल्लौर नगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

इमारत, दर्गमेट्टा, वार्ड नं० 24, डोर नं० 387 आपरट नेट भूमि के साथ विस्तीर्ण 2 एकड़ 72 सेंट्स् सी० ए० एस० नं० 592/1ए घर के प्लाट में विभाजित किया गया । जिसका रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4151/80 है । रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नेल्लौर ।

एस० गोविन्द राजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 7-7-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती नरजाला रामलक्ष्मी पति अंजनेयलू बालजा
विधि, कोडुर गांव, पोस्ट और तालुका : कोडुर।
(अन्तरक)

(2) श्री मल्लेबोहना बेंकटरामन्ना (श्रीयास) वीरया
पिता थीमन्ना, जमालामाडुगु गांव तालुक जमलामडुगु।
(अन्तरित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 119/81-82—यतः मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पथचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चन दाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है
ग्रोर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो कोडुर गांव में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुल्लम पेट में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित ग्राजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नोनाकृत उदादेश्य में लक्ष अन्तरण (नाकृत में अन्तरित
रूप से कठित नहीं किया गया है):—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिपिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
पाया है।

अनुसूची

कोडुर गांव में खुली जमीन, 5 बा० बार्ड विस्तीर्ण 316
घौ० गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2300/80 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी पुल्लम पेटा।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वृथतः—

दिनांक : 9-7-1981

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 120/81-82—यतः मुझे,
एस० गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो कोडरी गांव में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूलम पेट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण वे हैं किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जारी/या

(ख) एकी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था तिथाने में
सुविधा के लिए;

यतः यद्युपर्याप्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपलापा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः:—

(1) श्री सुरापराजू सुब्बा राजू पिता सुब्बा राजू एप्री-
कलचरीस्ट काडुरु गांव।

(अन्तरक)

(2) मोहन सादीक वली पिता दीवान साहब कोडुर
गांव, पोस्ट टंगाटुर, तालुकराजमपेट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

भूमूली

खुली जमीन, कोडुरु गांव, 5 वां वार्ड विस्तीर्ण 217.5
घो० गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2222/80 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी पुलमपेट।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयक्त (निरीकण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनाक : 9-7-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० आरा० ए० सी० नं० 121/81-82—यतः मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि सर्वे० नं० 148 से 145 है जो
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रंगारेड्डी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, एसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे वर्जने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों कर्तव्यः—

(1) 1. श्री के० सीताराम रेड्डी 1-72, नीमामपेट (अब
बी-10, संजीवा रेड्डी नगर, हैदराबाद में रहते
हैं) 2. श्री के० एलय्या, 8-3-166, यरागड्डा, हैदरा-
बाद 3. श्री एस० गोविन्द रेड्डी, 3-6-425, हिमायत-
नगर, हैदराबाद 4. श्री एस० शंकर रेड्डी 3-53,
बोलाराम, मिकंदराबाद 5. अब्दुल अजीज, 8-4-
491, एरागड्डा, हैदराबाद 6. महमद हस्माइल,
1-18 हाफीज पेट, गांव ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गोपालनगर को-ऑपरेटिव हाउज बील्डिंग
सोसाइटी लि० एरागड्डा, हैदराबाद । बाइ उसके
अध्यक्ष श्री बी० पेल्या, 1-2-485, जी० एस०
रोड, दोमलगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षग के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए था सक्तें ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मूल्यांकन

कृषि भूमि, सर्वे० नं० 148 से 155 कुल विस्तीर्ण 93
एकड़, 24 गुणे, हैदरनगर गांव, तालुक मेडन, आरा० आरा०
जीला । रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 613/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी रंगा रेड्डी ।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-7-1981

मोहरः

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जूलाई 1981.

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यस: मुझे, एम० एल०
चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीष्मिकी सं० है तथा जो फतेहपुर में स्थित
है, (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
3 नवम्बर, 1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के शीर्ष ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उच्चदरेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कोंधत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किंतु आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

यस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1),
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवकीनन्दन पुत्र हुकमीचन्द्र खेडवाल मुख्तार
आम श्री राम निरंजन, अशोक कुमार एवं बसत
कुमार नवेटिया नि० फतेहपुर जिला सीकर।
(अन्तरक)

(2) अब्दुल अजीज पुत्र हाजी अब्दुल गफूर, काजी
मुसलमान, निवासी फतेहपुर
(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयित्वां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

वार्ड नं० 19 फतेहपुर जिला सीकर में स्थित मकान
सम्पत्ति जो उप पंजीयक, फतेहपुर जिला सीकर द्वारा क्रम
संख्या 562 दिनांक 3-11-1980 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र
में और विस्तृत रूप से विवरित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 16-7-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

ता० १५, १९८१ के 16 जुलाई 1981

निर्देश सं० राजसहाय आ० अर्जन—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फतेहपुर में स्थित है, (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिष्ठल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जातिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यातः :—

7-196GI/81

(1) श्री देवकी नन्दन पुत्र कुमारी चन्द खेडवाल मुख्तार आम श्री रामनिरंजन अशोक कुमार एवं बसन्त कुमार नेवीया निवासी फतेहपुर जिला सीकर। (अन्तरक)

(2) श्री अख्तार पुत्र अब्दुल गफूर काजी मुसलमान निवासी फतेहपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वार्ष नं० 19 फतेहपुर जिला सीकर में स्थित सम्पत्ति जो उप पंजीयक, फतेहपुर द्वारा कम संख्या 565 दिनांक 3-11-1980 पर पंजीयन विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

एम० एल० चौहान,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 16-7-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटेड ट्रॉन एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1981

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन—यतः मझे, एम० एल० औहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 19 में है तथा जो फतेहपुर में स्थित है (और इससे उपाध्य ग्रन्तमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, 3 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से क्षमित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इसे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बनारक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य कानूनियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री देवल मुहम्मद हुकमीचन्द खेडवाल मुक्तार आम श्री रामनिरंजन, प्रशोक कुमार एवं बसंत कुमार, नवेटिया, फतेहपुर जिला सीकर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हुसैन पुत्र हाजी अबद्दुल गफ्तूर, काजी मुसलमान, फतेहपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आदी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन को लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहें भी बाल्फे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विक्षित अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही वर्ष होना जो उस सम्बन्ध में विद्या गया है।

अनुमति

सम्पत्ति जो वार्ड नं० 19 फतेहपुर जिला सीकर में स्थित है और उप पंजीयक फतेहपुर द्वारा क्रम संख्या 566 दिनांक 3-11-1980 पर पंजीकरण विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

एम० एल० औहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 16-7-1981

मोहर:

प्र० प्र० प्र० प्र० प्र० प्र० प्र०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई, 1981

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० ग्रन्जन—यतः मुझे, एम० एल०
चौहान,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वा
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो फतेहपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
3 नवम्बर, 1980के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तावक के
वायित्व में कभी कोन्ते या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य शोस्त्रियों
को, जिन्हें भारतीय शोयन्कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसके अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या उक्तमें
सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुदरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—(1) श्री देखकी नन्दन पुस्त हुक्मचन्द खेडवाल मुहतार
आम श्री रामनिरजन, ग्रामोक कुमार एवं बसमत
कुमार, नवेटिया, फतेहपुर जिला सीकर।
(अन्तरक)(2) श्रीमती अलहमोत पत्नी हाजी अब्दुल गफूर, काजी,
फतेहपुर।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्वीरेश्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पेष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उम्म अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बार्ड नं० 19 फतेहपुर, जिला सीकर में स्थित सम्पत्ति
जो उप पंजीयक, फतेहपुर द्वारा कम संख्या 564 दिनांक
3-11-80 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरित है।एम० एल० चौहान,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रन्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 16-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप बार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1981

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे, एम० एम० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फतेहपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय फतेहपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
3 नवम्बर, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अस्यमान प्रतिफल हो, एसे अस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हरै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के सिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥

(1) श्री देवकी नन्दन पुत्र हुकमचन्द खड़वाल मुश्तार
आम श्री रामनिरंजन, अशोक कुमार एवं बसन्त
कुमार नवेटिया, फतेहपुर जिला सीकर

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद आजम पुत्र हाजी अब्दुल गफ्तर,
काजी, मुसलमान, फतेहपुर जिला सीकर ।

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अंदर के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अंदर के सम्बन्ध में करें भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वा व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

वाडं मं० 19 फतेहपुर जिला सीकर में स्थित है और
उप पंजीयक, फतेहपुर जिला सीकर द्वारा क्रम संख्या 563
दिनांक 3-11-1980 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरित है ।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर ।

विनांक : 16-7-1981

मोहरः

प्रूफ आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्वेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/992—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 81 ए है तथा जो अलवर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलवर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक, नवम्बर, 1980।को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से है किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के सिए; और/या(घ) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के सिए;

(1) श्रीमती कुमकुम लता पत्नी नरेन्द्र कुमार गुरु
निवासी सफदरजंग देहली बर्तमान गाजियाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांति देवी पत्नी श्री वासदेव मदान,
हिन्दूपाड़ा, अलवर।
(प्रतिरिद्धि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्कित में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्क

प्लाट नं० 81 ए० (सी० ई० धी०) स्कीम नं० 1, अलवर
जो उप पंजीयक, अलवर द्वारा माह नवम्बर, 1980 में पंजीकृत
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

दिनांक: 15-7-1981

मोहरः

यतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, दौ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

प्रकृष्ट शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 15 जुलाई, 1981.

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/993—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पांचवां 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सहम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक क्षेत्र 2 है तथा जो पाली में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसंधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक, 11 मार्च, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के नहीं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तररक्तों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरूप के लिए तथ यथा गया प्रतिकृत, निम्नानिकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के आविष्करण में कमी करने पा उससे बचने में सुनिश्चा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी भ्रन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मार्त्तांय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या या किया जाना चाहिए था, लिखान में सुनिश्चा के लिए।

यतः अथ; उक्त अधिनियम को धारा 269-ष के मूल्करण में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, घराणा :—

(1) श्री रमेश्वर पुत्र हरिकृष्ण जी कल्ला बहैसियत मालिक आर० के० टैक्सटाइल इण्डस्ट्रीज, औद्योगिक क्षेत्र नं० 2, पाली हाल निवासी जीवपुर।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स जगदीश टैक्सटाइल मिल्स पाली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्तेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरस्कबन्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हिस्सी अथ अधिकत द्वारा, अधोहस्ताक रो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारण:—इसमें प्रमुख शब्दों और वहों का, जो उक्त अधिनियम के अडाय 20-क में परिभ्राष्ट है, वहीं पबं शोगा जो उस अडाय में विद्या गया है।

अमुमूली

बिलंग जो औद्योगिक क्षेत्र नं० 2, पाली में स्थित है और उप पंजीयक, पाली द्वारा कम संख्या 2314 विनांक 11-3-1981 पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

एम० एल० चौहान;
सहम प्राधिकारी
आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

विनांक : 15-7-1981

मोहर:

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सुनील कुमार चास

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शेलेन्ड्र मोहन दे

(अन्तरित)

भारत सरकार

क्यों यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी आक्षेप:--

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० सी०-२०/आर-II/कल०/८१-८२—यतः
मुझे, के० सिन्हा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० दाग नं० 170 है तथा जो मौजा सात
गाढ़ी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है, और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
ए० आर० काशीपुर दम० दम० में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 नवम्बर, 1980
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मौजा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४--

मौजा-सातगांडि, पी० एस० दमदम।

दाग नं० 170 खतियाम नं० 800

जे० एस० 20, एरिया कटठा—3.95

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, कलकत्ता।

दिनांक: 23-7-1981

मोहर:

प्रकाश स्टार्ट टी० एन०, एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2689—यतः मुझे, जे० एस० आहलूवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये ने अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यान्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का ज़रूर है कि यह स्थावरों का सम्पत्ति ज्ञ उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यान्त प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यान्त प्रतिफल का एवं ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरितों (प्रन्तरितियों) के भी उनमें अन्तरण के लिए तथा गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यत :—

(1) श्रीमती जीवन पत्नी श्री राज कुमार निवासी मोहल्ला थानेशारा फगवाड़ा

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र पुत्र श्री सोना राम श्रीमती सुषमा पत्नी सुभाष चन्द्र निवासी थानेशारा फगवाड़ा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रतिधि या तत्परं व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की व्यवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख सं० 2001 नवम्बर 1980 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

जे० एस० आहलूवालिया,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 14-7-1981

मोहर :

प्रृष्ठ प आई० टॉ० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्दर

जालन्दर, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० पी०/न० 2090—यतः मुझे, जे० एस०
आहलूवालिया,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि अधिकारी अधिनियम, 1908 (कारण मूल्य 25,000/-
रु म अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और नुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का
एतद्वय प्रतिशत ले अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती
(अन्तरितेयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाज़त उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनादृ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः:—

8—196GI/81

(1) श्रीमती प्रकाश देवी विधवा श्री ईश्वर दास श्रीमती
राज कुमारी पत्नी जे० सी० ठुकराल वासी पुराना
राजेन्द्र नगर नई दिल्ली श्रीमती अमृत रानी पत्नी
श्री के० एल० वर्मा सिविल लाइन ईसा रोड
लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) कैप्टन आई० एम० नारंग पुत्र डा० जी० डी० नारंग
नया राजेन्द्र नगर नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री ओम प्रकाश
2. डा० भारत भूषण गर्ग
3. बाम्बे फोटो हाउस
4. श्री के० के० ग्रोवर

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो भी व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ जोगा जो इस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 5165 दिसम्बर
1980 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।जे० एस० आहलूवालिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्दर ।

दिनांक: 14-7-1981

मोहर:

प्रह्ल आइ^१. टी. एन. एस. —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर
जालंधर, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं १० पी० नं २६९२—यतः मुझे, जे० एस०
आहलूवालिया
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ड्रग्स प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विषयात् करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गुरुर्गोपाल नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक नवम्बर 1980, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमाणित की जाई है और मुझे यह विषयात् करने का कारण है कि यहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीत्र ऐसे वृश्यमान के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नप्रिच्छित उत्तर से उक्त अन्तरक निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1857 (1857 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुमति में, में, सकार प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, असौतः—

(1) श्री परमजीत सिंह तेजिन्द्र सिंह व प्रमतपाल सिंह पुत्रान श्री गुरु गोपाल सिंह कूल रोड जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्री रवि कान्त पाल पुत्र आर० सी० पाल वकील 49 पुरानी रेडियो कालोनी जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० २ में है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो भी व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने 'पूर्वोक्त नम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त प्रमाणित के प्रर्जन के प्रमाणधर में कोई भी आश्रेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरमुक्तव्यी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकें।

स्पष्टवीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20व में परिभाषित है, वही अर्थ द्वाग जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख न० 5128 दिनांक नवम्बर 1980 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालंधर ने लिखा है।

ज० एस० आहलूवालिया
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर।

दिनांक : 15-7-1981
मोहरः

प्रूलप लाइ० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर
जालंधर दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2691—यतः मुझे, जे० एस०
आह्लावालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो बंसती
शेख में स्थित है (और इससे उपावच अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की, अनुमरण
में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मैल कौर पस्ती बलशीस सिंह व केहर सिंह
काबुल सिंह पुत्रान श्री मक्खन सिंह वासी बस्ती
शेख, जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री रोशन सिंह पुत्र श्री संत सिंह पैद्रोल पम्प
सामने टी० बी० स्टूडियो महावीर मार्ग, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो भी व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो चक्रत
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि लिखेख नं० 5120, नवम्बर, 1980
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

जे० एस० आह्लावालिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालंधर।

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रस्तुत आद्य.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर. (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2693—यतः मुझे, जे० एस०
आहलूवालिया,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प्र
के अधीन सकाम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
लोहिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स प्राधिकारी के कार्यालय,
शाह कोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1980का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थगमन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थगमन प्रतिफल से, एसे स्थगमन प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिति (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ;—(क) प्रान्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शास्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-प्र के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अथवा—(1) श्री शंगारा सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह वासी सोहिया,
तहसील नकोदर, जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) डा० मेहर सिंह पुत्र श्री दूजारा सिंह वासी, रामपुरा
तहसील सुलतानपुर, जिला कपूरथला।

(अन्तरिति)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
सम्पत्ति है)।

(4) जो भी अविक्त सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायदाविधि करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रवृत्ति का, जी उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिमापित है,
वही प्रथम द्वोगा, तो उप प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1682, 11/80 में रजिस्ट्रीकर्स प्राधि-
कारी शाहकोट में लिखा है।जे० एस० आहलूवालिया,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप पाई० टी० प० ए०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा।

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2694—यतः मुझे, जे० ए० स०
आहलूवालिया,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
वारा 269-ब के प्रधीन समम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में प्रतिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
लोहिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1980को पूर्वोक्त प्रधीन के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
में निः अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि व्यापूर्वोक्त प्रधीन का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृश्य प्रतिफल से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के निः तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया
है :—(क) अन्तरण से नुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बाबिलक में कमी
करने या उसके बचते में सुविधा के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या मूल्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या ब्रह्मनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;यतः वद, उक्त अधिनियम की वारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की वारा 269-ब की उपशारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री शंगारा सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी लोहिया,
तहसील नकोवर, जिला जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती युरमीत कौर पत्नी डा० मेहर सिंह वासी,
रामपुरा तहसील सुलतानपुर, जिला कपूरथला।
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो भी व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त प्रधीन के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचयित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1683/11/80 में रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी शाहकोट में लिखा है।

जे० ए० ए० आहलूवालिया,

सहम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 15-7-1981

मोहरः

प्रकरण धार्द० धी० एव० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1981

निदेश नं० ए० पी० नं० 2695—यतः मुझे, जे० एस०
आहलूवालिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रवीन सभ्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोराया
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पाद के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्वीकृत की बई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पश्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अवृत्तक
(अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा गया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उदाहरण से उक्त प्रत्यरूप विवित में वास्तविक रूप से कहित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरूप के
दायित्व में कर्त्ता करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए घोषणा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य पारितियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनामे अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, किसाने में
सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुबरण
में ये, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपकारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री विश्वास सिंह पुत्र श्री चंगा सिंह पुत्र
वरियाम सिंह वासी गोराया तहसील
फिल्लोर

(अन्तरक)

(2) श्री कमल असीस सिंह
कमल दीप सिंह
पुत्र जसवीर सिंह पुत्र किशन सिंह
वासी, गोरिया, तहसील फिल्लोर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके व्यवधाने में सम्पत्ति है)

(4) जो भी व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को पद सूचना जारी उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथित के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि, या तसम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा प्रबोधनामे के
पास निखिल भैं किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अविक्त जैसा कि विलेख नं० 2209 दिनांक
नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लोर में लिखा है।

जे० एस० आहलूवालिया,
सभ्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 15-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-प (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, जालन्धर
 जालन्धर, दिनांक 15 जूनाई, 1981

निदेश नं० ए० पी० 2696—यतः मुझे, जे० ए० प०

आहलूवालिया,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर ममति, त्रिपाता उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर
 में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख दिसंबर 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिकल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
 पन्थ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथ पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उच्चेष्य में उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
 प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनात्मक अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जयवन्त राय वासी सिरकी बाजार भटिंडा,
 विमला रानी उर्फ विमला देवी, मण्डी, दुआरा
 जसवन्त राण, (3) पुष्पा देवी वासी मानसा मण्डी
 द्वारा जसवन्त राय/जी० ए० केशो राम पुत्र माना राम
 द्वारा कुलदीप राय, सिरकी बाजार भटिंडा (5)
 सोहनलाल पुत्र माना राम द्वारा कुलदीप राय।
 जी० ए० नोराती देवी पुत्री माना राम वासी
 भटिंडा। द्वारा कुलदीप राण जी० ए०।

(अन्तरक)

(2) आत्मा राम पुत्र ईश्वर दास, धर्म पाल, रत्न लाल पुत्र
 ईश्वर दास श्रीमती प्रेम लता पत्नी सुखदेन पुत्र
 आत्मा राम वासी गली नं० 2।

(अन्तरिती)

(3) मण्डी अबोहर जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह अविक्त, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) जो अविक्त सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह अविक्त, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबृष्ट है)
 को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
 भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबृष्ट किसी अस्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त
 प्रधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही प्रथ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अविक्त जैसा कि विलेख नं० 2570, दिनांक
 दिसंबर 1980 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में
 लिखा है।

जे० ए० प० आहलूवालिया,
 मक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 15-7-81

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1981

निवेश नं० १० पी० २६९७—यतः मुझे जे० एम०

आहलूवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो आबोहर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पृ० ८८ में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आबोहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और ग्रहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरान प्रतिफल से, ऐसे दूसरान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मैं वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक की
धार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत मा अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया आगा चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तजिन्दर सिंह, जतिन्दर सिंह
पुत्र मोहिन्दर सिंह वासी गांव घालू तहसील फाजिलका
द्वारा भूपिन्दर सिंह जी ए०।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरिन्द्रपाल सिंह,
गुरमिन्द्रपाल सिंह पुत्र भूपिन्दर सिंह,
श्रीमती गुरदीप कौर पुत्री भूपिन्दर सिंह गांव घालू
तहसील फाजिलका।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्यपे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त क्षब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2752 दिनांक
दिसंबर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आबोहर ने लिखा है।

जे० पैस० आहलूवालिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 15-7-81

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 जुलाई 1981

निदेश मं० ए० पी० 2698—यतः मुझे, जे० ए० प०
आहलूवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इप्पते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ
के प्रधीन पश्च प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर प्रभति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इप्पते में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बाराहारी
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख फरवरी 1981

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिक्रियत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नव पाया गया प्रतिफल निम्ननिवित उच्चतर से उक्त सम्पत्ति
निवित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से दूरे किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या बच्च आस्तियों
को विन्दे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा

(1) के अधीन, निम्ननिवित अवित्तियों, अर्थातः—
9—196GI/81

(1) श्री सुखदेव सिंह पुत्र चंत सिंह
वासी, बारोहार।

(अन्तरक)

(2) श्री देव रत्न गहल व सन्तोष पुत्र
धनश्याम दास वासी मुक्तसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हाच रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताभारी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के प्रधीन लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी विवेद—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन भी तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि या भी
अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्णोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रथम अवित्त द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास
स्थिति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें रख्यात शब्दों प्रीर वर्ते का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधान्य 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथम होगा जो उस प्रधान्य में दिया
गया है।

अनुसूची

संगति तथा अवित्त जैसा कि विनेख नं० 3074 दिनांक
फरवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने
लिखा है।

जे० एस० आहलूवालिया,
सधाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 18-7-81

मोहर :

प्रस्तुप बाई. डी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 जुलाई 1981

निदेश नं. ए० फी० 2699—यतः मुझे, जे० एस०

आहलूवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बांरा-
हारी में स्थित है (और इसके उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वकता सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित निम्नदेश में उक्त अन्तरण लिखित में दर्शायक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1) श्री गुरनाम सिंह
पुत्र चैत सिंह
वासी, बांराहारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री महिन्दर कुमार पुन्न दुनी लाल
वासी, मुक्तसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिकार में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जाएं सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3075 दिनांक
फरवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा
है।

जे० एस० आहलूवालिया,
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 18-7-81

मोहर:

प्रकाशन नं. ८०० एन० एस०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 जुलाई 1981

निरेश सं० ए० पी० 2700—यतः मुझे, जे० एस०
आहूलूवालिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के
अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो बांराहारी
में स्थित है (और इससे लपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह
प्रतिशत ने परिष्कृत है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त गन्तव्य निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी
करने या उपरे बचने में विविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन—

(1) श्री श्याम चिह्न पुत्र चंद्र चिह्न
वासी, बांराहारी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रवीन कुमारी पत्नी महिन्दर कुमार
वासी, मुक्तसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में इच्छ रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां मुख करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,
के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3076 दिनांक
फरवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी मुक्तसर में लिखा
है।

जे० एस० आहूलूवालिया,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 18-7-81

मोहर :

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 जुलाई 1981

निदेश नं० ए० 2701—यतः मृ० आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
इन्डिस्ट्रीयल एरिया जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृ० यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरीतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया यथा प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) मन्त्रण से हूँ इ किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम द्वा० अर्जन करे दिन का अन्तरण के दायत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जीर्ण/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्यास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का १७)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहों किया
गया था या किया जाना चाहिए था किनारे में
सविधा के लिए;

यतः यत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
की अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् ८-८-

(1) श्री राम सरुप तथा राम प्रकाश पुत्र
तुलसी राम वासी, डेल्पू० आफ 119, गली जैनी
जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्यारा लाल पुत्र मुला मल
वासी, एस-४४, इन्डस्ट्रियल एरिया, जालन्धर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है और काऊथ
इन्डियन इन्डस्ट्रीज चौक वस्ती में जालन्धर।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरों
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पादन के अर्जन में सम्बन्ध में काढ़ भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन को तारीख से 45
दिन की अवधि या दस्यमानी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद से भागी होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस ग्रन्थना में राजपत्र भा० प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
दाय अन्तरित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूषी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5216, दिनांक
नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
है।

आर० गिरधर,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 20-७-८१
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 20 जुलाई 1981निदेश सं० ए० पी० 2702—यतः मुझे, आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में आंशिक पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के धारित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;यतः वह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—(1) श्री खूब चन्द उर्फ महन्त किशन दास चेना
महन्त कल्याण दास चेना
महन्त हरी दास,
धर्मशाला बाबा चरन दास,
फिरोजपुर शहर।

(अन्तरक)

(2) श्री जरमल चिह्न एण्ड दर्शन सिंह पुत्र
सावल चिह्न एण्ड सावल चिह्न पुत्र बुड़िहि,
गनी, लगमीरीआं फिरोजपुर शहर।
जरमल पुत्र बिहारी लाल एण्ड जै देव पुत्र
भगत राम, कुचा राजा राम
कालोग्रा, फिरोजपुर शहर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्त्वस्वान्धि व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4418, दिनांक
नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिरोजपुर में लिखा
है।आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 20-7-81

मोहर :

प्रकृष्ट जाई० ठी० एम० एस०-----

आवश्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा की

269-ग (1) के पर्याम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 जुलाई 1981

निदेश सं० ए० पी० 2703—यतः मुझे आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के पर्याम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर
में स्थित है (और इससे उपायद्वय में अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रन या अन्य प्रस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
ब्लॉकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
पै उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अविक्षियों अर्थात्:—

(1) श्री खूब चन्द उर्फ किशन दास जेला
महत्व कल्याण दास जेला हरी दास,
धर्मशाला बाबा सरन दास,
मोहला बुद्धवारा, फिरोजपुर शहर (अन्तरक)

(2) श्री जरमल सिंह एण्ड दर्शन सिंह पुन दावल सिंह
एण्ड दावल सिंह पुत्र बुड़े सिंह,
गली कण्ठमीरीयां फिरोजपुर शहर
करम चन्द पुत्र बिहारी लाल एण्ड जै देव पुत्र भगत राम
कूचा राजा राम कालीया,
फिरोजपुर शहर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपरनं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोदृस्ताकारी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरात्मी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवाद्यस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20 का परिचालित
है; वही पर्व होगा, जो उस अन्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5665 दिनांक
जनवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर ने लिखा
है।आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 20-7-81

मोहर:

प्र० प्र० प्र० प्र० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 जुलाई 1981

निदेश नं० ए० पी० 2704—यतः मुझे, आर० गिरधर प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिभकी मं० २०५ जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्दि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) गेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुरिन्द्र विधवा रेनुका, मोनीका पुत्रियां श्री शिव प्रसाद पुत्र अम्बीका प्रसाद, कपूरथला।

(अन्तरक)

(2) श्री द्वारकन मिहु पुत्र विमाल मिहु अम्बीकर खाव मिल्स, सुलतानपुर रोड, कपूरथला।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पत्ति)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में एचोहस्ताक्षरी

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अम्बोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रमाणन में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविहतयों पर मुद्रना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अम्बोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2494, दिनांक नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 22-7-81

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जुलाई 1981

निदेश सं० १० पो० २७०५—यतः मुझे, आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माइल
टाउन जालन्धर में स्थित है (और इससे ज्पाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विषवास करने
वा. कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रांतफल में पांस दृश्यमान प्रांतफल का पूर्ण
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय पा किसी भन या बन्ध जास्तियों
को, जिन्हे भुरतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, दै उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—(1) श्रीमर्ता प्रेमलता मलहोत्रा सेल्फ एण्ड आन बिहाफ
आफ शारदा रानी (माईनर) एण्ड मोहन कुमार
उर्फ मनमोहन कुमार,
ग्रवनेन्द्र कुमार, निरमल कान्ता, वासी 30, अरहस
बाजार सहारनपुर रोड, देहरादून एण्ड चांद रानी
एण्ड कमला वर्ती उर्फ गोरा देवी वासी 18 एन०
एफ० किला मोहल्ला, जालन्धर। (अन्तरक)(2) शावीश आबराय पुब दोलत राम,
वासी 561, माइल टाउन, जालन्धर। (अन्तरिती)
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)(3) जैसा कि ऊपर नं० दो में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की हासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।व्यक्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में वर्णित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4802 दिनांक
नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।ग्राह० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 23-7-81

मोहर :

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जुलाई 1981

निवेशनं ० ए० पी० २७०६—यतः मुझे, आर० गिरधर० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माउल टाउन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुदूची में और पृष्ठी रूप में दर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाय्य के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहाय्य के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुग्रहों में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अनुसृत:—

10—196GT/81

(१) श्रीमती प्रेमलता मलहोत्रा सैल्फ एण्ड बी० हाफ प्राफ शारदा रानी, (माईनर) एण्ड मोहन कुमार उर्फ मनमोहन कुमार, अवनेन्द्र कुमार, निरमल कांता, वासी, 30 प्रहरत बाजार, बहारनपुर रोड, देहरादून एण्ड चांद रानी तथा कमला वती उर्फ गोरादेवी वासी, 18, एन० एफ० किला मुहल्ला, जालन्धर। (अन्तरक)

(२) श्री सुदर्शन ग्रोवराय पुत्र दोलत राम वासी, 561 माडल टाउन, जालन्धर। (अन्तरिती)

(३) जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(४) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताप्रिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्राप्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4803, दिनांक नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 23-7-81

मोहर :

प्रस्तुप आई. टॉ. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जुलाई 1981

निदेश नं० ए० पी० 2707—यतः मुझे आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु में प्राधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भाड़ टाउन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

का प्रवाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य भे उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में
समिक्षा के लिए.

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती प्रेम लता मल्होत्रा
सल्फ एण्ड बी० हाफ आफ शारदा रानी,
(माईनर) एन्ड मोहन कुमार उफ मनमोहन
कुमार, अवनेन्द्र कुमार, निसाल कांता, वासी
30 अरहत बाजार सहारनपुर रोड वेहरादून
एण्ड बांद रानी और कमला वती उर्फ गोरादेवी
वासी 18-एनएफ किला महल्ला जालन्धर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र वासन पत्नी सातीश वासन वासी 676
भाड़ टाउन जालन्धर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है।
वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके प्रवाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रत्यक्षी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4834 दिनांक
नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा
है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 23-7-81

मोहर:

प्रधान वार्ष.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अशोक कुमार पुत्र सत प्रकाश वासी, मोगा ।

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना(2) श्री राकेश कुमार पुत्र सत प्रकाश,
दारा मैट्रिस्टिक सिनेमा,
मोगा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जलाई 1981

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में उचित रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

निवेश नं० ए० पी० 2708—यतः मझे आर० गिरधर आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में लिखा है तथा जो मोगा में स्थित है (और इससे उपाखण में अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करसा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापित से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ हैं, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मोगा

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5940, दिनांक नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी मोगा ने लिखा है।

आर० गिरधर
सकाम अधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तीयों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

तारीख : 23-7-81

मोहर :

प्रस्तुत जाइ. टी. एन. एस.-----

(1) श्री प्रशोक कुमार पुत्र सत प्रकाश वासी मोगा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नरेश कुमार पुत्र सत प्रकाश द्वारा मजेस्टिक सिनेमा, मोगा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) जैसा ऊपर नं०: 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में शुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो स्तान्तरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरंगेंद्री व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में निस्तीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

वह पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन द्वारा नहीं। (जो प्रशासनात्मक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखि। उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में निम्न तथा है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जित्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही वर्त्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रुत्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं०: 5941 विनांक नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा ने लिखा है।

आर० गिरवर
सम्म अधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

मत: जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत है—

तारीख : 23-7-81

मोहर :

प्रख्यात शाह० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा (1) के अधीन मूल्यांकन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्दर

जालन्दर, दिनांक 23 जुलाई 1981

निदेश सं० ए० पी० 2710—यतः मुझे आर० गिरधर प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो विरक कलां में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भट्टिडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) न बोल दें प्रत्यरुप न तिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरुप लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) यन्तरण 1 नु० 1 रुपा प्राय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन नर इन के प्रत्यरुप हैं विष्वास में कमी करने या उसमें बचने में गुवाहा के लिए; और/या

(b) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने न गुवाहा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातः:—

(1) श्री हरबंस सिंह पुत्र जाना सिंह

वासी कोटली सिंह

मुख्तार श्री भरपुर सिंह पुत्र मोही सिंह वासी विरक कलां तहिं जिला भट्टिडा।

(अन्तरक)

(2) श्री जसवन्त सिंह राजवन्त सिंह पुत्र जोध सिंह वासी विरक कलां तहसील जिला भट्टिडा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध है)।

को पह मूल्यांकन जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूल्यांकन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर मूल्यांकन की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्यांकन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अथ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विसेख नं०: 4015 दिनांक नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भट्टिडा ने लिखा है।

आर० गिरधर
सक्तम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्दर

तारीख: 23-7-81

मोहर:

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 23 मई 1981

निदेश सं० ए० पी० 2711—यतः भग्ने आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो विरक
कला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय भट्टाचार्य
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्ताविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य लाईसेन्सों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों व्यापारितः:—

(1) श्री सुरजीत सिंह पुत्र हरी सिंह वासी नाहीमां
वाला मस्तियार भरपूर सिंह पुत्र मोही सिंह,
वासी, विरक कला तहसील जिला भट्टाचार्य।

(अन्तरक)

(2) श्री जसवन्त सिंह एण्ड राजवन्त सिंह पुत्र जोध सिंह
वासी, विरक कला तहसील जिला भट्टाचार्य।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में शब्द रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है यि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि लिखा नं०: 4016, दिनांक
नवम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी भट्टाचार्य ने लिखा
है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालम्बर।

तारीख: 23-7-81
मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
आरा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जलाई 1981

निकेश सं० 111218—यतः, मझे राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवादास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जी० एस० सं० 412 4 बी०, चिन्हवल्वाली
में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से अण्डित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय उठमलपेट (डाकुमेंट नं०
3029/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16 अप्रैल नवम्बर 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल विभिन्नित्रित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देसे के अन्तरक के वायित्व में
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिस्ते भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
स्वनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए, वा, ठिकाने
में सुविधा के लिए;

(1) श्री विजय मोहन

(अन्तरक)

(2) श्री एन० दामोदरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के
लिए कार्यवाहिया आरता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसमध्ये अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताकरी के पाव-
लिखित में किए जा सकेंगे।

संख्या तरण:—इसमें प्रपूत्र गव्वा और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही
अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

मनूषी

भूमि जो एस० सं० 412, 4 बी० चिन्हवल्वाली और
जी० एस० सं० 105, 106, 107 पेरियवल्वाली (डाकुमेंट
सं० 3029/80)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, मद्रास

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण
में, मेरे उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निष्ठलिखित अविक्तियों, प्रयत्न:—

तारीख: 13-7-81

मोहर:

प्रलेप शार्दूली ० एन० एस०—

यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० 1192—यतः, ममे राधाकालकृष्णन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 167/2, 155, 166 है, जो बठवल्ली में स्थित है (और इससे उपावन में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 3866/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, देशे दृष्टमान प्रतिफल का नन्दन प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नहीं आया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निषिद्ध में कानूनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावजूद उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी बन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुरूप में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपशारा 1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत:—

(1) श्री सुब्रह्मण्य घोड़र
मरुकुट्टी घोड़र

(अन्तरक)
(2) श्री नटराज चेट्टीयार और अदरस
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बाप्र में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, न भार पूर्ण व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी ग्रन्थ वाक्त द्वारा, अधोम्लाभागी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है वहाँ अयोग्य दागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूमि-संवेदी सं० 167/2, 155, 166, बठवल्ली कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 3866/80)

राधा बालकृष्णन
सक्तम प्राधिकारी
सहायक शायकर शायक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, मद्रास

तारीख: 13-7-81

मोहर:

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

(1) श्री रुक्मनि अम्माल

(अतरक)

(2) श्री रुक्मनि अम्माल

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 जलाई, 1981

निवेश सं० 11214—यतः, मन्त्री राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 33, है जो सिंगलल्लूर में स्थित है (ग्रीष्मे
उपायक्रम में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सिंगलल्लूर (डाकुमेंट सं० 2011/80) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन
16 नवम्बर 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे है कि यथापूर्वोक्त
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयन करता है।

उक्त राम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(a) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें पूर्वांक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वहों अथवा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हर्दू दिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
और/या

बन्धुवी

(ल) एसे किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्रव्यां प्रकर नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;भूमि और निमाण-33, सिंगलल्लूर, कोयम्बतूर (डाकुमेंट
सं० 2011/80)राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, मद्रास ।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीख : 13-7-81

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०---

(1) श्री पोम्यामोलि राजेश्वरी ।

(अन्तरक)

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(2) श्रीमती अमीना बीबी ।

(अन्तरिती)

269-प (1) के अंडी सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 जुलाई, 1981

निदेश सं० 9215—अतः मुझे, राधाबालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 182/2, 183/1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 184/42, है जो कि अविशेषपुरम्, दिल्ली से स्थित है और इससे उपावद में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी का कार्यालय, दिल्ली (डाकुमेंट सं० 6709/80 से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1980

को पूर्वोन्नत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोन्नत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं हिता गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की आवत उक्त अधिनियम, के अधीन कर के ने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोन्नत सम्पत्ति के अर्जन के लिए जारीकार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोन्नत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास जिम्मेदारी में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शब्द होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मानसूची

भूमि और निर्माण—सर्वे सं० 182/2, 183/1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 184/1, 2, 3 अविशेषपुरम्, टीकी।

राधाबाल कृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक अम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ना के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा की 269-प को उपरारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जत।—

विनांक : 13-7-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री तिरुवेंकट चेट्टीयार, सेल्लप चेट्टीयार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री देवद पेरूनवेदी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

करे यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 जुलाई, 1981

निवेश सं. 9167—अतः मुझे, राधाशालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. 110, सुम्माराय चेट्टीयार स्ट्रीट, है, जो
पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप
से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी
(शाकुमेंट सं. 2364/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन नवम्बर,
1980कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में
वास्तविक रूप से कीभूत नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से दूर हो किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/मा

कृपालू

भूमि और निर्माण—110 सुम्माराय चेट्टीयार स्ट्रीट,
पांडिचेरी।
(शाकुमेंट संमें 2364/80)।(क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का
भ्र-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इचारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अराधाशालकृष्णन

सक्रम प्रधिकारी

सहायक आयकर त्रयम् निरीकण)

अर्जन रेज, II, मद्रास

अतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिसूचना अद्यता:—विनांक : 13-7-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री आर श्रीधरन ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1981

निवेश सं. 9168—अतः मुझे, राधाबालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. 51, जवाहर लाल स्ट्रीट, पांडिचेरी है, जो
पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी
(डाकुमेंट सं. 2371/80 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1980 का 16) के अधीन, नवम्बर,
1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तष्ठ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में आस्तीनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण में हूँड़ किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अन्तरणी

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को पिन्है भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।भूमि और निर्माण—51, जवाहर लाल नेहरू स्ट्रीट,
पांडिचेरी।
(डाकुमेंट सं. 2371/80)।राधाबालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धातः:—

दिनांक : 13-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप मार्फ़० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० गंगाधरन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कुमार स्वामी और रंगस्वामी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1981

निवेदन सं. 11151, अतः मुझे, राधाबालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सर्वे सं. 432, है, जो अट्टी में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अट्टी (डाकुमेंट
सं. 1700/80) से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त गम्भीरि का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरूप
लिखित में शास्त्रिक रूप से लिखित नहीं दिया गया है :—

(क) प्रत्यरूप से हुई किसी आय की बाबत, सक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तिथाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री एस० गंगाधरन ।

(2) श्री कुमार स्वामी और रंगस्वामी ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्ट्होकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-F में परिभ्राष्ट
हैं, वही वर्ण होगा, जो उस व्यव्याप में दिया
गया है।

मनुष्यों

भूमि और निर्माण—432, सर्वे सं. 43/2, ऊटी।
(डाकुमेंट सं. 1700/80)।

राधाबालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

दिनांक : 13-7-1981

मोहर :

प्रूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एस० कोठस्वामी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० कोठस्वामी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जुलाई 1981

निवेश सं० 11145—अन्तः मुझे, राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सर्वे सं० 310, है जो टेलुगुपालनम् में
स्थित है (और इससे उपांचाल में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट
सं० 4170/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हैं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण—सर्वे सं० 310, टेलुगुपालनम् ।
(डाकुमेंट सं० 4170/80) ।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभासा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धा:—

दिनांक : 3-7-1981

मोहर :

प्रह्लाद बाहू.टी.एस.एस.-----

(1) श्री पठमराज

(अन्तरक)

(2) श्री डेविड

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई, 1981

निदेश सं० 11150—अतः मझे, राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 10.13.3, है, जो मेट्र यालयम में स्थित
है (और इससे उपाख्य में और पूण्य रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेट्र यालयम (डाकुमेंट
सं० 2378/80 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) अधीन, नवम्बर, 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षे) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए नया पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्त्रियक रूप से कीभित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, पिछ्ने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा इकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सहित
के लिए;भूमि और निर्माण— 10.13.3, मेट्र यालयम ।
(डाकुमेंट सं० 2378/80) ।राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

दिनांक : 2-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री नटराजन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नारायण चेट्टियार ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई, 1981

निवेश सं० 9184—अतः मुझे, राधामालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सूक्ष्म प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसको सं० 2 है, जो में आरेकोट्टै कारेकुठी-2 में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कारेकुठी (डाकुमेंट सं०
1470/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1980को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूँ इ^१ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा
के लिए; और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सूचिभा के लिए;

मनुसूची

भूमि और निर्माण—2, सेखालै कीट्टै, कारेकुठी ।।।
(डाकुमेंट सं० 1470/80) ।राधा बालकृष्ण
मक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज-II, मद्रास ।अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी प्रथातः:—

दिनांक : 2-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री जानकीरामन और अदरस।

(अन्तरक)

(2) श्री रौड टेबल फौंडेराम।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1981

निदेश सं. 16008—आयकर मुद्रा, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि उन्नावर समाति, जिसका इनिल दातार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 69, है, जो नुंगमपाख्यम है रोड, मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारत मद्रास काकूमेन्ट सं. 4886/80 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद दातार का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का फ़न्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि और निर्माण—69, नुंगमपाख्यम है रोड, मद्रास।
(काकूमेन्ट सं. 4886/80)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जहतः—

12—196GJ/81

दिनांक : 9-7-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती चन्द्रमति माधवन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) डॉक्टर आर० बेल्ली ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1981

निवेदा सं० 11195—श्रत: मुझे राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 19, आशयकरम् रोड, वेस्ट है, जो
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबृह अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर
(डाकुमेंट सं० 5908/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर,
1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उन्नित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उन्नित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
रूप से कथित नहीं किया गया है:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण में हर्दू किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में संविधा
के लिए; और/याभूमि और निर्माण—19, आशयकरम् रोड, कोयम्बटूर।
(डाकुमेंट सं० 5908/80)।(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 2-7-1981

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एन०----

(1) श्रीमती आर. सरोजनी ।

(प्रतारक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्रीमती शीला इन्वेस्टमेंट्स (प्रा०) लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जलाई 1981

निदेश सं० 11219—अतः मध्ये, राधा बालकृष्ण न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके इकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अंतर्गत प्रधान प्राधिकारी का, यह विवाह करने का कारण है कि स्थायीर सम्पत्ति विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे सं० 294, 295, 296, 297, 298 और 299 है, जो बठकबूतिनधम से स्थित हैं] (और इससे उपाबूत में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उठुमलपेट (डाकुमेंट सं० 3001/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युगे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्दर प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाकी, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपलब्धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त विवाह के प्रत्येक के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या उत्सवन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी ने से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य अवधि द्वारा, अधीनस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एषटोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—सर्वे सं० 294, 295, 296, 297, 298,
299 बठकबूतिनधम ।
(डाकुमेंट सं० 3001/80) ।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 13-7-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के प्रतीन मूलना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जुलाई 1981

निदेश सं० 11193—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा याहा है) की धारा 269-ब के अधीन सभी प्रायिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है तिन्हा स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए भी अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 364 है, जो राट्टिमठे सर्वे सं० 181, तिरुमलैयमपालयम में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकमेंट सं० 3864/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 नवम्बर, 1980 को

उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पक्का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती (प्रतिरितियाँ) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक का न रूपित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की शाश्वत, उक्त प्रधिनियम के प्रतीन कर देने के अन्तरक के दायित्व पे कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती शक्ती

(प्रस्तरक)

2. श्री हुसैन मोहम्मद

(अन्तरिती)

को यह मूलना तारो करके पूर्वी नम्पति के प्रतीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेप :—

(क) इस मूलना के राजपत्र व प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोत्साक्षरी के पास लिखित ये निम्न जात होंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ना, जो उक्त अधिनियम के प्रधाराय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही पर्याप्त होंगा, जो उन प्रधाराय में दिया गया है ।

मूलना

मूलना श्रीर निर्माण—सर्वे सं० 364, राट्टिमठे और सर्वे सं० 181, तिरुमलैयमपालयम (डाकमेंट सं० 3864/80) ।

राधा बालकृष्ण
सक्तम प्रायिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 14-7-1981
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आपकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) को
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 14 जुलाई 1981

निवेश सं० 11193—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन उत्तम ग्राधिकारी को, यह विषयावान उत्तर का कारण है। स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- *० में अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० सर्वे 364 राट्टिमठे और 181, तिरुमलै-यमपालयम है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपादान में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (आकूमेंट सं० 3863/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 नवम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सर्वत के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित को गई है और मूल यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्वत का उचित बाजार मूल्य उभय दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के फन्दहू प्रतिशत से प्रतिकूल है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) प्रोर अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उत्तम पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश में उक्त ग्रन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कायदत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के दृश्यरण में, ये, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपषाया (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती लक्ष्मी

(अन्तरक)

2. श्री मोहमदाणी

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायदाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा, अबोद्धुस्ताकारी के पास लिंगिन में किए जा सकें।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20 के यथापरिभाषाओं हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

भग्नसूची

भूमि श्रीमी—सर्वे सं० 364, राट्टिमठे और 181, तिरुमलैयमपालयम, (आकूमेंट सं० 3864/80)

राधा बालकृष्ण
सभम ग्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 14-7-1981

मोहर:

प्रृष्ठ ३४५. टी. एन. एस. ——

१. श्री जयराम

(अन्तरक)

ब्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९-ग (१) के अधीन सूचना

२. श्री बालसुखमनियम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक १० जुलाई १९८१

निवेश सं० ११२११—यतः, मुझे, राधाबालकृष्ण, आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा २६९-ग (१) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० २८, है जो वेस्ट बाश्वकरलू रोड, कोयम्बूदूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कोयम्बूदूर (डाकूमेंट सं० ६३८९/८०) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख १६ नवम्बर, १९८०

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाण्य गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-२८, वेस्ट बाश्वकरलू रोड,
कोयम्बूदूर।

डाकूमेंट सं० ६३८९/८०)

राधाबालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग की उपभारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: १०-७-१९८१

मोहर:

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—

1. श्री जयराम

(अन्तरक)

आधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री महादेव अम्बर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1981

निदेश सं० 11211—यतः, मुझे, राधाबालकृष्ण, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सभी प्राधिकारों नो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 17ए है, जो वेस्ट बाश्यकरलू रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपायदू अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकमेंट सं० 6388/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुर्दि किसी आय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया] या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-17ए, वेस्ट बाश्यकरलू रोड,
कोयम्बटूर।
(डाकमेंट सं० 6380/80)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10-7-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन वचन

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1981

निदेश सं० 11213—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के पश्चीन सक्षम प्राधिकारी द्वा० यह विवास करने का
कारण है कि इसावर मंदिर, चिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 178, 154, पेरियनायखन-
पालयम है, जो नरसिम्मानपालयम में स्थित है (और इससे
उपाधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वरिष्ठ है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियनायखनपालयम (डाकूमेंट
सं० 2332/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 16 नवम्बर
1980

को पूर्वोक्त वापति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पति-
कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्थि अतिशयत
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा नामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया

—

(क) अन्तरण से दूर्वा० किसी आय की वावत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन हर त्रैने के अन्तरक के दायित्व
में कमो नहीं या उसे त्रैने में मुविधा के लिए;
शौरगा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थि आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
बाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

यतः, यद्यु, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवराजन

(अत्तरक)

2. श्री प्रग्निर सपिन्नरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के
लिए जारीकार्यालय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के परंपरा में हाई बोर्ड मी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के दाववाले व उक्तानन द्वी गारेव में
45 दिन की अवधि या तस्वीरों वाक्तियों पर सूचना
द्वी तामोस से 30 दिन की प्रविष्टि, जो भी प्रविष्टि
द्वाद में ननाप्त होती हो, 6 रात्र इराहा व्यक्तियों
में 1 फिनी अप्रिक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजाव ने उक्तानन द्वी तारीख से
45 दिन के बीत उक्त व्याहर पाति में
हितबद्ध किसी अन्य अप्रिक्त द्वारा, प्रभोहस्तान्त्री
के रास लिखित में लिए ना सहेंगे।

प्रब्लेम्स :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिमापित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे 178, 154, परियनायखनपालयम, नर-
सिम्मानायखनपालयम ।

(डाकूमेंट सं० 2332/80)

राधा बालकृष्ण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10-7-1981

मोहर :

प्रस्तुत आइ. टी. एन. एस. —————

(1) श्री देवराजन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पादये ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई, 1981

निर्देश सं० 11213—यतः, मुझे, राष्ट्रा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 9120/2 और 155, हैं जो पेरियानाय-केनपालायम, नारासिम्मानायकेनपालायम में स्थित हैं (और इससे अपावृद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियानायकेनपालायम (डाकूमेंट सं० 2333/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 नवम्बर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवेकास मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13-196GI/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के व्यायाम 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस व्यायाम में दिया गया है।

मनूसनी

भूमि सर्वे सं० 178, 154, 120/1, 155, नारासिम्मा-नायकेनपालायम (डाकूमेंट सं० 2332, 2333/80)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 10-7-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई, 1981

निर्देश सं० ९१६४—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 २६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 २५,०००/ रु. से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं० २७०,२७६,३०९,२७१ है, जो
 मेलाकाडू में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्णे
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय,
 मुथुपेट (डाकूमेंट सं० १८६०/८०) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1980
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
 (अन्तर्रारितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 है से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की आवात उक्त वर्ति-
 नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुन्दरेश देवार ।

(अन्तरक)

(2) मुथुलक्ष्मी अम्माल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येपः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बद्रूष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में
 दिया गया है।

मन्त्री

भूमि और निर्माण — सर्वे २७०,२७६,३०९,२७१,
 मेलाकाडू (डाकूमेंट सं० १८६०/८०)।

राधा बालकृष्णन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखः 13-7-81
 मोहरः

प्रस्तुत वार्ड.टी.एन.एस.-----

(1) एस० नामांगिरी अम्माल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मुश्तुलक्ष्मी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कं यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

अर्जन रेज-II, मद्रास

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

मद्रास, विनांक 13 जुलाई, 1981

45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निदेश सं० 9164—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० सर्वे 269 है, जो मेलाकाड़ी में स्थित
है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुश्तुपेट (डाकूमेंट सं०
1861/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16), के अधीन नवम्बर, 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

भाग—सर्वे सं० 269 मेलाकाड़ी (डाकूमेंट सं० 1861
/80)।(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;राधा बालकृष्णन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 13-7-81

मोहर:

प्रस्तुप आर्ह. टी. एन. एस.-----

(1) श्री रामचन्द्रन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती शीला इनवेस्टमेंट (प्रा०) लिमिटेड ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर आयकर अधिनियम (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 जुलाई, 1981

निर्देश सं० 11219—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० सर्वे सं० 290 है, जो बादाम्बिनायम स्थित
है (और इसमें उपाध्य अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उड्डमलपेट (बाकू-
मेंट सं० 3000/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाय गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/याको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहै भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अंकित द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
वित्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं,
वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि—सर्वे सं० 290, बादाम्बिनायम (डाकूमेंट सं०
3000/80) ।(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रासयतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख: 13-7-81
मोहर:

प्रख्य आई. टी. एम. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास
 मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1981

निदेश सं० 11220—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘जैसे इसमें
 इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की भारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी सं० सर्वे सं० 2, है, जो चिन्नावालाकाडी में स्थित
 है (और इससे उपावद अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से बण्ठित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, उड्डमलपेट (डाकूमेंट
 सं० 3110/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर
 1980

क्यों पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
 विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री रामचन्द्रन

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश चन्द्रन इन्वेस्टमेंट्स (पि०) लिमिटेड
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
 अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिंसेंस
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
 कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
 और/या

अनुमूल्य

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

भूमि सर्वे सं० 2, चिन्ना वालाकाडी ।
 (डाकूमेंट सं० 3110/80)

राधा बालकृष्णन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

तारीख: 13-7-1981

मोहर:

प्रूफ आर्फ. टी. एन. एस. -----

1. श्री दामोदरन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना2. श्री जगदीश चन्द्रन इनवेस्टिमेंट्स (पी०) लिमिटेड
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-JI, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1981

निदेश सं० 11220—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 2 है, जो विनावालावाड़ी में स्थित है (और इससे उपावङ्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडुमलपेट (डाकूमेंट सं० 3111/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पात्र गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुए है किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्ट में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 2, विनावालावाड़ी
(डाकूमेंट सं० 3111/80)

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्णन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 13-7-1981

मोहर:

प्रकाश नार्ड० टी० एम०एस०—

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 नवम्बर 1981

निदेश सं० 9185—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन, आगकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा 269-वा के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विवाद उचित बाजार मूल्य 25,000/- इये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 227/1 वी है, जो कजहानिवासाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काराईकुड़ि (डाकमेंट सं० 1440/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के विषयान प्रतिफल के लिए अधिकारी की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अवधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रान्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विविध में कमी करने या उससे बचने वे सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु या वस्तु आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाय या किया जाना चाहिए या, छिपाने वे सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अनुचरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की भारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

1. श्री मुशुरामालिंगा ग्नानावेसिकर मत्र

(अन्तरक)

2. श्री लिंगम एण्ड कम्पनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन भी अवधि या तस्वीरन्दी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन भी तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी वस्तु व्यक्ति 'हारा, अद्वैहस्ताकरी' के पास लिखित में लिए जा सकें।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त वस्तुओं पर वार्ता; जो उक्त प्रधिनियम, के विषय 20-क में परिभ्रान्त है, वही पर्यंत होता, जो उक्त विषय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि —सर्वे सं० 227/1वी, कजहानिवासाल।
(डाकमेंट सं० 1440/80)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 2-11-1981
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री मुतु रामलिंग ज्ञान देसिकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

2. श्रीमती मीनाक्षी और कम्पनी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 नवम्बर 1981

निवेश सं० 9185—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं० 227/1बी है, जो कलनिवासल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, कारैकुड़ि (डाकमेंट सं० 1441/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1980

को नूरांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 227/1बी, कलनिवासल
(डाकमेंट सं० 1441/80)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भूमि सर्वे सं० 227/1बी की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

तारीख 2-11-81
मोहरः

प्रकृष्ट बाहर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 नवम्बर 1981

निदेश सं. 9185—यतः, मुझे, राष्ट्रा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं. 227/1 भी है, जो कलनिवासस में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कारैफुडि (डाकूमेंट सं. 1442/80) में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1930

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

पूर्ण सर्वे सं. 227/1बी- कलनिवास।
(डाकूमेंट सं. 1442/80)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुधारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

राष्ट्रा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्राप्तकर्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:—

14-196G/81

1. श्री मुतु रामलिंग ज्ञानदेसिकर मत

(अन्तरक)

2. श्री करपगम और कम्पनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सारीमाल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

तारीख: 2-11-1981

मोहर:

प्रह्लप बाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन संख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 नवम्बर 1981

निवेश सं० 9185—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

मौर जिसकी सर्वे सं० 227/1ए है जो कलनिवासल
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रविकारी के कार्यालय कारैकुड़ि (डाकू-
मेंट सं० 1489/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर
1980

को प्रदूषक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रावृत्ति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यन महीं किया गया है:—

1. श्री मुतु रामलिंग ज्ञान देसिकर मत
(अन्तरक)
2. श्रीमती मीनाक्षी और कम्पनी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोप :—

- (क) इस ग्रन्थना के ग्रन्थपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ग्रन्थपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरक से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
करने का कारण या उसमें उन्नति में मतिष्ठा के लिए और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन दा अन्य आस्तियों
को, जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया रखा
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मतिष्ठा
के लिए;

मूल्य

भूमि —सर्वे सं० 227/1ए, कलनिवासल।
(डाकूमेंट सं० 1489/80)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

तारीख: 2-11-1981

मोहर:

प्रस्तुप आइ. दी. एन. एस. -----

1. श्री मुतु रामसिंगम ज्ञान देसिकर भट्ट

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री करपगम और कम्पनी

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 नवम्बर 1981

निदेश सं. 9185—यतः मुझे, राष्ट्रा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं. 227/1 वी है, जो कलनिवासल में स्थित है (और इससे उपाबन्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कार्कुडि (डाकूमेंट सं. 1490/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसी अन्तरण के लिए तय दाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरदैश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हृद्दृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मद्रास शूल

भूमि—सर्वे सं. 227/1 वी, कलनिवासल
(डाकूमेंट सं. 1490/80)

राष्ट्रा बालकृष्ण

सहायक आयकर अधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II; मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, जैसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबत में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विक्षित व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

तारीखः 2-11-1981

मोहरः

प्रकृति वार्द्ध ३० दौ० दू० दू०—

आयकर विभाग, 1961 (1961 का 43) की घारा
२६०-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 नवम्बर 1981

निवेद सं० 9185—घरा: मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर विभाग, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त विभाग' कहा जाता है), की घारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा, यह विवरण करने का कारण है
कि उपायकर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है।

जौर जिसकी सर्वे सं० 227/1दी है, जो कलनिवासल
में स्थित है (जौर इससे उपायकर अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
कार्कुडि (डाकूमेंट सं० 1491/80) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1980

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्य में कभी कहते या उससे बचने में सूचिभा
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया
ती या या किसी बाबा भाग्यहृषि था, छिपाने में
सूचिभा के लिए;

घरा: उक्त उपर विभाग की घारा 26०-प के उपरान्त
में, में, उक्त विभाग की घारा २६०-प की उपरान्त (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुतुरामलिंगम ज्ञान देसिकर मत
(अन्तरक)
2. श्री चोखलिनगम चेट्टियार
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्वाक्षर सम्पत्ति वे छिपाकर किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोगस्थानी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्णित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 227/1दी कलनिवासल।
(डाकूमेंट सं० 1491/80)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 2-11-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 27 जुलाई 1981

निर्देश सं० III 501/अर्जन/81-82—अतः मुझे, हृष्य
नारायण,आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० वार्ड संख्या 2 सफिल संख्या है, तथा जो
17 हाईलैंडिंग संख्या 327 (पुराना) और 422 (नया) तौजी
संख्या 4046 दहियांवा टोला छपरा में स्थित है (और
इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय सारन में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10
नवम्बर, 1980।को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का
प्रदूषक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ग्रन्ति-
फल विनाशित रूपमें से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक
रूप से कार्यकारी नहीं किया पशा है—(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में सौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन प्रभालिक्षित व्यक्तियों अधारः—(1) श्री रामाशंकर प्रमाद सिंह बल्द बाबू बनर्ग मिह,
एडब्ल्यूकेट निवास। दहियांवा प्रसना मौजा, जिला
सारन।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती धनवरती देवी जौजे डा० रामजन्म शर्मा
निवासी ग्राम सुरत प्र० बाल थाना एकमा, जिला
सारन। वर्तमान निवासी मौजा ब्यामतक मतलके
वहमपुर थाना भगवान बाजार जिला सारन।

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्याप्रितायों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रावधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्याप्रितायों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी जन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन का एकांक 3 कट्ठा 5 धुर और 15.5 (साथे
पन्द्रह) धुरकों को मंजिला मकान सहित मौजा दहियांवा
टोला छपरा जिला सारन में स्थित है जो पूर्ण रूप से विभिन्ना
नं० 14722 दिनांक 10-11-1980 में वर्णित है एवं जिमका
निवासिन जिला अवर निवासिक पदाधिकारी सारन द्वारा संपन्न
हुआ है।हृदय तारामण,
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पटना

दिनांक 27-7-1981

मोहरः

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
 DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINIS-
 TRATIVE REFORMS
 CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 23rd July 1981

No. A-22020/1/81-Ad.V.—Shri S. Ramamoorthy, Crime Assistant, C.B.I. is promoted to officiate as Office Superintendent on ad hoc basis in Zone-II of CBI Head Office with effect from 13-7-1981 (Forenoon) *vive* Shri Tilak Raj, Officer Superintendent, proceeded on leave.

Q. L. GROVER,
 Administrative Officer (E)
 C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110022, the 21st July 1981

No. O.II-1444/79-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. (Miss) Iftekhar Unissa Begum as General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the CRPF Force in a temporary capacity with effect from 10-7-1981 (F.N) subject to her being medically fit.

No. O.II-1575/81-Estt.—The Director General C.R.P. Force is pleased to appoint Dr. (Miss) Sadhna Gupta as General Duty Officer Grade II in the C.R.P. Force on ad hoc basis with effect from the forenoon of 27-7-1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 22nd July 1981

No. O.II-1588/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. S. A. Pandit as General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 15-7-1981 subject to his being medically fit.

The 27th July 1981

No. O.II-1589/81-Estt.—The Director General, C.R.P. Force is pleased to appoint Dr. Ranbir Singh as General Duty Officer Grade II in the C.R.P. Force on ad hoc basis with effect from the forenoon of 13-7-1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI,
 Asstt. Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 1st July 1981

No. 11/8/81-Ad. I.—The President is pleased to appoint, by promotion Shri G. Nanjunda Gowda, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period not exceeding one year with effect from the forenoon of the 1st July, 1981 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarter of Shri Gowda will be at Bangalore.

3. The above-mentioned *ad hoc* appointment will not bestow upon Shri Gowda any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by him on *ad hoc* basis will not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical) nor for eligibility for promotion

to the next higher grade. The above-mentioned *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA,
 Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
 HIMACHAL PRADESH AND CHANDIGARH

Simla, the 22nd July 1981

No. Welfare/81-82/Misc./112.—Shri Raj Kumar Ghai, Accounts Officer of the Office of the Accountant General Himachal Pradesh and Chandigarh Simla (date of birth 5-8-1926) expired on 3-6-1981.

Sd/- ILLEGIBLE
 Sr. Dy. Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 20th July 1981

No. Estt./A/VII/9-86/Vol. II/127.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint Shri P. Bhaskaran (No. 1), Section Officer (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officer with effect from 16-7-1981 F.N. until further orders.

D. SIVARAMAKRISHNAN,
 Sr. Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF DIRECTOR OF AUDIT

DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 24th July 1981

No. 2252/A-Admin/130/79-81.—On attaining the age of superannuation S/Shri A. N. Gopalakrishnan and M. Kalyana-sundram Audit officers of the Audit Department, Defence Services, retired from service, with effect from 30-4-1981 (A.N.) and 30-6-1981 (A.N.) respectively.

I. P. SINGH,
 Jt. Director of Defence Services

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 15th July 1981

No. 26/G/81.—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of DADGOF/DM with effect from the date shown against them:—

(1) Shri M. M. Agarwal, Offg. Asstt.	Director	12th Sept., 1970
(2) Shri S. P. Pal, Offg. Manager		1st Aug., 1975.
(3) Shri Prem Narain, Offg. Manager		1st Aug., 1975.
(4) Shri B. K. Rao, Offg. Manager		1st Aug., 1975.
(5) Shri P. K. Gupta, Offg. Manager		1st Aug., 1975.
(6) Shri N. L. Dubey, Offg. Manager		1st Sept., 1975.
(7) Shri M. L. Khanna, Offg. Manager		1st Sept., 1975.
(8) Shri U. K. Srivastava, Offg. Manager		18th Sept., 1975.
(9) Shri O. P. Kalra, Offg. Manager		14th Oct., 1975.
(10) Shri S. B. Pal, Offg. Manager		1st Dec., 1975.
(11) Shri S. N. Singh, Offg. Manager		1st Dec., 1975.
(12) Shri M. C. Jindal, Offg. Manager		1st Jan., 1976.
(13) Shri C. Moidu, Offg. Manager		1st Jan., 1976.

(14) Shri A.K. Majundar, Offg. Manager 1st Jan., 1976.
 (15) Shri P. N. Jhingran, Offg. D. M. 1st Jan., 1976.
 (Since expired).
 (16) Shri A. R. Basu, Offg. Manager 1st Feb., 1976.
 (17) Shri A.C. Das, Offg. Sr. DADGOF 1st Feb., 1976.
 (18) Shri G. R. Anand, Offg. Manager 1st Feb., 1976.
 (19) Shri P. C. Thakur, Offg. Manager 1st Feb., 1976.
 (20) Shri M. L. Gupta, Offg. Manager 1st March, 1976.
 (21) Shri C. Ramachandran, Offg. Manager 1st Mar., 1976.
 (22) Shri K.R. Sankaran, Offg. Manager 1st May, 1976.
 (23) Shri S.P. Agarwal, Offg. Manager 1st June, 1976.
 (24) Shri S. Mukherjee, Offg. Sr. DADGOF 1st July, 1976.
 (25) Shri R. K. Varshneya, Offg. Manager 1st July, 1976.
 (26) Shri A.K. Rajpal, Offg. Manager 1st Aug., 1976.
 (27) Shri S. Balachandran, Offg. Manager 1st Aug., 1976.
 (28) Shri S. N. Haldar, Offg. Sr. DADGOF 1st Oct., 1976.
 (29) Shri S. Jeyapaul, Offg. Sr. DADGOF 1st Oct., 1976.
 (30) Shri B.S. Prithviraj, Offg. Manager 1st Oct., 1976.
 (31) Shri S.P. Jain, Offg. Manager 1st Jan., 1977.
 (32) Shri K. Shunmugam, Offg. Manager 1st Jan., 1977.
 (33) Shri S. S. Gadgala, Offg. Manager 1st Jan., 1977.
 (34) Shri B. Shahdadputi, Offg. Manager 1st Mar., 1977.
 (35) Shri K. K. Bhagati, Offg. Manager 1st Apr., 1977.
 (36) Shri C.V.S. Rao, Offg. Manager 1st May, 1977.
 (37) Shri D.K. Bhagat, Offg. Manager 1st May, 1977.
 (38) Shri K.L. Sapra, Offg. Manager 1st June, 1977.
 (39) Shri A. Nagpal, Offg. Manager 1st Nov., 1977.
 (40) Shri B. L. Sharma, Offg. Manager 1st Feb., 1978.
 (41) Shri R.M.K. Pillai, Offg. Manager 1st May, 1978.
 (42) Shri S.M. Asmathula, Offg. Manager 1st May, 1978.
 (43) Shri V.R. Rao, Offg. Manager 15th June, 1978.
 (44) Shri J. S. Rastogi, Offg. Manager 1st July, 1978.
 (45) Shri Vir Singh, Offg. Manager 8th July, 1978.
 (46) Shri M. Chandran, Offg. Dy. Manager 1st Aug., 1978.
 (47) Shri L.C. Choudhury, Offg. Dy. Manager 1st Oct., 1978.
 (48) Shri S. H. Khan, Offg. Dy. Manager 1st Oct., 1978.
 (49) Shri V.P. Chandra, Offg. Dy. Manager 1st Nov., 1978.
 Manager.

V. K. MEHTA,
 Asstt. Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE
 OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
 AND EXPORTS

New Delhi, the 22nd July 1981

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 1/2/81-Admn.(G)/4398—The President is pleased to appoint Shri Shankar Chand, an officer officiating in Grade I of the CSS to continue to officiate as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports with effect from the forenoon of the 9th June, 1981, until further orders.

A. S. KAUL,
 Dy. Chief Controller of Imports and Exports
 For Chief Controller of Imports and Exports

DEPARTMENT OF TEXTILES
 OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
 FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 18th July 1981

No. A-12025(i)/9/80-Admn. II(A)—The President is pleased to appoint with effect from forenoon of the 21st May, 1981 and until further orders Shri Ram Mahesh Gautam as Senior Lecturer in Textile Chemistry in the Indian Institute of Handloom Technology, Varanasi.

P. SHANKAR,
 Addl. Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY
 DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
 OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
 SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 24th July 1981

No. 12/363/62-Admn. (G).—Consequent upon his reversion from deputation with the District Industries Centre, Silvassa under Dadra and Nagar Haveli Administration, Shri JK Syal, has assumed charge of the post of Asstt. Director (Gr. I) (Mechanical) in the office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the forenoon of 13th July 1981.

C. C. ROY,
 Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
 DISPOSALS
 (ADMN. SECTION-6)

New Delhi, the 27th July 1981

No. A-6/247(376).—Shri S. S. Seth, a permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Deputy Director of Inspection, Kanpur under Northern Inspection Circle has been compulsorily retired from Government Service w.e.f. the afternoon of 23rd April, 1981.

P. D. SETH,
 Deputy Director (Administration)
 For Director General of Supplies and Disposals

New Delhi, the 27th July 1981

No. A-32013/10/80-A6.—The President is pleased to appoint Shri M. P. Chowdhury, officiating Deputy Director of Inspection (Met-Chem) Branch (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' Met-Chem Branch), in the office of Director of Inspection, Burnpur in the same post on regular basis with effect from the forenoon of 10-6-1981.

2. Shri Chowdhury will be on probation for a period of 2 years from 10-6-1981.

P. D. SETH,
 Deputy Director (Administration)

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
 NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING
 ORGANISATION

Calcutta-19, the 25th July 1981

No. 35-2/81-/Estt.—Shri Sukumar Mukherjee and Shri Lila Dhar, Senior Research Assistant are appointed as Scientific

Officer in the National Atlas and Thematic Mapping Organisation on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the forenoon of 20th July, 1981, until further order.

S. P. DAS GUPTA,
Director.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 21st July 1981

No. 10/4/78-S-III.—Consequent upon his resignation Shri S. K. Taneja, Asstt. Engineer, All India Radio, Ahmedabad has been relieved of his duties in All India Radio w.e.f. the afternoon of 11-7-1981.

H. N. BISWAS,
Deputy Director of Administration,
for Director General.

New Delhi, the 24th July 1981

No. 6(64)63-SI.—On attaining the age of superannuation, Shri P.L. Sarin, Programme Executive, Radio Kashmir, Jammu retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June, 1981.

No. 6(120)63-SI.—On attaining the age of superannuation, Shri S. B. Kar, Programme Executive, All India Radio, Gauhati retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June, 1981.

The 25th July 1981

No. 7(128) 58-SI.—On attaining the age of superannuation, Shri B. S. Bhatnagar, Programme Executive, All India Radio, Lucknow retired from Government service with effect from the afternoon of the 30th June, 1981.

No. 6(154) 62-SI.—On attaining the age of superannuation, Shri B. Ganesh Rao, Programme Executive, All India Radio, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of the 30th June, 1981.

H. C. JAYAL,
Dy. Director of Administration,
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 22nd July 1981

No. A. 19012/2/80-SI.—On attaining the age of superannuation Shri P. M. Pathare, Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot, Bombay retired from service with effect from the afternoon of the 30th June, 1981.

SHIV DAYAL,
Deputy Director Administration (Stores).

New Delhi, the 22nd July 1981

No. A-12026/3/81(AIHPH)-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Agarwal, (an officer of Grade III of the I.S.S.) to the post of Assistant Professor of Statistics at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta in a temporary capacity and until further orders with effect from the forenoon of the 30th April, 1981.

The 24th July 1981

No. A. 12026/6/78(CRI)/Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. M. Sarkar to the post of Accounts Officer at the Central Research Institute, Kasauli, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 8th June, 1981 and until further orders.

T. C. JAIN,
Deputy Director Administration (O&M)

**MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION**

Faridabad, the 24th July 1981

No. A. 19025/8/81-A. III.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Rajaram Vithalrao Joshi has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur with effect from 2-6-1981 (F.N.), until further orders.

No. A. 19025/23/81-A. III.—Shri V. P. Sharma, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad, on *ad-hoc* basis, with effect from 10-7-1981 (F. N.) until further orders.

The 25th July 1981

No. A. 19025/6/81-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Ratnakar Madhao Rao Devikar has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Madras with effect from 30-6-1981 (forenoon) until further orders.

B. L. MANIWAR,
Director of Administration,
for Agricultural Marketing Adviser

FOREST SURVEY OF INDIA

Dehradun-248001, the 24th July 1981

No. 4-9/73-Adm (Vol. III).—Consequent on closing of Pre-investment Survey of Forest Resources, Bhutan Project, Shri G. S. Grover, Section Officer of Ministry of Finance (Cadre Admn. Section) New Delhi who was working as Administrative Officer in Preinvestment Survey of Forest Resources, Bhutan Project, has relinquished the charge of the post of Administrative Officer w.e.f. the afternoon of 31-5-1981 and his services have been replaced at the disposal of the Ministry of Finance (Department of Expenditure) Cadre Admn. Section, New Delhi.

A. B. CHAUDHURI,
Director.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay, the 22nd May 1981

No. D-769/Estt. II/2288.—Shri Govind Mahadev Dabke, a permanent Assistant Accounts Officer and officiating Accounts Officer II in this Research Centre voluntarily retired from Government service under FR 56(k) on the afternoon of April 10, 1981.

Kum. H. B. VIJAYAKAR,
Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushabti—323303, the 16th July 1981

No. RAPS/09002/G/(845)/81/S/622.—Consequent upon his posting as Accounts Officer-III in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad vide DAE's Office Order No. 20/6(3)/79-CCS/394 dated April 3, 1981, Shri D.B. Pasrija, Accounts Officer-II in this Project, relinquished Charge of his post in Rajasthan Atomic Power Project on the afternoon of 23rd May, 1981.

GOPAL SINGH,
Administrative Officer (E),
For Chief Project Engineer.

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 22nd July 1981

No. AMD-1/32/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri C. V. Siva Prasad as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of June 22, 1981 until further orders.

No. AMD-4/15/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Amar Nath, permanent Technical Assistant 'C' as Scientific Officer/SB in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February, 1, 1981 until further orders.

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Lalit Kumar Nanda as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of July 6, 1981 until further orders.

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Ravindra Nath as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of July 7, 1981 until further orders.

M. S. RAO,
Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 22nd July 1981

No. E(I) 00863.—Resignation of Dr. V. K. Garg, Meteorologist Grade I, Headquarters office of the Director General of Meteorology, New Delhi, India Meteorological Department, has been accepted w.e.f. the afternoon of 30th Sept., 1980.

K. MUKHERJEE,
Meteorologist (Establishment),
for Director General of Meteorology.

New Delhi-3, the 22nd July 1981

No. A. 32013(DDGM) (Ad. hoc)/1/80-E. I.—In continuation of notification of even number dated 5th May, 1981 the President has been pleased to extend the ad-hoc appointment of the undermentioned officers as Deputy Director General of Meteorology in India Meteorological Department upto date mentioned 15—196GI/81

against each or till the posts are filled up on regular basis, which ever is earlier :

1. Dr. A. K. Mukherjee 26-8-1981
2. Dr. A. A. Ramasastry 26-8-1981
3. Dr. A. S. Ramanathan 26-8-1981
4. Dr. S. M. Kulshrestha 26-8-1981
5. Shri S. N. Tripathi 30-6-1981

S. K. DAS
Additional Director General of Meteorology.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION E. I. SECTION

New Delhi, the 15th July 1981

No. A-32013/7/79-E. I.—The President has been pleased to the continuance of the ad-hoc appointment of S/Shri B. K. Gandhi and J. S. Chauhan in the grade of Scientific Officer beyond 30-4-1981 and upto 29-10-1981 or till the regular appointments to the grade are made whichever is earlier.

No. A-32013/3/79-E.I.—In continuation of this Department Notification No. A-32013/3/79-E.I., dt. 24-4-81, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri F. C. Sharma in the grade of Sr. Scientific Officer for a further period upto 29-10-81 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

S. GUPTA,
Dy. Director of Administration.

New Delhi, the 21st July 1981

No. A-32013/3/79-ES.—The President is pleased to sanction the adhoc appointment of the undermentioned two officers to the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection for the period as shown against each:—

1. Shri T. C. Ahluwalia from 20-11-80 to 9-5-81 against the resultant vacancy caused on promotion of Shri S.N. Sharma.
2. Shri C.V. Swaminathan (i) from 27-10-80 to 26-11-80 against the leave vacancy of Sh. M. M. Chawala, Controller of Aeronautical Inspection.
(ii) from 24-1-81 to 9-5-81 to ad-hoc appointment caused on transfer of Sh. M. M. Chawala to Headquarter.

No. A. 32013/3/79-ES:—In continuation of this office notification of even No. dated 11-9-80, the President is pleased to sanction the continued adhoc appointment of S/Shri S. Ranjan and V. D. Sethi in the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection upto 15-5-81 on usual terms and conditions.

The 22nd July 1981

No. A-38015/3/80-ES.—Shri V. H. Menon, Administrative Officer, (Group 'B' post) in the office of the Regional Director, Madras Region, Madras Airport, Madras relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st May, 1981, on attaining the age of superannuation.

No. A-38015/3/80-ES.—Shri R. G. Sarkar, Administrative Officer (Group 'B' post) in the office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, Calcutta, relinquished

charge of his duties in the afternoon of the 31st May, 1981, on attaining the age of superannuation.

J. C. GARG,
Assistant Director of Administration.

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION
(DEPARTMENT OF REHABILITATION)
REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION
OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER
Raipur-492015, the 15th July 1981

No. PF/G/59/17601.—Consequent upon his selection for appointment to the post of Agricultural Engineer under the Directorate of Plant, Protection, Quarantine and Storage, Ministry of Agriculture, Department of Agriculture and Co-operation, Government of India, NH-IV, Faridabad (Haryana), on deputation basis, Shri S. N. Pathak, relinquished the charge of Office of the Assistant Engineer, FMU-11, RRO., at MV-17, Malkangiri, Dist : Koraput (Orissa) on the afternoon of 30-6-81 for joining as Agricultural Engineer in the Office of the Project Director, Central Plant, Protection Training Institute, Rajendra Nagar, Hyderabad, under above Directorate.

B. P. SAXENA,
Administrative Officer,
For Chief Mechanical Engineer.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS,
(COMPANY LAW BOARD)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and on "M/s. Rammohan Films Private Limited".

Pondicherry-1, the 23rd July 1981

No. 95/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company, 'M/s. Ram mohan Films Private Limited', unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said Company will be dissolved.

B. KOTESWARA RAO,
Registrar of Companies,
Pondicherry

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Prima Tools and Dies Private Ltd.,

Ahmedabad, the 23rd July, 1981

No. 1299/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Prima Tools and Dies Private Limited has this day been struck off the Registrar and the said company is dissolved.

V. Y. RANE,
Asstt. Registrar of Companies,
Gujarat.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,
PUNJAB, H. P. & CHANDIGARH.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Mona Finance and Chit Fund Private Limited.

Jullundur, the 25th July 1981

No. G/Stat/560/2801/3023.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of Mona Finance & Chit Fund Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jindal Drugs and Chemicals Private Limited.

Jullundur, the 25th July 1981

No. G/Stat/560/3659/3020.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Jindal Drugs & Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

N. N. MAULIK,
Registrar of Companies,
Punjab, H.P. & Chandigarh,

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Vasant Tea Company Pvt. Limited.

New Delhi, the 26th July 1981

No. 7455/10334.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Vasant Tea Company Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. B. SAXEN,
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 7th July 1981

INCOME-TAX

No. CIT-VI-JUR/1981-82/6893.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notification F. No. JUR/DLI/IV/78-79/5047 dated 8th of May, 1980, Commissioner of Income-tax, Delhi-VI, New Delhi hereby directs that the Income-tax officers mentioned in Col. 2 of the schedule here in below shall have concurrent jurisdiction with Income-tax Officers mentioned in Col. 3 of the said schedule in respect of persons or classes of persons/incomes or classes of income/cases or classes of cases assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 of the Income-tax Act, 1961 or which hereafter be so assigned.

For the purposes of facilitating the performance of the functions, CIT Delhi-VI also authorises the I.A.C. Survey Range, New Delhi to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of section 124 of the Income-tax Act, 1961.

SCHEDULE

S. No.	Designation of the ITO	Concurrent Jurisdiction with Income-tax Officer
1	2	3
1.	Income-tax Officer, Survey Ward I (1), New Delhi.	Income-tax Officer, Survey Ward I (4), New Delhi.
2.	Income-tax Officer, Trust Circle-I, New Delhi.	Income-tax Officer, Survey Ward I (5), New Delhi.

1	2	3
3. Income-tax Officer, Trust Circle I & III, N. Delhi.	Income-tax Officer, Survey Ward I (5), New Delhi.	
4. Income-tax, officer, Trust Circle-IV, New Delhi.	Income-tax Officer, Survey Ward I (5), New Delhi.	
5. Income-tax Officer, Trust Circle-V, New Delhi.	Income-tax Officer, Survey Ward I (5), New Delhi.	

This Notification shall take effect from 15-7-1981.

F. No. JUR-DLI/VI/81-82/6979.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 and in partial modification of the Notification issued earlier on the subject, Commissioner of Income-tax, Delhi-VI, New Delhi hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on or assigned to the Inspecting Assistant Commissioner, Survey Range, New Delhi in respect of any area or persons or classes of persons or incomes or classes of incomes or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range VI-A, New Delhi.

2. For the purposes of facilitating the performance of functions, the Commissioner of Income-tax, Delhi-VI, N. Delhi in exercise of power conferred by section (2) of section 123 hereby orders that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-VI-A, New Delhi shall perform such functions which the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Survey Range, New Delhi would have performed in respect of any area or persons or classes of persons or incomes or classes of income or cases or classes of cases falling in the jurisdiction of Income-tax Officer, Survey Ward I (5), New Delhi and where

the name begins with alphabets 'L' to 'Z' (both inclusive) and in which returns of income have been filed for any asstt. year on or before 31-3-1981 and/or notice u/s 139(2)/148 of the Income-tax Act, 1961 has been issued for one or more assessment years on or before 31-2-1981.

3. This Notification shall take effect from 15-7-1981.

D. N. CHAUDHRI,
Commissioner of Income-Tax, Delhi-VI,
New Delhi.

New Delhi, the 14th July 1981

No. JUR-DLI/I/81-82/7341.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 125A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject CIT, Delhi-I hereby directs that all or any of the powers of functions conferred on, or assigned to the Income-tax Officer, Company Circle-XVI, New Delhi in respect of any cases as per annexures 'A' shall be exercised or performed concurrently by the IAC, Range-II (Asstt.), New Delhi.

2. For the purpose of facilitating the performance of functions CIT, Delhi-I, also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-II, New Delhi to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of section 125A of the Income-tax Act, 1961.

3. This Notification shall take effect from 15-7-1981.

N. S. RAGHAVAN,
Commissioner of Income Tax, Delhi-I,
New Delhi.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th July 1981

G. I. R. No. T-26/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot measuring four acres situated at Tulsipur, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi, on 14-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Rajiv Kumar Gupta.
(Transferor)

(2) The Varanasi Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Ltd., Through Shri Ramanuj Upadhyaya.
(Transferee)

(3) Above seller.
[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open land measuring four acres situate in Tulsipur, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 12038/5/81 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 14-11-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 10-7-1981.
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Shri Pramod Kumar Gupta.

(Transferor)

(2) The Varanasi Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Ltd., Varanasi.
Through Secretary, Shri Ramanuj Upadhyaya.

(Transferee)

(3) Above transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th July 1981

No. G. I. R. No. 10th July, 1981—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land Arazi Nos. 104, 105, 64 & 63 situated at Tulsipur, Varanasi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi, on 14-11-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land situated at Tulsipur, Varanasi, as under :

Arazi No. 104—27.5 decimal

105—75 "

64 .7 "

63 .5 "

103.7 "

and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 12037 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 14-11-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 10-7-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th July 1981

G. I. R. No. K-101/Acq.:—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house situate at Mohalla-Purdilpur, Gorakhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gorakhpur on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason for believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri 1. Vishwa Nath Pd.
2. Raj Kumar,
3. Vijay Kumar,
4. Ajoy Kumar,
5. Smt. Kamla Devi,
6. Krishna Murari Lal
7. Padam Prakash Minor S/o Krishna Murari Lal,
8. Dwarika Das.

(Transferor

(2) Shri 1. Krishna Behari Lal,
2. Suresh Kumar,
3. Raman Kumar,
4. Smt. Indu Devi,
5. Jai Prakash Narain Singh,
6. Nagendra Pratap Singh.

(Transferee

(3) Above transferees.

Person in occupation of the Property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house including land and building etc. situate at Mohalla Purdiipur, Gorakhpur and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 8803 5/81 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Gorakhpur, in November, 1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 10-7-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th July 1981

G. I. R. No. K-102/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house situate at Mohalla-Purdilpur, Gorakhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gorakhpur, on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri 1. Arun Prakash
2. Udai Prakash,
3. Joti Prakash, } Sons of Shri Gopal Das.
4. Anant Prakash S/o. Krishna Murari Lal.
5. Smt. Shyam Wati W/o. Shri Gopal Das.

(Transferor)

(2) Shri 1. Krishna Behari Lal,
2. Suresh Kumar,
3. Raman Kumar,
4. Smt. Indu Devi,
5. Jai Prakash Narain Singh.
6. Nagendra Pratap Singh.

(Transferee)

(3) Above purchasers.

(Person in occupation of the Property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house including building, courtyard etc. and land situate at Mohalla-Purdilpur, Gorakhpur and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 8804 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Gorakhpur as on November, 1980 (As per I.T.I's. report, dated 9-7-1981).

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 10-7-1981.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shanti Devi.

(Transferor)

(2) M/s. Nimm Evarn Madhyam Vargiya Sahkari Avas Samiti Malviya Nagar-Allahabad,
Through its Secretary, Shri Shyam Lal.

(Transferee)

(3) Smt. Shanti Devi.

Person in occupation of the
property.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th July, 1981

G. I. R. No. N-33/Acq.:—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 933/1068 situate at Mohalla-Purana Katra, Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Allahabad on 5-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

House No. 933/1068 situate at Mohalla-Purana Katra, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6039 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad, as on 5-12-1980 (As per 37 G Form).

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 13-7-1981.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

FORM LT.N.S.

(1) Shri (1) Dr. Ravindra Nath Verma,
(2) Girdhari Lal.

(Transferor)

(2) Shri (1) Pyarey Lal,
(2) Dhiraj Lal,,
(3) Dhanpat Lal.

(Transferee)

(3) Dr. Ravindra Nath Verma.

Person in occupation of the
Property.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th July, 1981

G. I. R. No. P-86/Acq.:—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-47/174-A situated at Luxa Road, Rampura, Varanasi, (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi, on 4-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of a double storeyed house No. D-47/174-A situated at Luxa Road, Rama Pura, Varanasi, area 291.80 sq. mts. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 10526 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 4-11-80

A. S. BISEN.,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 13-7-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiring of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16-196GI/81

FORM ITNS

(1) Shri Pateshwari Prasad Gupta.

(Transferee)

(2) Shri (1) Harish Kumar Singh.

(2) Jitendra Bahadur Singh.

(Transferee)

(3) Shri Pateshwari Prasad Gupta.

Person in occupation of the property.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th July 1981

G.I.R. No. H-39/Acq.—Whereas, J. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house situated at Mohalla-Mohaddipur, Gorakhpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gorakhpur, on 17-11-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

One house including courtyard, tin-shed and land etc. situated at Mohalla—Mohaddipur, Gorakhpur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 7504 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Gorakhpur, on 17-11-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1981.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Rameshinder Singh S/o Sj. Joginder Singh,
R/o Amargarh Khewat Benra through Sh. Gurbax Singh,
S/o Sh. Dasaundha Singh,
R/o Sherwani Kot.

(Transferor)

(2) Shri Nasib Chand S/o Sh. Babu Ram,
Sadar Bazar,
Near Ravi Textiles,
Dhuri.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. DHR/11/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 10 Kanal 9 Marlas situated at V. Benra, Teh. Dhuri.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhuri in Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 10 K 9 M at V. Benra, Teh. Dhuri.
(The property as mentioned in the sale deed No. 3513 of Nov., 80 of the Registering Authority, Dhuri.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. DHR/12/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Land measuring 10 Kanals 8 Marlas situated V. Benra, Teh. Dhuri.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhuri in Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh. Rameshinder Singh S/o S. Joginder Singh, R/o V. Amargarh, Khewatdar Benra through Special Attorney Sh. Gurbax Singh S/o Sh. Dasondha Singh, V. Sherwani Kot.

(Transferor)

(2) Shri Som Nath S/o Sh. Kasturi Chand C/o M/s. Kasturi Chand Som Nath, Cement Stockists, Hospital Road, Second Grain Market, Mansa, Distt. Bhatinda

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kanals 8 Marlas at V. Benra, Teh. Dhuri (The property as mentioned in the sale deed No. 3514 of Nov. 80 of the Registering Authority, Dhuri.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana..

Date : 15th July 1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. DHR/13/80-81:—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 20 Kanals 15 Marlas situated at B. Benra, Teh. Dhuri.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhuri in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Harinder Singh S/o Sh. Narinder Singh, R/o V. Amargarh. (Transferor)

(2) Shri Subhash Chand S/o Sh. Pyare Lal, C/o M/s. Babu Ram Pyare Lal, Grain Market, Near Police Station, Dhuri. Shri Nasib Chand Singla S/o Sh. Babu Ram, Sadar Bazar, Near Ravi Textile, Dhuri. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 20 Kanals 15 Marlas at V. Benra, Teh. Dhuri.
(The property as mentioned in the sale deed No. 3656 of Dec. 80 of the Registering Authority, Dhuri).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-7-1981.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. DHR/14/80-81:—Whereas I, [SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 20 Kanal 18 Marlas situated at V. Benra, Teh. Dhuri, Distt. Sangrur. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Dhuri in Dec., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afores exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurbax Singh S/o Dasondha Singh through General Attorney Sh. Rameshinder Singh S/o Sh. Joginder Singh R/o Amargarh.

(Transferor)

(2) Shri Nasib Chand S/o Shri Babu Ram, Sadar Bazar, Near Ravi Textile, Dhuri.

(Transferee)

Shri Som Nath S/o Sh. Kastur Chand, C/o M/s Kastur Chand Som Nath, Cement Stockists, Hospital Road, Second Grain Market, Mansa, Distt. Bhatinda.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 K 18 M at V. Benra, Teh. Dhuri.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3659 of Dec., 80 of the Registering Authority, Dhuri.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay the 15th July, 1981

Ref. No. DHR/15/80-81:—Whereas I SUKHDEV, CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 20 Kanal 18 Marlas situated at V. Benra, Teh. Dhuri, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhuri in Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Lt Col. Joginder Singh S/o Sh. Narinder Singh, R/o Amargarh through General Power of Attorney, Shri Harinder Singh S/o Narinder Singh.

(Transferor)

(2) Shri Nasib Chand Singla S/o Shri Babu Ram, Sadar Bazar, Near Ravi Textile, Dhuri.

Shri Subhash Chand S/o Sh. Pyare Lal, C/o M/s. Babu Ram Pyare Lal, Grain Market, Near Police Station, Dhuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land measuring 20 Kanals 18 Marlas at V. Benra, Teh. Dhuri.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3476 of Nov. 80 of the Registering Authority, Dhuri).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. AML/98/80-81:—Whereas, I, SUKHDEV, CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land measuring 10 Kanals 14 Marlas situated at V. Mugal Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohinder Singh S/o Sh. Kapoor Singh, R/o V. Mugal Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferee)

(2) M/s. Vivek Steel Industries, Gobindgarh through Shri Manohar Lal, Partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kanals 14 Marlas at V. Mugal Majra, S. Tehsil Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1625 of Nov. 80 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1981.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. KHR/29/80-81:—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory building at Land measuring 17 Kanal 5 Marlas situated at V. Chhajju Majra, Teh. Kharar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) M/s. Guru Nanak Rice & General Mills,
Chhajju Majra,
Teh. Kharar,
Distt. Ropar.

(Transferor)

(2) M/s. Maha Laxmi Rice Factory,
Chhajju Majra,
Teh. Kharar,
Distt. Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Factory Building at Land 17 Kanals 5 Marlas at Chhajju Majra, Tehsil Kharar, Distt. Ropar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3995 of Nov. 80 of the Registering Authority, Kharar).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

17—196GI/81

SUKHDEV CHAND,,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-19

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Gurcharan Singh S/o Sh. Jaimal Singh,
R/o House No. 127
Phase I, S. A. S. Nagar
Distt. Ropar,
as Special attorney holder of Sh. Jiwa Singh
S/o Sh. Moti Singh,
R/o SCF No. 18, Sec. 21C,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Gurmit Kaur W/o Sh. Sarmukh Singh,
R/o V. Rakoli, Teh. Kharar now at House No. 2459,
Sec. 19C, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. KHR/30/80-81:—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 145, situated at Phase-I, Mohali, Distt. Ropar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 145, Phase-I, Mohali, Distt. Ropar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4067 of November, 1980 of the Registering Authority, Kharar).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. CHD/274/80-81:—Whereas, I SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 136 situated at Sector 35A, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Maj. Mahal Singh Cheema S/o Sh. Atma Singh Cheema C/o Maj. G. S. Cheema, 75, Medium Regt. C/o 56 APO, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Dr. Uggar Sain Bansal S/o Sh. Bachna Ram, Dr. (Mrs.) Bimla Bansal W/o Dr. U. S. Bansal, R/o SCO No. 72, Sec. 35D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 136, Sector 35A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1620 of Nov., 80 of Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. CHD/23/81-82:—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. C. O. No. 317-318 situated at Sector 35B, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Ramesh Kumar,
Bharat Bhushan & Kapal Dev,
R/o 145, Sector 16A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Sh. Yadvinderpal Singh Gill,
Virinder Singh Gill,
Dalip Singh, Smt. Harpreet Kaur,
Gurcharan Kaur, Janak Kaur,
all through attorney S. Karnail Singh Gill,
R/o 749, Block 22,
Dashmesh Nagar, Gill Road,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. C. No. 317-318, Sector 35B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 173 of April, 81 of the Registering Authority, Chandigarh).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th July 1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. CHD/333/80-81:—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 3141 situated at Sector 21D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Feb., 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(1) Shri Kuldip Singh Gangawala S/o Shri Karam Singh, R/o House No. 3141/Sec. 21D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Lt. Col. Amrit Paul Singh Grewal & Maj. Gajinder Paul Grewal through their father Shri Prithpal Singh, R/o Sherpur Khurd, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3141/Sec. 21D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1886 of Feb., 81 of the Registering Authority, Chandigarh).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. CHD/272/80-81:—Whereas; I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1140, situated at Sector 34C; Chandigarh (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri T. N. Sharma S/o Late Sh. Chandu Lal Sharma, Central Base, Post Office C/o 56A P.O.

(Transferor)

(2) Shri R. L. Goyal S/o Sh. Shiv Ji Ram, Mrs. Shanti Devi Goyal W/o Sh. R. L. Goyal & Mrs. Bhagwanti W/o Sh. Shivji Ram R/o 1226, Sec. 19B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1140, Sector 34C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1591 of Nov., 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. CHD/267/80-81—Whereas, G, Sukhdev Chand being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 679, situated at Sector 11B Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Savitri Devi W/o Arya Muni Verma R/o 679, Sec. 11B, Chandigarh.
(Transferor)

(2) Shri Satinder Singh Chopra S/o Sh. Devinder Singh & Smt. Pukhraj Chopra W/o Sh. Satinder Singh Chopra, R/o House No. 679, Sector 11B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 679, Sector 11B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1576 of Nov., 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Shiv Ram S/o Shri Nagina Singh,
V. Khuda Ali Sher,
UT Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri John Mahi S/o Sh. Nathaniel Mahi
R/o House No. 1582,
Sec. 34D,
Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. CHD/278/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 21 Kanal 15 Marlas situated at V. Khuda Ali Sher, UT Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1980. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land 21 Kanals 15 Marlas at V. Khuda Ali Sher, UT Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1636 of Nov. 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. CHD/269/80-81:—Whereas, I SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 253, situated at Sector 35A, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Satnam Singh S/o Sh. Kishan Singh, R/o Khalsa College Amritsar through Special power of attorney Smt. Balbir Kaur D/o Sh. Gian Singh, V & PO Kalagran Pur, Teh & Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Birender Singh S/o Vikram Singh, R/o 253, Sec. 35A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 253, Sector 35A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1583 of Nov. 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

—196GI/81

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1981.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ajit Singh S/o Shri Kapoor Singh,
R/o V. Mugal Majra,
P. O. Mandi Gobindgarh,
S. Teh. Amloh,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s. Pawan Steel Corporation,
Mandi Govindgarh through
Shri Raja Ram, Partner.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. AML/102/80-81:—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 9 Kanal 3 Marlas situated at V. Mugal Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 9 Kanal 3 Marlas at V. Mugal Majra, S. Teh. Amloh Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1845 of Dec., 80 of the Registering Authority, Amloh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1981,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. AML/101/80-81.—Whereas, J. SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding **Rs. 25,000/-** and bearingNo. Land 10 Kanan 10 Marlas situated at V. Mugal Majra, S. Teh Amloh, Distt. Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amloh in Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ajit Singh S/o Sh. Kapoor Singh,
R/o V. Mugal Majra,
P. O. Mandi Govindgarh,
S. Teh. Amloh,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s. Pawan Steel Corporation,
Mandi Gobindgarh,
through Shri Raja Ram,
Partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 10 Kanan 10 Marla at Mugal Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1738 of Nov., 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, LudhianaDate : 15-7-1981.
Seal. :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. CHD/280/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 20 situated at Sector 10A, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Narinder Singh Attari S/o Sh. Shamsher Singh Attari, R/o U.S.A. through attorney Sh. Shamsher Singh Attari R/o 1188, Sec. 7, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gian Chand Garg, Advocate, S/o Shri Roshan Lal R/o House No. 20, Sec. 10A, Chandigarh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 20, Sector 10A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1646 of Nov., 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-7-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. CHD/281/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 218, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Maj. Dawarka Nath Sharma S/o Pt. Bindra Ban, through his attorney Mrs. Alam Deep Kaur W/o Sh. Sohan Singh V. Mathoda Kalan, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh S/o Sh. Jiwan Singh, 236, Sector 18A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 218, Sector 33A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1654 of Nov., 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15-7-1981.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1981

Ref. No. CHD/290/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 119 (Old No. 28) situated at Sector 28A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Smt. Surinder Amrik Singh W/o Late Maj. Gen. Amrik Singh, House No. A-109, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Gopal Krishan Puri S/o Sh. Devi Dayal Puri,
2. Smt. Santosh Puri W/o Sh. Gopal Krishan Puri,
3. Master Sandeep Puri S/o S.G.K. Puri,
all residents of House No. 18A, Nihal Bagh, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 119, (Old No. 28) Sector 28A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1696 of Dec. 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-7-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS—

(1) Sri Narsing Ram S/o Gowri Ram,
15-6-465 Begumbazar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Patasi Devi W/o Narsingh,
15-6-465, Begumbazar,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th July 1981

Ref. No. RAC No. 111/81-82:—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House 10/35, 36, 37 situated at Sowbhagya nagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

H. Nos 10/35, 10/36 and 10/37 at Sowbhagya nagar colony Opposite to I.D.P.L. colony, Narasapur Road, Hyderabad area 1516 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No .11785/80.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-7-1981.
Seal :

FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th July 1981

Ref. No. RAC No. 112/81-82:—Whereas, I S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agl. land situated at Maredpally village, Sec'bad.
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri Macherla Jaihind S/o Late Macherla Durgaiah,
2. Macherla Pandu S/o Late Macherla Durgaiah,
East Maredpally Secunderabad Cantonment.

(Transferor)

(2) The Ravi Co-operative Housing Society Ltd.,
TAB 22 of 1974 1-5-1559-1 Bakaram Road,
Hyderabad 20 President Sri K. Ashok Kumar
S/o Sri K. L. Patel and Secretary Dr. V. Sai Babu
S/o V. V. Ramana Rao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that portion of Agricultural land in Survey No. 42, 43, 44, 45 and 45 Up, extent 3266 sq. yards situated at Maredpally Village Secunderabad cantonment area Urban taluk Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 11899/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-7-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th July 1981

Ref. No. RAC/ 113/81-82:—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-110 situated at Sainikpuri R. R. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—196GI/81

(1) Capt. George Thomas S/o Late M. J. Thomas, C/o Capt. Kochaiyappan (Rtd.), 226, Frankless Bunglow, Tirumal giriy Secunderabad.

(Transferor)

(2) Lt. Col. G. Raghava Rao S/o Late G. K. Naidu, R/o 5-B Race Course Quarters, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises bearing No. B-110 Armed Forces Co-operative Housing Society, Sainikpuri Kapra village Medchal R. R. Dt. area 1641 sq. ft. registered with Sub-Registrar Medchal vide Doc. No. 2620/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-7-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th July 1981

Ref. No. RAC No. 114/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agl. land situated at Marcdpally village, Secunderabad and more fully described in the Schedule annexed here-to, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on December, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Macherla Jaihind S/o Late Micherla Durgaiah,
 2. Sri Macherla Pandu S/o Late Macherla Durgaiah,
 East Marcdpally,
 Secunderabad cantonment,

(Transferor)

(2) The Ravi Co-operative Housing Society Ltd., TAB 22 of 1974, 1-5-559/1, Bakaram Road, Hyderabad-20, President Sri K. Ashok Kumar, S/o Sri K. L. Patel and Secretary Dr. V. Sai Babu, S/o V. V. Ramana Rao

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that portion of Agricultural land in Survey No. 42, 43, 44, 45 & 45/Up extent 3553 sq. yards situated at Marcdpally village, Secunderabad cantonment area, Urban taluk, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 12268/80.

S. GOVINDARAJAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-7-1981.
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th July 1981

Ref. No. RAC 115/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. land situated at Maredpally village, Sec'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Sri Macherla Jaihind S/o Late Macherla Durgaiah,
2. Macherla Pandu S/o Late Macherla Durgaiah,
East Maredpally, Secunderabad cantonment.
(Transferor)
- (2) The Ravi co-operative Housing Society Ltd.,
TAB 22 of 1974 1-5-559/1 Bakaram Road,
Hyderabad-20, President Sri K. Ashok Kumar,
S/o Sri K. L. Patel and Secretary Dr. V. Sai Babu
S/o V. V. Ramana Rao.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that portion of Agricultural land in Survey No. 42, 43, 44, 45 and 45/Up extent 3043 sq. yards situated at Maredpally village Secunderabad cantonment area Urban Taluq, Hyderabad registered with Sub-registrar Hyderabad vide Doc. No. 12251/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-7-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th July 1981

Ref. No. RAC/116/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. land situated at Maredpally village, Sec'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Macherla Jaihind S/o Late Macherla Durgaiah,
2. Sri Macherla Pandu S/o Late Macherla Durgaiah,
East Maredpally, Secunderabad cantonment.
(Transferor)

(2) The Ravi Co-operative Housing Society Ltd.,
TAB 22 of 1974 1-5-559/1,
Bakaram Road, Hyderabad-20,
President Sri K. Ashok Kumar S/o Sri K. L. Patel and
Secretary Dr. V. Sai Babu S/o V. V. Ramana Rao.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that portion of Agl. land Sy. No. 42, 43, 44, 45 & 45 UP extent 3400 sq. yards situated at Maredpally village Secunderabad cantonment area, Urban Taluk, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 12240/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.
Date : 7-7-1981.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th July 1981

Ref. No. RAC No. 117/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. land situated at Maredpally village, Sec'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Sri Macherla Jaihind S/o Late Macherla Durgaiah
2. Sri Macherla Pandu S/o Late Macherla Durgaiah
East Maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Ravi Co-operative Housing Society Ltd., TAB 22 of 1974, 1-5-559/1 Bakaram Road, Hyderabad-20, President Sri K. Ashok Kumar S/o Sri Patel and Secretary Dr V. Saibabu S/o V. V. Ramana Rao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that portion of Agl. Land Sy. No. 42, 43, 44, 45 and 45/UP extent 3410 sq. yards situated at Maredpally village Secunderabad cantonment area Urban Taluk, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 12121/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-7-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD
Hyderabad, the 7th July 1981

Ref. No. RAC 118/81-82:—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building & land situated at Dargametta Nellore town (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on November 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Bandhuvula Janikamma W/o Late Krishna Swamy.
2. Sri Bandhuvula Venkata Kartikeya S/o Late Krishna Swamy,
3. Bandhuvula Subba Lakshmi D/o Late Krishna Swamy,
4. Bandhuvula Aparna D/o Late Krishna Swamy,
5. Bandhuvula Srinath S/o Late Krishna Swamy,
(4 & 5 Minor by guardian mother Bandhuvula Janika Swamy) Dargamitta Nellore.

(Transferor)

(2) 1. Gunapati Sridhar Reddy S/o Ramachandra Reddy, Poga bota, Nellore Town,
2. Menakuru Ramesh Reddy S/o Gopala Krishna Reddy Dargamitta, Nellore town.,
3. Ronda Basivi Reddy S/o Venkataswara Reddy Pandillapalli village, Bapatla Taluk Prakasham district,
4. Gunapati Padmanabha Reddy S/o Ramachandra Reddy Pagabota Nellore, town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Dargametta ward No. 24 Door No. 387 with appertaining land area 2Acres 72 cents C.A.S. No. 562/1A devolved in to House Plots registered with Sub-Registrar Nellore vide Doc. No. 4151/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.
Date : 7-7-1981.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1981

Ref. No. RAC No. 119/81-82:—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open plot situated at Koduru village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pullampet on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Narjala Ramalaxmamma W/o Anjaneyulu Balaji vedhi, Kodu Village, Koduru post, Koduru Taluk.

(Transferor)

(2) Malleboyina Venkata Ramanayya (alias) Veeraiah, S/o Thimayya, Jammalamadugu village, Jammalamadugu Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Open plot at Koduru village 5th ward area 316 sq. yards registered with Sub-Registrar Pullampet vide Doc. No. 2300/80.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority,,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-7-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1981.

Ref. No. RAC 120/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land situated at Koduri village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Pullampet on November 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Suraparaju Subba Raju S/o Subba Raju, Agriculturist, Koduru village.

(Transferor)

(2) Shri Moin Sadiq Wali S/o Divan Saheb, Kodur village, Tangatur post, Rajampet Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land at Koduru village 5th ward area 217.5 sq. yard registered with Sub-Registrar Pullampet vide Doc. No. 2222/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1981

Ref. No. RAC No. 121/1918-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. land situated at Sy. No. 148 to 155 Hydernagar (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rangareddy on November 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Sri K. Seetharama Roddy 1-72 Nizampet (Now residing at B-10 Sanjeeva Reddy Nagar, Hyderabad)
 2. Sri K. Yellaiah 8-3-166 Errangadda Hyderabad,
 (3) Sri S. Govinda Reddy 3-6-425 Himayathanagar Hyderabad, (4) Sri S. Shankar Reddy 3-53 Bolaram Secunderabad (5) Abdul Aziz 8-4-491 Erragadda Hyderabad (6) Mohd. Ismail 1-18 Hafeezpet, Village.

(Transferor)

(2) M/s. Gopalanagar Co-operative House Building Society Ltd., Erragadda Hyderabad Represented by its President Sri B. Pentaiah 1-2-485, G. M. Road, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Sy. No. 148 to 155 total area 93 acres 24 guntas at Hydernagar village, Medchal Taluk, R. R. District vide document No. 613/80 with S.R.O. Rangareddy.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-7-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—196G1/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1981

Ref. No. —Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Fatehpur (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Fatehpur on 3-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Deoki Nandan S/o Hokmichand -Khedwal G.P.A., holder Shri Ram Nirajan, Ashok Kumar & Basant Kumar Navetiya, Niwasi Fatehpur Disstt. Sikar.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Aziz S/o Hazi Abdul Gafoor, Kaji Musalman, Niwasi Fatehpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at Ward No. 19, Fatehpur Distt. Sikar & more fully described in the sale deed registered by S. R. Fatehpur vide his registration No. 562 dated 3-11-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1981.
Seal :

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1981

Ref. No. :—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Fatehpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Fatehpur on 3-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Deoki Nandan S/o Hukami Chand G.P.A. holder
Shri Ram Niranjan,
Ashok Kumar & Basant Kumar Neviya Niwasi,
Fatehpur Distt. Sikar.
(Transferor)

(2) Shri Akhtar S/o Abdul Gafoor Kaji Musalman,
Niwasi Fatehpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property situated at Ward No. 19, Fatehpur Distt. Sikar & more fully described in the sale deed registered by S. R., Fatehpur vide his registration No. 565 dated 3-11-80.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (31 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1981.

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1981

Ref. No. :—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward No. 19 (property) situated at Fatehpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fatehpur on 3-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Deoki Nandan S/o Hukamichand Khedwal G.P.A., holder Ram Nirajan, Ashok Kumar & Basant Kumar Navetia, Fatehpur Distt. Sikar. (Transferor)

(2) Shri Mohammed Hussain S/o Hazi Abdul Gafoor, Kaji Musalman, Fatehpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (77 of 1957);

THE SCHEDULE

Property situated at Ward No. 19 Fatehpur Distt. Sikar & more fully described in the sale deed registered by S. R., Fatehpur vide his registration No. 566 dated 3-11-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1981

Ref. No. :—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Fatehpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Fatehpur on 3-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Deokinandan S/o Hukamchand Khedwal G. P. A. holder Shri Ram Niranjan, Ashok Kumar & Basant Kumar, Navetiya Fatehpur Distt. Sikar. (Transferor)

(2) Shrimati Alahmot W/o Hazi Abdul Gafoor, Kazi, Fatehpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1911) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property situated at Ward No. 19, Fatehpur, Distt. Sikar & more fully described in the sale deed registered by S. R., Fatehpur vide his registration No. 564 dated 3-11-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1981

Ref. No. :—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Fatehpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fatehpur on 3-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Deoki Nandan S/o Hukamchand Khedwal G.P.A. holder Shri Ram Niranjan, Ashok Kumar & Basant Kumar Navetiya, Fatehpur Distt. Sikar. (Transferor)

(2) Shri Mohammed Azam S/o Hazi Abdul Gafoor, Kaji Musalman, Fatehpur Distt. Sikar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Ward No. 19, Fatehpur Distt. Sikar & more fully described in the sale deed registered by S. R., Fatehpur vide his registration No. 563 dated 3-11-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-7-1981.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Kumkum Lata W/o Narendra Kumar Gupta, Niwasi Safdaraganj, Delhi now at Gajiyabad.
(Transferor)

(2) Shrimati Shanti Devi W/o Shri Vasdeo Madan, Hindu Pada, Alwar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th July 1981

Ref. No. :—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 81-A situated at Alwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alwar on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 81-A C.I.B. Scheme No. 1, Alwar, & more fully described the sale deed registered by S. R., Alwar in the month of Nov., 80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-7-1981.
Scaj :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th July 1981

Ref. No. :—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial area 2 situated at Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 11-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) Shri Rameshwar S/o Hari Kris hanji Kalla,
C/o M/s. R. K. Textile Industries,
Industrial Area No. 2,
Pali Hal Niwasi, Jodhpur.

(Transferor)

(2) M/s. Jagdish Textile Mills,
Pali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building at Industrial area No. 2, Pali & more fully described in the sale deed registered by S. R., Pali vide his registration No. 2314 dated 11-3-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-7-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. LT.N.S.—

(1) Sri Sailendra Mohan Dey.

(Transferor)

(2) Sri Sunil Kumar Das.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd July 1981

Ref. No. AC-20/R-II/Cal/81-82.—Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 170 situated at Satgachi, P.S.-Dum Dum, 24 parganas (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S. R. Cassipore, Dum Dum on 12-11-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Area : 3.95 k only at Mouza-Satgachi, P.S.-Dum Dum. Vide—Dag No. 170. Kh. No. 800. 24 parganas. More particularly described in deed No. 1440 of S. R. Cassipore, Dum Dum of 1980.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range No. 54,
Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
21—196GI/81

Date : 23-7-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 14th July 1981

Ref. No. A. P. No. 2689.—Whereas, I J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Jiwan,
W/o Sh. Raj Kumar,
R/o Mohalla Thanedara,
Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chander,
S/o Sh. Sona Ram,
Smt. Sushma,
W/o Sh. Subhash Chander,
R/o Mohalla Thanedara,
Phagwara.

Transfree

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2001 of Nov. 1980 of the Registering Authority Phagwara.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jullundur.

Date : 14-7-1981

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th July 1981

Ref. No. A. P. No. 2690.—Whereas, I J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozepur on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Parkash Devi,
Wd/o Sh. Ishar Dass,
Smt. Raj Kumari,
W/o J. C. Thukral,
R/o Old Rajinder Nagar,
New Delhi,
Smt. Amrit Rani,
W/o Sh. K. L. Verma,
R/o Civil Lines,
Ihsan Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Captn. I. M. Narang,
S/o Dr. G. D. Narang,
New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 &
1. Om Parkash,
2. Dr. Bharat Bhushan Garg,
S/o Sh. Bakshi Ram Garg,
3. M/s Bombay Photo House,
Sh. K. K. Grover, R/o Inside Delhi Gate,
Ferozepur City.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5165 of Dec. 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 14-7-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 15th July 1981

Ref. No. A. P. No. 2692.—Whereas, I J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Gurgopal Nagar, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Parmjit Singh,
Tejinder Singh & Amritpal Singh,
S/o Sh. Gurgopal Singh,
r/o Cool Road,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Ravi Kant Paul,
S/o Sh. R. C. Paul,
Advocate,
49, Old Radio Colony,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5128 of Nov., 80 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 15-7-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ETNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th July 1981

Ref. No. A. P. No. 2691.—Whereas, I J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on Nov., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mail Kaur wife of Sh. Bakhabish Singh,
Kehar Singh, Kabal Singh,
Ss/o Sh. Makhan Singh,
R/o Basti Sheikh,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Singh,
S/o Sh. Sant Singh,
Petrol Pump,
Opposite T. V. Studio,
Mahabir Marg,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5120 of Nov., 80 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 15-7-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th July 1981

Ref. No. A. P. No. 2693.—Whereas, I J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Lohian (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shankot on 11/1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shangara Singh,
S/o Sh. Ujagar Singh,
R/o Lohiana, Tehsil Nakodar,
Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Dr. Mehar Singh,
S/o Sh. Hazara Singh,
r/o Rampur, Tehsil Sultanpur,
Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & person as mentioned in registration sale deed No. 1682 of dated 11/1980 of Registering Authority Shahkot.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 15-7-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th July 1981

Ref. No. A. P. No. 2694.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Lohiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shahkot on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Shri Shangara Singh,
S/o Sh. Ujagar Singh,
R/o Lohiana,
Tehsil Nakodar Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Gurmit Kaur,
W/o Dr. Mehar Singh,
R/o Rampur Tehsil Sultanpur,
Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1683 of dated November 1980 of the Registering Authority, Shahkot.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 15-7-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th July 1981

Ref. No. A. P. No. 2695, Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bishan Singh,
S/o Sh. Chaga Singh,
S/o Waryam Singh,
R/o Goraya Tehsil Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Kamal Asis Singh,
Kamaldip Singh,
S/o Jasvir Singh,
S/o Bishan Singh,
R/o Goraya, Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration Sal deed No. 2209 of dated November 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 15-7-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th July 1981

Ref. No. A. P. No. 2696.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—19GI/81

- (1) (1) Shri Jaswant Rai R/o Sirki Bazar, Bhatinda
- (2) Smt. Bimla Rani Urf. Bimla Devi, Mandi Through Jaswant Rai, G.A.
- (3) Smt. Pushpa Devi R/o Mansa Nandi through Jaswant Rai G.A.
- (4) Sh. Kesho Ram S/o Bhana Ram through Kuldeep Rai, G.A. Sirki Bz. Bhatinda
- (5) Sohan Lal S/o Sh. Bhana Ram through Sh. Kuldeep Rai, G.A.
- (6) Norati Devi D/o Sh. Bhana Ram R/o Bhatinda through Kuldeep Rai, G.A.

(Transferer)

- (2) Shri Atma Ram S/o Ishar Dass, Sh. Dharam Pal, Rattan Lal SS/o Sh. Ishar Dass, Smt. Prem Lata W/o Sh. Sukhdev S/o Sh. Atma Ram R/o Gali No. 2, Mandi Abohar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2570 of Dec. 1980 of the Registering Authority, Abohar.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 15-7-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th July 1981

Ref. No. A. P. No. 2697.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tejinder Singh,
Jatinder Singh
Ss/o Sh. Mohinder Singh,
R/o Vill. Ghalu Teh. Fazilka.
Through Sh. Bhupinder Singh, G.A.

(Transferor)

(2) Shri Gurinder Pal Singh,
Gurmandir Pal Singh,
Ss/o Sh. Bhupinder Singh,
Smt. Gurpreet Kaur,
D/o Sh. Bhupinder Singh,
R/o Vill. Ghalu Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale-deed No. 2752 of Dec. 1980 of the Registering Authority, Abohar.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 15-7-1981

Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th July 1981

Ref. No. A. P. No. 2698.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bara Hari (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sukhdev Singh,
S/o Sh. Chet Singh,
r/o Bara Hari.

(Transferor)

(2) Shri Dev Ratten Rahul & Santosh
S/o Ghansham Dass,
R/o Muktsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3074 of dated February 1981 of the Registering Authority, Muktsar.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 18-7-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th July 1981

Ref. No. A. P. No. 2699.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bara Hari (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurnam Singh,
S/o Sh. Chet Singh,
R/o Bara Hari.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Kumar,
S/o Duni Lal,
R/o Muktsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration seal deed No. 3075 of dated February 1981 of the Registering Authority, Muktsar.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 18-7-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th July 1981

Ref. No. A.P. No. 2700—Whereas, I, J.S. AHLUWALIA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bara Hari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar on Feb., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sham Singh S/o Sh. Chet Singh r/o Bara Hari. (Transferor)
- (2) Smt. Parvin Kumari Wife of Sh. Mohinder Kumar r/o Muktsar. (Transferee)
- (3) as s. no. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 3076 of dated 2/1981 of the Registering Authority, Muktsar.

J.S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-7-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th July, 1981

Ref. No. A.P. No. 2701—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. as per schedule situated at Industrial area, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov. , 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Ram Sarup & Ram Parkash S/o Sh. Tulsi Ram r/o W.F. 119, Gali Jaini, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Piara Lal s/o Mula Mal, r/o S-84, Industrial Area, Jullundur. (Transferee)
- (3) as s. no. 2 above, and South India Industries, Chowk Basti Nau, Jullundur. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5216 of dated 11/80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 20-7-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 20th July, 1981

Ref. No. A.P. No. 2702—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Khoob Chand alias Mehant Kishan Dass Chela Mehant Kalyan Dass Chela Mehant Hari Dass, Dharam Shala Bawa Saran Dass, Ferozepur City.
(Transferor)
- (2) Shri Jarmal Singh & Darshan Singh s/o Sh. Sawal Singh and Sawal Singh S/o Sh. Bur Singh, Gali Kashmirian, Ferozepur City.
Sh. Karam Chand S/o Behari Lal and Jai Dev S/o Sh. Bhagat Ram, Kucha Raja Ram Kalia, Ferozepur City.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4418 of Nov. 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 20-7-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th July 1981

Ref. No. A. P. No. 2703.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Ferozepur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ferozepur on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Khoob Chand alias Kishan Dass
Chela Mehat Kalyan Dass Chela Hari Dass,
Dharam Shala Bawa Saran Dass,
Mohalla Budhwara, Ferozepur City.
(Transferor)

(2) Shri Jarmal Singh & Darshan Singh
S/o Sh. Sawal Singh and Sawal Singh
S/o Sh. Bur Singh,
Gali Kashmirian,
Ferozepur City.
and Sh. Karam Chand
S/o Sh. Behari Lal
and Jai Dev S/o Sh. Bhagat Ram,
Kucha Raja Ram Kalia,
Ferozepur City.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned, knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5665 of Jan. 1981 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 20-7-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Surinder
Wd. Renuka,
Monika, Daughters Sh. Shiv Parshad
S/o Sh. Ambika Parshad,
Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Swarn Singh,
S/o Sh. Dial Singh,
C/o Onkar Saw Mills,
Sultapur Road,
Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale
deed No. 2494 of Nov. 1980 of the Registering Authority,
Kapurthala.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Jullundur,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
23—196GI/81

Date : 22nd July, 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 23rd July 1981

Ref. No. A. P. No. 2705.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Smt. Prem Lata Malhotra self and on behalf of Sharda Rani (minor) as Guardian and Mohan Kumar alias Manmohan Kumar, Avnendar Kumar, Nirmal Kanta r/o 30, Arhat Bazar, Saharan Pur Road, Dehradun and Smt. Chand Rani & Kamla Wati alias Gurjan Devi r/o 18, NF, Qilla Mohalla, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Sabish Oberoi S/o Sh. Daulat Ram, R/o 561, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4802 of Nov., 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acq. Range, Jullundur,

Date : 23-7-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd July, 1981

Ref. No. A.P. No. 2706.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Prem Lala Malhotra self and on behalf of Sharda Rani (minor) as Guardian and Mohan Kumar alias Manmohan Kumar, Avnendar Kumar, Nirmal Kanta r/o 30, Arhat Bazar, Saharanpur Road, Dehradun and Smt. Chand Rani & Kamla Wati alias Gurjan Devi, r/o 18, NF, Qilla Mohalla, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Sudershan Oberoi
S/o Sh. Daulat Ram,
r/o 561, Model Town,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4803 of November, 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 23-7-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd July 1981

Ref. No. A. P. No. 2707.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Jullundur on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Prem Lata Malhotra self and on behalf of Sharda Rani (minor) as guardian and Mohan Kumar alias Manmohan Kumar, Avnendar Kumar, Nirmal Kanta R/o 30, Arhat Bazar, Saharan Pur Road, Dehra Dun and Smt. Chand Rani & Kamla Wati alias Gurjan Devi r/o 18, NF, Qilla Mohalla, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Chander Wason Wife of Sh. Satish Wason r/o 676, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4834 of November, 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 23rd July, 1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 23rd July 1981

Ref. No. A. P. No. 2708.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

(1) Shri Ashok Kumar,
S/o Sh. Sat Parkash,
R/o Moga.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Kumar,
S/o Sh. Sat Parkash,
C/o Majestic Theatre,
Moga.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5940 of November, 80 of the Registering Authority, Moga.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 23-7-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd July 1981

Ref. No. A. P. No. 2709.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moga on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ashok Kumar,
S/o Sh. Sat Parkash,
R/o Moga. (Transferor)
- (2) Shri Naresh Kumar,
S/o Sh. Sat Parkash,
C/o Majestic Cinema,
Moga. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5941 of November 80 of the Registering Authority, Moga.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 23-7-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd July 1981

Ref. No. A.P. No. 2710.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Virk Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhatinda on November, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbans Singh
S/o Gian Singh,
R/o Kotli Devan Singh,
Attorney Bharpur Singh
S/o Sh. Mohi Singh,
R/o V. Virk Kalan,
Tehsil & Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh & Rajwant Singh
Ss/o Sh. Jodh Singh,
R/o V. Virk Kalan,
Tehsil & Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4015 of dated November 80 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 23-7-81

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Surjit Singh,
S/o Hari Singh,
R/o Nahianwala Mukhtiar-Al-Am Shri Bharpur Singh
Son of Mohi Singh resident of V. Virk Kalan Tehsil
& Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh & Rajwant Singh,
Ss/o Sh. Jodh Singh,
R/o V. Virk Kalan,
Tehsil & Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd July 1981

Ref. No. A. P. No. 2711.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Virk Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on November 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4016 of dated November 80 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 23-7-81
Seal :

FORM ITNS

(1) D. Vijay Mohan,
Premier House,
A.T.D. St.,
Race Course,
Coimbatore, 641 018

(Transferor)

(2) N. Damodaran,
Premier House,
A.T.D. St.,
Race Course,
Coimbatore, 641 018

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 13th July 1981

Ref. No. 11218—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. GS. No. 412, 4B, Chinnavalavadi situated at and GS 105, 106, 107, 90, Periavalavadi (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. 3029/80) in November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at GS 412, 4B, Chinnavalavadi and GS 105, 106, 107 Periavalavadi (Doc. 3029/80)

(RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range-II,
Madras-600 006,

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—196GI/81

Dated 13-7-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS, the 13th March 1981

Ref. No. 11192—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

No. S. No. 167/2, 155, 166 situated at Vadavalli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3866/80) on November 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Subbana Gounder
Marudhakutti Gounder
Kaspa, Vadavalli,
Coimbatore Tk

(Transferor)

(2) Nataraja Chettiar
V. Shanmughasundaram
V. Kandaswamy,
V. Arunachalam
Raja St.,
Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land St No. 167/2, 155, 166, Vadavalli, Coimbatore
(Doc. 3866/70)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 13-7-81

Seal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 13 July 1981

Ref. No. 11214—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 33, Singanallur situated at (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur (Doc. 2011/80) in November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Rukmani Ammal
Trichy Road, Ondipudur,
Coimbatore

(Transferor)

(2) Rukmani Ammal
w/o. Late Chinnaswamy
25, Sathyamurthy Road,
Ramnagar,
Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter 'X' of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 33, Singanallur, Coimbatore (Doc. 2011/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-81
[Seal]

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, Dated 13th July 1981

Ref. No. 9215—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 182/2, 183/1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8 situated at 184/1,2 Abishekapuram, Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 6709/80) on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Poyyamozhi,
Rajeswari,
Paramasivapuram,
Lalgudi,
Trichy Dt.

(Transferor)

(2) Ameena Bivi
w/o Hamidul Basha,
58, Kandi St.,
Beema Nagar,
Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 182/2, 183/1,2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 184/1,2 Abishekapuram, Trichy.
(Doc. 6709/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspectiong Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 13-7-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

MADRAS-600 006, the 13th July 1981

Ref. No. 9167—Whereas, I, RADHA BAI AKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 110, Subbaraya Chettiar situated at St. Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. 2364/80) on November 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Thiruvenkada Chettiar,
Sellappa Chettiar,
110, Subbaraya Chettiar St.,
Pondicherry-1

(Transferor)

(2) Deiva Perundevy,
163, Deigumudaliar St.,
Pondicherry-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 110, Subbaraya Chettiar St.,
Pondicherry
(Doc. 2364/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras 600 006

Date : 13-7-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) R. Sridharan,
98 Vanal Street,
Pondicherry,

(Transferor)

(2) Nanwam's partnership firm rep.
by N. Nanwani,
36, Brindavan Colony, Pondicherry

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 13th July 1981

Ref. No. 9168—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 51, Jawaharlal Nehru St., situated at Pondicherry and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pondicherry (Doc. 2371/80, on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 51, Jawaharlal Nehru St., Pondicherry (Doc. 2371/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 13-7-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) S. Gangadharan,
Nanda Nilayam,
Woodcock Hall Road,
Ooty.

(Transferor)

(2) M. Kumaraswamy,
M. Rangaswamy,
S/o. Masiappa Gounder,
Adashola,
Ooty

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006
MADRAS-600 006, the 13th July 1981

Ref. No. 11151—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 43/2, 432, situated at Ooty (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ooty (Doc. 1700/80) on November 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 432, S. No. 43/2, Ooty (Doc. 1700/80)

RADHA BALAKRISHNAN

(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 13-7-81

Seal :

FORM ITNS ——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 3rd July 1981

Ref. No. 11145—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 310, situated at Telungupalayam, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4170/80) on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) S. Kondaswamy,
Lakshmi Nivas,
Balasundaram Road,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) S. Kondaswamy,
Sri Meenakshi Spinners (p) Ltd.
Colmbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 310, Telungupalayam (Doc. 4170/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras 600 006,

Date: 3-7-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITN6

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1981

Ref. No. 11150—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10-13-3, /situated at Mettupalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Doc. 2378/80) on November 1980 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) S. Padmaraj,
10, Ward No. 17,
Mettupalayam Town

(Transferor)

(2) P. J. David,
3, 5th St.,
Co-Op. Colony,
Mettupalayam

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 10-13-3, Mettupalayam
(Doc. 2378/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 2-7-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—196GL/81

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd July 1981

Ref. No. 9184—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, Sekkalaikottai, situated at Karaikudi-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikudi (Doc. 1470/80 on Nombember 1980 for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957) :—

(1) P. R. Natarajan,
C/o. P. S. Ramachandra Iyer,
Indian Institute of Experimental Medicine
4, S.C. Mullik Road,
Calcutta-32.

(Transferor)

(2) C. NK Narayanan Chettiar,
4, Kandramanickam Main Road,
Kandramanickam,
Tirupattur Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 2, Sekkalai Kottai Karalkudi (Doc. 1470/70)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 2-7-81
S al :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9 July 1981

Ref. No. 16008—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 69, Nungambakkam High Road, situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at North Madras (Doc. 4886/80) on November 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) N. Janakiraman,
N. Premkumar,
N. Nityanandan,
Lakshmi Ammal,
6, Nungambakkam High Road,
Madras-34.

(Transferor)

(2) Round Table Foundation,
Premier House, A. T.D. Street,
Race Course,
Coimbatore-18

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 69, Nungambakkam High Road
Madras, 34
(Doc. No. 4886/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspectiong Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 9-7-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, Dated 2nd July 1981

Ref. No. 11195—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19, Bashyakaralu Road West situated at RS puram Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5908/80 in November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Chandramathi Madhavan,
W/o. A. P. Madhavan,
28/14, West Bashyakaralu Road,
RS puram
Coimbatore

(Transferor)

(2) Dr. R. Bellie,
23, Cowley Brown Road,
RS puram
Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 19, Bashyakaralu Road, RS puram Coimbatore
(Doc. 5908/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras -600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 13th July 1981

Ref. No. 11219—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 294, 295, 296, 297, 298, situated at 299, Vadaboothi-natham

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Udumalpet (Doc. 3001/80) on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. R. Sarojini,
W/o. L. G. Ramamurthi
Saroram, Race Course,
Coimbatore-641 018.

(2) M/s. Sheela Investments (P) Ltd.
8/87A, A.T.D. St.
Race Course,
Coimbatore-18.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reductions or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 294, 295, 296, 297, 298, 299 Vadaboothi-natham. (Doc. 3001/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 13-7-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

MADRAS-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 11193—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 364, Ettimadai, situated at S. No. 181, Thirumalai-ampalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. 3864/80) on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) R. K. S. Lakshmi,
W/o R. K. Subramaniam Eangur,
Erode Tk

(Transferor)

(2) P. Hussain Mohammed,
S/o. M. Fakir Mohammed Rowther,
16/22, 23, V.
C.V. Road,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 364, Ettimadal and S. No. 181, Thirumalaiampalayam.

(Doc. 3864/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 14-7-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS -600 006

Madras-600 006, the 14th July 1981

Ref. No. 11193—Wheras, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 364 Ettimadai and situated at S. No. 181, Thirumalaipalayam, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3863/80) on Numberer 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) R. K. S. Lakshmi,
W/o. R. K. Subramaniam
Eangur,
Erode Tk.

(Transferor)

(2) Mohammedhappi W/o,
P. Hussain Mohammed
16/22, 23,
V.C. V. Road,
Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 364, Ettimadai and 181, Thirumalaipalayam, Coimbatore
(Doc. 3863/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 14-7-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS
Madras-600 006, the 10th July 1981

Ref. No. 11211—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28, West Bashyakaralu situated at Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 6389/80 on Nombember 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) D. Jayaram
17, West Bashyakaralu Road,
RS puram Coimbatore

(2) N. K. Balasubramaniam
720, Big Bazaar St.,
Coimbatore

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 28, West Bashyakaralu Road, Coimbatore
(Doc. 6389/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant
Acquisition
Commissioner of Income-tax,
Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) D. Jayaram,
17, West Bashyakaralu Road,
RS Puram,
Coimbatore

(Transferor)

(2) K. Mahadeva Iyer
720, Big Bazaar St.
Coimbatore

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 10th July 1981

Ref. No. 11211—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17A, West Bashyakaralu, situated at Road, RS puram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 6388/80 on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 17A, West Bashyakaralu
Coimbatore
(Doc. 6388/80)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—196GI/81

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 10-7-81

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 06, the 10th July 1981

Ref. No. 11213—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. F. No. 178, 154, Perianaicken situated at palayam, Narasimman Naickonpalayam (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam (Doc. 2332/80) on November 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) D. Devarajan,
S/o. K. Damodaraswamy Naidu,
Pudupalayam,
Narasimmanaickenpalayam,
Coimbatore

(Transferor)

(2) Ms Premier Spinners,
5, Linganoor Road,
Veerakeralam,
Coimbatore Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 178, 154, Perianaickenpalayam, Narasimmanaickenpalayam
(Doc. 2332/80)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006,
Date 10-7-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) D. Devarajan, Pudupalayam,
Narasimmanaikenpalayam,
Coimbatore Tk.

(Transferor)

(2) B. R. Padhye,
34A, Periaswamy Road,
Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-60006, the 10 July 1981

Ref. No. 11213—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 120/2 and 155, situated at Perianaickenpalayam, Narasimmanaikenpalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam (Doc. 2333/80) on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S.No. 178, 154, 120/2, 155, Narasimmanaikenpalayam.

(Doc. 2332, 2333/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 10-7-1981
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 13 July 1981

Ref. No. 9164—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. N. 270, 276, 309, 271, situated at Melakadu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muthupet (Doc. 1860/80 on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) N. Sundaresa, Devar,
Mirasdar, Melakadu,
Pattukottai Tk

(Transferor)

(2) P. Muthulakshmi Ammal,
W/o Palani Dorai Devar,
Mirasdar, Vadakadu Thambikottai,
Pattukottai Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 270, 276, 309, 271 Melakadu (Doc. 1860/80)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 066
Date : 13-7-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras- 600 006, the 13 July 1981

Ref. No. 9164—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 269, situated at Melakadu Pattukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muthupet (Doc. 1861/80 on November 1980 for an apparent consideration which, is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S. Namagiri Ammal,
Mirasdar,
Melakadu,
Pattukottai

(2) Muthulakshmi
W/o. Palanidorai,
Devar,
Mirasdar,
Vadakadu Thambikottai
Pattukottai

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 269, Melakadu, Pattukottai
(Doc. 1861/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-7-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RAHGE-II, MADRAS- 600 006

Madras the 13th July 1981

Ref. No. 11219—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 290, Vadabuthinatham, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. 3000/80) on November 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) V. N. Ramachandran,
A.T.T. Colony,
Avanashi Road,
Coimbatore, 641 018

(Transferor)

(2) M/s Sheela Investments, (P) Ltd.,
8/87-A,
A.T.D. St.,
Race Course,
Coimbatore 641 018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 290 Vadabuthinatham
(Doc. 3000/80)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006
Date 13-7-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras the 13 July 1981

Ref. No. 11220—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 2, Chinna Valavadi, situated at Udumalpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Udumalpet (Doc. 3010/80) on Nombember 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) V. N. Ramachandran, Vijaya
A. T.T. Colony,
Coimbatore 641 018

(Transferor)

(2) M/s. Jagadish Chandran Investments (P) Ltd.
8-87A,
A.T.D. St.,
Race Course,
Coimbatore 641 018

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. N. No. 2, Chinna Valavadi, Udumalpet
(Doc. 3110/80)

(RADHA BALAKRISHN
(Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-81

Seal : "

FORM ITNS

(1) N. Damotharan,

A.T.D. St.,

Race Course,

Coimbatore, 641 018

(Transferor)

(2) M/s. Jagadish Chandran Investments (P) Ltd.

8/87 A,

A.T.D. St.,

Race Course,

Coimbatore-18.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th July 1981*

Ref. No. 11220—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 2, Chinnavalavadi, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. 3111/80) on November 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 2, Chinnavalavadi
(Doc. 3111/80)

RADHA BALAKRISHNAN
(Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 2nd November 1981

Ref. No. 9185—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 227/1B, situated at Kazhanivasal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikudi (Doc. 1440/80) on November 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ramanatha Swamigal,
Muthuramalinga Gnanadesikar Mutt
Kovilur (Transferor)

(2) M. Chockalingam
Lingam & Co.
3/58, Amman Sannathi St.,
Kizhachivalatti (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 227/1B Kazhanivasal
(Doc. 1440/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 2-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, dated the 2nd November 1981

Ref. No. 9185—Whereas, I Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 227/1A, Kazhanivasal situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Karaikudi (Doc. 1441/80) on November 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Ramanaha Swamigal
Muthu Ramalinga Gnana Desikar,
Kovilur.

(Transferor)

(2) S. Meenakshisundaram,
Meenakshi & Co.,
3/58, Amman Sannathi St.,
Kizhachivalpatti Ramanathapuram Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 227/1B, Kazhanivasal
(Doc. 1441/80)

(RADHA BALAKRISHNAN)

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 2-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ramaanatha Swamigal
Muthuramalinga Gnanadesikar Mutt
Kovilur.

(Transferor)

(2) S. Meenakshisundaram,
Karpagam & Co.,
3/58, Sannathi St.,
Kizhachivalpatti

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, dated the 2 November 1981

Ref. No. 9185—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 227/1B situated at Kazhanivasala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Karaikudi (Doc. 1442/80 on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 227/1B, Kazhanivasal
(Doc. 1442/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras -600 006.

Date : 2-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras -600 006 the 2nd November 1981

Ref No. 9185—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 227/1A, situated at Kazhanivasal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Karaikudi (Doc. 1489/80) on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Ramanatha Swamigal
Muthuramalinga Gnanadesikar Mutt,
Kovilur

(Transferor)

(2) Meenakshisundaram Chettiar,
Meenakshi & Co.
3/58, Samnathi, St.,
Kizhachivalpatti

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at S. No. 227/1A, Kazhanivasal
(Doc. 1489/80)

(RADHA BALAKRISHNAN)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 2-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd November 1981

Ref. No. 9185—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 227/1B, situated at Kazhanivasal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikudi (Doc. 1490/80) on November 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Ramanatha Swamigal,
Muthuramalnuga Gnana Desikar Mutt,
Kovilur. (Transferor)

(2) Meenakshisundaram Chettiar,
Karpagam & Co.,
3/58,
Sannathi St.,
Kizhachivalpatti. (Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 227/1B, Kazhanivasal (Doc. 1490/80).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006,

Date : 2-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 2nd November 1981

Ref. No. 9185—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing

No. S. No. 227/1B, Kazhainivasal, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikudi (Doc. 1491/80) on November 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Ramanathaswamigal,
Muthuramalinga Gnanadesikar Mutt
Kovilur.
(Transferor)

(2) Chockalingam Chettiar
Lingam & Co.,
3/58, Samnathi St.,
Kizhachivalpatti.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 227/1B, Kazhainivasal
(Doc. 1491/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rama Shanker Prasad Singh,
S/o Babu Banaras Singh, Advocate,
R/o Dahiwan Pragna Manjhi,
District Saran.

(Transferor)

(2) Smt. Dhanbati Devi W/o Dr. Ram Janam Sharma,
R/o Village Surat,
Pragna-Bal, P. S. Ekma,
Dist. Saran. At present R/o Village Shyam Chak,
Matalkey Bahampur,
P. S. Bhagwan Bazar, Dist. Saran.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 27th July 1981

Ref. No. III-501/Acq./81-82:—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 2, Circle No. 17, Holding No. 327 (old) and 422 (New) Touz No. 4046 situated at Dahiwan Tola, Chapra. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saran on 10-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 3 Kathas 5 dhurs and 151/2'dhurki with double storied Building situated at Dahiwan Tola, Chapra, District Saran more fully described in deed No. 14722 dated 10-11-80 registered with D.S.R. Saran.

H. NARAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 27-7-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

